THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 32 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.2 2083 रविवार, 3 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14+32 मूल्य : 8 रुपये

पुलवामा में आतंकवादी का सहयोगी गिरफ्तार हथियार और गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर, 2 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पुलवामा पुलिस ने आतंकवादी के सहयोगी को गिरफ्तार किया। उसके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह गिरफ्तारी राजपोरा इलाके में सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स, सीआरपीएफ की 183 बटालियन और पुलिस के एक संयुक्त अभियान के दौरान की गई। आरोपी की पहचान मोहम्मद उमर मलिक के रूप में हुई है, जो पुलवामा जिले के काचीपोरा कस्बेयार का रहने वाला है। उसके ठिकाने की तलाशी लेने पर हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद हुआ।

'चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार, नए आदेश की जरूरत नहीं'

> टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा वोटों की गिनती के लिए मुख्य रूप से केंद्र सरकार और पीएसयू के कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस अहम मुद्दे को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने आज टीएमसी की याचिका पर सुनवाई की। विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी नया आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह अपने 13 अप्रैल के परिपत्र (सर्कुलर) का पूरी तरह से पालन करेगा।

तृणमूल कांग्रेस के मुताबिक, इस सर्कुलर में मतगणना प्रक्रिया में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का भी प्रावधान है। चुनाव आयोग के वकील के इस बयान के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने केवल यह दोहराया कि चुनौती दिए गए सर्कुलर को लागू किया जाएगा और मामले में आगे कोई अन्य आदेश देने से मना कर दिया। साथ ही यह भी कहा कि चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार हैं।

फर्क नहीं पड़ता कि अधिकारी केंद्र का है

सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि मतगणना के दौरान वहां हर राजनीतिक दल के चुनाव एजेंट मौजूद रहेंगे। इसलिए, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता कि पर्यवेक्षक केंद्र सरकार का नामित अधिकारी है या नहीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों की तैनाती पूरी तरह से चुनाव आयोग की अपनी संतुष्टि पर निर्भर करती है, क्योंकि वहां सभी पार्टियों के एजेंट मौजूद होंगे।

क्या है पूरा मामला :

यह पूरा मामला वोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया था कि बंगाल में वोटों की गिनती के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) बनाया जाएगा। टीएमसी इस फैसले का विरोध कर रही है। उनका मानना है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी बराबर शामिल किया जाना चाहिए। इसी आदेश को चुनौती देने के लिए टीएमसी ने अर्जी दी थी, जिस पर जस्टिस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुनवाई की।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने नियमों को लेकर क्या स्पष्ट किया :

> मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने नियमों को लेकर स्थिति साफ की।

> उन्होंने कहा कि नियमों में यह विकल्प पूरी तरह से खुला है कि काउंटिंग सुपरवाइजर और काउंटिंग असिस्टेंट केंद्र सरकार के भी हो सकते हैं और राज्य सरकार के भी।

> कोर्ट ने कहा कि जब यह विकल्प खुला हुआ है, तो हम यह बिल्कुल नहीं कह सकते कि चुनाव आयोग का यह नोटिफिकेशन नियमों के खिलाफ है।

> जस्टिस बागची ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग के पास यह अधिकार है कि वह कह सकता है कि दोनों अधिकारी केंद्र सरकार के ही होंगे।

बंगाल में 15 बूथ पर दोबारा वोटिंग

साउथ 24 परगना में भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

कोलकाता, 2 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम विधानसभा के कुल 15 बूथों पर शनिवार को दोबारा मतदान हुआ है। साउथ 24 परगना में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया।

वहीं फालता में वोटर्स ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि वोटिंग के बाद टीएमसी के लोगों ने उनके साथ मारपीट की। जब वे इसका विरोध कर रहे थे तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। कई लोगों को पैर में, सिर में और हाथ में चोट आई है। वहीं, टीएमसी ने आरोप लगाया कि मगराहाट के बूथ नंबर 127 पर सुरक्षाबलों ने हमारे कैंप में तोड़फोड़ की और कार्यकर्ताओं से मारपीट की। शाम 5 बजे तक मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों में 86.11 प्रतिशत और डायमंड हार्बर के 4 बूथों में 87.60 प्रतिशत वोटिंग हुई।

भारत और इक्वाडोर के बीच मजबूत हुए कूटनीतिक संबंध

दवाइयों से लेकर डिजिटल तकनीक तक, कई बड़े समझौते

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। इक्वाडोर की विदेश मंत्री गैब्रिएला सोमरफेल्ड की हालिया भारत यात्रा ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। इस उच्च स्तरीय दौरे का मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। भारतीय नेतृत्व के साथ सोमरफेल्ड की बैठकों के दौरान दोनों देशों ने आर्थिक साझेदारी को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

(फाइल फोटो)

व्यापारिक मोर्चे पर इस यात्रा के परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। दोनों देशों ने व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने पर विस्तार से चर्चा की। इक्वाडोर ने विशेष रूप से अपने प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे केला, कोको और झींगा के लिए भारतीय बाजार में बेहतर अवसर तलाशने पर जोर दिया। दूसरी ओर, भारत ने इक्वाडोर के ऊर्जा और खनन क्षेत्रों में निवेश की रुचि दिखाई है।

यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलन को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्युटिकल क्षेत्र इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा। भारत ने इक्वाडोर को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

अजय राय के अस्वस्थ होने के समाचार से चिंतित उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना : राहुल गांधी

नई दिल्ली/लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की हालत में सुधार आया है। फिलहाल, वे आईसीयू में भर्ती हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अजय राय के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के अस्वस्थ होने के समाचार से चिंतित हूं। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। आशा है कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों और फिर से पूरी शक्ति के साथ जन सेवा में सक्रिय हों। अजय राय के स्वास्थ्य के बारे में कांग्रेस के महासचिव अविनाश पांडे ने कहा, अब उनकी तबीयत ठीक और स्थिर है। मैं अभी-अभी यहां पहुंचा हूं और अस्पताल जा रहा हूं। ईश्वर की कृपा से सब कुछ ठीक है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने पोस्ट किया, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय की तबीयत कल रात अचानक खराब हुई।

देशभर में करोड़ों मोबाइल पर एकसाथ अलर्ट मैसेज आया

सायरन की आवाज सुनाई दी, सरकार ने इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग की

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। देशभर में शनिवार सुबह 11:45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी में एक मैसेज था। सायरन बंद हुआ तो मोबाइल पर मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया। इससे कई लोग परेशान हुए, तो कई कन्फ्यूज। हालांकि सरकार ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। यह मैसेज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, यानी एनडीएमए ने भेजा था, जो इमरजेंसी मोबाइल अलर्ट ट्रायल का हिस्सा है। एनडीएमए ने इमरजेंसी में लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिए 2 मई को इस सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया। शनिवार को देश के सभी राज्यों की राजधानियों और दिल्ली-एनसीआर में सभी मोबाइल फोन पर एकसाथ टेस्टिंग मैसेज भेजा गया। यह मैसेज हिंदी और अंग्रेजी के साथ सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी भेजा गया।

ईसीआई ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए सुरक्षा कवच मजबूत किया

165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की तैनाती की घोषणा की है। यह फैसला मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सतर्क नजर रखने के उद्देश्य से लिया गया है। ईसीआई के प्रेस नोट के अनुसार, ये अतिरिक्त पर्यवेक्षक उन 165 विधानसभा क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे जहां एक से अधिक मतगणना कक्ष हैं। मुख्य मतगणना पर्यवेक्षकों की सहायता के लिए ये अतिरिक्त अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वहीं, पुलिस पर्यवेक्षक आवंटित विधानसभा क्षेत्रों के मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की देखरेख करेंगे। आयोग ने साफ निर्देश दिया है कि पुलिस पर्यवेक्षक किसी भी हालत में मतगणना कक्ष के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए ईसीआई ने यह तैनाती की है।

सुप्रीम कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत को पवन खेड़ा ने बताया लोकतंत्र की जीत

'ये फैसला सत्ता का दुरूपयोग करने वालों के लिए चेतावनी'

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी को लेकर कथित बयानबाजी के मामले में सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। इस पर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह केवल एक व्यक्तिगत जीत नहीं है, बल्कि उन लोगों के लिए एक चेतावनी भी है जो सत्ता का दुरूपयोग करते हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि चाहे सच्चाई को कितना भी दबाने की कोशिश की जाए, अंत में जीत हमेशा सत्य की होती है। इसी के साथ उन्होंने 'सत्यमेव जयते' लिखा।

पवन खेड़ा ने शनिवार दिन में एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मैं माननीय सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने कानून के राज को कायम रखा। इसके साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के कानूनी विभाग का भी, जिन्होंने सही समय पर और मजबूती से इसमें हस्तक्षेप किया। यह दूसरी बार है जब डॉ. सिंघवी और उनकी तेज-तर्रार टीम ने असम के मुख्यमंत्री की लगातार धमकियों और दबाव के बीच मेरी आजादी की रक्षा की है।

पवन खेड़ा ने अपनी पोस्ट में कांग्रेस की दिग्गज नेता सोनिया गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश सहित कई नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा कि मैं सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत पार्टी नेताओं का उनके लिए अटूट समर्थन और हौसला-अफजाई के लिए तहे दिल से आभारी हूं। अंत में, मैं उन लाखों समर्थकों का धन्यवाद करता हूं जो अपनी आवाज़ और दुआओं के साथ मेरे साथ खड़े रहे।

'पाइरेट्स की तरह काम कर रही अमेरिकी नेवी'

डोनाल्ड ट्रंप बोले-हमने ईरान के कई जहाजों पर कब्जा किया

वाशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा ईरान के बंदरगाहों को ब्लॉक किए जाने के बाद से होर्मुज जलमार्ग पूरी तरह से ठप हो गया है। यहां से गुजर रहे कई ईरानी जहाजों को अमेरिकी नेवी ने जब्त भी किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन में मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी नेवी 'पाइरेट्स' की तरह काम कर रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमने जहाजों पर कब्जा किया, हमने कार्गो पर कब्जा किया, हमने तेल पर कब्जा किया। यह एक फायदे का सौदा है। उन्होंने कहा, हम समुद्री लुटेरों जैसे हैं। हम कुछ हद तक समुद्री लुटेरों जैसे ही हैं, लेकिन हम कोई खेल नहीं खेल रहे हैं।

ईरान के नए प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा कि वे ईरान के नए प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं है जबकि ईरान ने विदेश मंत्री अरागची का कहना है कि अगर अमेरिका अपनी अप्रोच बदलता है तो ईरान डिप्लोमेसी के लिए तैयार हैं। ईरान ने अपने नए प्रस्ताव में अमेरिका के सामने क्या मांग रखी हैं, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। दूसरी तरफ ईरान के विदेश मंत्रालय ने जल्द नतीजों की उम्मीद न करने की चेतावनी दी है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान डील करना चाहता है लेकिन वो उसके प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ईरानी नेतृत्व बहुत ही बिखरा हुआ है और दो या तीन गुटों में बंटा हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरान ऐसी चीजें करने के लिए कह रहा है, जिसके लिए वो कभी राजी नहीं होंगे। फ्लोरिडा में एक अन्य कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ अपने टकराव को जल्द खत्म नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा किया तो फिर तीन साल बाद दोबारा वही समस्या खड़ी हो जाएगी। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोमवार को कहा था कि ईरान शांति वार्ता में अमेरिका को शर्मिंदा कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा था कि युद्ध से निकलने के लिए अमेरिका क्या रणनीति बना रहा है, उन्हें यह भी समझ नहीं आ रहा।

जर्मनी से नाराज ट्रम्प ने 5000 सैनिक वापस बुलाए

वॉशिंगटन डीसी, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने जर्मनी से करीब 5,000 सैनिक हटाने का फैसला किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रक्रिया अगले 6 से 12 महीनों में पूरी होगी। यह कदम सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच बयानबाजी के बाद सामने आया है। मर्ज ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में कहा था कि अमेरिका के पास कोई अच्छी प्लानिंग नहीं है। उसे पता ही नहीं है कि वह इस जंग से बाहर कैसे निकलेगा। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत को टालने में माहिर है और अमेरिका को बिना नतीजे के इस्लामाबाद तक आना-जाना पड़ा। इससे अमेरिका को ईरान के सामने अपमानित होना पड़ा। इससे ट्रम्प नाराज हो गए थे। उन्होंने मर्ज को लेकर कहा कि वे बहुत खराब काम कर रहे हैं। उनको लगता है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना अच्छी बात है।

'भारत की अखंडता से कोई समझौता नहीं'

> खालिस्तानी विवाद पर ऑस्ट्रेलिया ने दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर भारत की चिंताओं पर ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा और कड़ा बयान दिया है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त (राजदूत) फिलिप ग्रीन ने साफ कर दिया है कि उनका देश भारत की क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करता है। उन्होंने अलगाववादी ताकतों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक देश होने के नाते वहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन तो हो सकते हैं, लेकिन अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। इस बयान के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानियों की मनमानी अब नहीं चलेगी?

ऑस्ट्रेलियाई राजदूत ने एक मीडिया संस्थान से बातचीत के दौरान कई अहम मुद्दों पर अपनी बात विस्तार से रखी है। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया की पुलिस और खुफिया एजेंसियां भारत की चिंताओं को बहुत गंभीरता से ले रही हैं। राजदूत फिलिप ग्रीन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया भारत की चिंताओं पर पूरा ध्यान दे रहा है और उन्हें हल्के में नहीं ले रहा है। उनकी बहुसांस्कृतिक, खुफिया, पुलिस और विदेश नीति से जुड़ी एजेंसियां इस मुद्दे पर लगातार आपस में बैठकें कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे भारत की क्षेत्रीय अखंडता में विश्वास करते हैं और अलगाववादी तत्वों से उनका कोई भी लेना-देना नहीं है। राजदूत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक लोकतांत्रिक देश है, इसलिए वहां लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार दिया गया है।

बैंक के नियम इंसानियत से बड़े हैं? : नवीन पटनायक

भुवनेश्वर, 2 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के केओंझार जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पूरे देश को झकझोर दिया है। एक आदिवासी व्यक्ति को अपनी बहन की मौत साबित करने के लिए उसकी हड्डियां बैंक के बाहर लानी पड़ीं। इस घटना पर बीजेडी प्रमुख और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने इस पूरे मामले को अमानवीय बताया और जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

27 अप्रैल को केओंझार के मलिपोसी शाखा में यह घटना हुई। जीतू मुंडा नाम के व्यक्ति ने अपनी मृत बहन की हड्डियां बैंक के बाहर रखीं। वह 20 हजार रुपये निकालना चाहता था, लेकिन बैंक ने फिजिकल प्रेजेंस मांगी। कई बार बैंक जाने के बावजूद उसे मदद नहीं मिली। मजबूरी में उसने यह कदम उठाया, जिससे मामला सुर्खियों में आ गया।

'2009 के बाद जन्मे युवाओं के लिए सिगरेट की बिक्री पर लगे प्रतिबंध'

पीएमके अध्यक्ष ने पीएम को लिखा पत्र

चेन्नई, 2 मई (एजेंसियां)। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के नेता अंबुमणि रामदास ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे ऐसे विधायी कदम उठाएं, जिससे एक जनवरी 2009 या उसके बाद जन्मे युवाओं के लिए धूम्रपान और सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जा सके, ताकि एक धूम्रपान-मुक्त पीढ़ी तैयार की जा सके।

धूम्रपान-तंबाकू लाखों भारतीयों के लिए गंभीर खतरा :

पत्र में उन्होंने कहा कि यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह सुनिश्चित करेगा कि आने वाली पीढ़ियां कानूनी रूप से तंबाकू उत्पादों तक कभी पहुंच न बना सकें। अंबुमणि ने कहा कि वह यह पत्र गंभीर चिंता और जिम्मेदारी के साथ लिख रहे हैं, क्योंकि धूम्रपान और तंबाकू का उपयोग लाखों भारतीयों के जीवन के लिए गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा बना हुआ है, खासकर युवाओं के लिए। उन्होंने दावा किया कि भारत में तंबाकू से जुड़ी बीमारियों और मौतों का बोझ बहुत अधिक है। वैश्विक स्वास्थ्य अनुमान के अनुसार, लगभग 26.7 करोड़ भारतीय तंबाकू का उपयोग करते हैं, यानी हर पांच में से एक व्यक्ति।

उन्होंने कहा, हर साल तंबाकू के कारण सीधे तौर पर 13.5 लाख से अधिक मौतें होती हैं, जबकि, दूसरे के धुएं के संपर्क में आने से (परोक्ष धूम्रपान से) कुल मिलाकर लगभग 23 लाख मौतें होती हैं। उन्होंने इसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बताया। उन्होंने यह भी कहा कि वैज्ञानिक शोध स्पष्ट रूप से साबित करते हैं कि तंबाकू कैंसर और कई गंभीर बीमारियों जैसे हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियां और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है।

हिंद महासागर में स्थिरता के लिए भारत-म्यांमार ने मिलाया हाथ

> चार दिवसीय दौरे पर नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी 2 मई से 5 मई तक म्यांमार के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और म्यांमार के बीच समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख म्यांमार के शीर्ष सैन्य और रक्षा नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इनमें म्यांमार सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ये विन ऊ, रक्षा मंत्री जनरल यू हतुन आंग और म्यांमार नौसेना के प्रमुख एडमिरल हतेइन विन शामिल हैं। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच चल रहे समुद्री सहयोग की समीक्षा की जाएगी, ऑपरेशनल स्तर पर तालमेल को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी और नए सहयोग के अवसर तलाशे जाएंगे।

सिक्किम बना पहला पेपरलेस न्यायपालिका

सीजेआई सूर्यकांत बोले-हम कागजी कार्यवाही से आगे बढ़ चुके हैं

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सिक्किम को देश का पहला 'पेपरलेस न्यायपालिका' राज्य घोषित किया है। यह ऐतिहासिक कदम तेज, पारदर्शी और तकनीक-आधारित न्याय प्रणाली के लिए उठाया गया है, जहां न्यायिक कार्यवाही में कागज का उपयोग न के बराबर होगा। सीजेआई सूर्यकांत ने राजधानी गंगटोक में आयोजित एक सम्मेलन में इसकी आधिकारिक घोषणा की। सीजेआई ने कहा कि पहले, मुकदमेबाजों के लिए दूरी किलोमीटर में नहीं, बल्कि यात्रा के दिनों, दुर्गम भूभाग और अनिश्चितता में मापी जाती थी। आज, यह वास्तविकता न केवल बुनियादी ढांचे के कारण बदल रही है, बल्कि प्रौद्योगिकी के कारण भी पहुंच का स्वरूप बदल रहा है। डिजिटल राजमार्ग अब नागरिकों को विभिन्न न्यायिक मंचों से सीधे जोड़ता है। हम कागजी कार्यवाही के युग से आगे बढ़ चुके हैं।

प्रौद्योगिकी और न्यायिक शिक्षा विषय पर केंद्रित यह सम्मेलन सिक्किम उच्च न्यायालय और सिक्किम न्यायिक अकादमी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में न्यायाधीशों, कानूनी विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को भारतीय न्यायपालिका के डिजिटल परिवर्तन पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया और यह कार्यक्रम आज यानी शनिवार को भी जारी रहेगा। कार्यक्रम में बोलते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी ने सिक्किम को कागज रहित न्यायपालिका घोषित किए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि सिक्किम को अब कागजी न्यायपालिका घोषित किया जाना एक उल्लेखनीय क्षण है। यह मानवीय निर्णय का स्थान नहीं लेता, बल्कि इसका अर्थ यह है कि इसने बाधाओं को दूर कर दिया है। वे भौतिक कागजात, दूरी या फाइलें जो गुम हो जाती हैं। न्याय में प्रौद्योगिकी का यही सही उद्देश्य है। निर्णय लेने की मानवीय प्रक्रिया का स्थान लेना नहीं, बल्कि व्यक्ति और उस प्रक्रिया के बीच खड़ी हर बाधा को दूर करना।

इस कार्यक्रम में बोलने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए मोहम्मद मुस्ताक भी शामिल थे। जिन्होंने इस सम्मेलन को सिक्किम राज्य और भारतीय न्यायपालिका के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने आगे कहा कि आज का सम्मेलन जमीनी स्तर पर कुछ शुरू करने, एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने के बारे में है। इसका उद्देश्य केवल दिखावे के लिए उच्च तकनीक वाली अदालतें बनाना नहीं है।

2030 तक 16 अरब डॉलर का होगा भारत का मेडिकल टूरिज्म

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में उभर रहा है। चिकित्सा पर्यटन बाजार का अनुमान 2025 में लगभग 8.7 बिलियन डॉलर है, जो 2030 तक लगभग दोगुना होकर 16.2 बिलियन डॉलर हो जाएगा। वैश्विक एमवीटी बाजार का मूल्य 2022 में लगभग 115.6 बिलियन डॉलर था।

वहीं, अनुमान है कि यह 2030 तक लगभग 10.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर लगभग 286.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, दुनिया भर में, स्वास्थ्य देखभाल की बढ़ती लागत, लंबे प्रतीक्षा समय और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का बढ़ता बोझ मरीजों को इलाज के लिए विदेश जाने के लिए मजबूर कर रहा है।

4 साल का मासूम लापता 2घंटे बाद मंदिर में सोता मिला

इंदौर, 2 मई (एजेंसियां)। इंदौर में एक मासूम के अचानक लापता होने से हड़कंप मच गया, लेकिन दो घंटे बाद जब वह सुरक्षित मिला तो पूरे इलाके ने राहत की सांस ली। मामला काशीपुरी का है, जो हीरा नगर थाना क्षेत्र में आता है। 4 साल का बच्चा अचानक घर से गायब हो गया। बताया जा रहा है कि वह अपनी मां के पीछे-पीछे घर से बाहर निकल गया था, लेकिन मां को इसकी भनक तक नहीं लगी। जब बच्चा नजर नहीं आया तो परिवार ने तलाश शुरू की और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

एक टीम घर-घर जाकर छत, कमरे, यहां तक कि पानी की टंकियों तक चेक करती रही। दूसरी टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में जुटी। कॉलोनी के लोग भी बच्चे की तलाश में शामिल हो गए। पास में कचरा प्लांट और नाला होने से अनहोनी की आशंका भी बढ़ गई थी, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

'पता था घी में मिलावट हुई फिर कार्रवाई में देरी क्यों'

तिरुमला में मिलावटी लड्डू घी विवाद को लेकर चौंकाने वाले खुलासे

अमरावती, 2 मई (एजेंसियां)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में घी में मिलावट का मामला थमता नहीं दिख रहा है आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू की सरकार की ओर से नियुक्त जांच आयोग ने घी की खरीद प्रक्रिया में गंभीर खामियां पाई हैं। जांच सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता में की गई थी।आयोग का गठन फरवरी में उस समय किया गया था, जब शिकायतें सामने आईं और प्रयोगशाला जांच में घी में गैर-दूध से बने पदार्थों की मौजूदगी के संकेत मिले थे। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि निगरानी और नियंत्रण की कमी के कारण मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल होने वाला घी गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतर पाया, जिससे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा यह गंभीर मामला सामने आया।

जांच समिति ने यह समझने के लिए टेंडर प्रक्रिया, आपूर्तिकर्ताओं के चयन और गुणवत्ता जांच प्रणाली की विस्तार से समीक्षा की कि यह चूक कैसे हुई। रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला सिर्फ मिलावट पकड़ने में नाकामी का नहीं था, बल्कि घी खरीद से जुड़े नियमों को जिस तरह बनाया और लागू किया गया, यह उसका भी नतीजा था। रिपोर्ट में कहा गया कि खरीद समिति ने केंद्रीय भूमिका निभाई, क्योंकि उसने ऐसे हालात बनाए जिनमें अनियमितताओं पर कोई प्रभावी रोक नहीं लग पाई। जांच में यह भी सामने आया कि टेंडर नियमों में ढील देने से जुड़े अहम फैसले पूरी समिति की मौजूदगी के बिना ही लिए गए। इन फैसलों में शामिल सदस्यों में वाईएसआरसीपी नेता चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, वाईएसआरसीपी नेता और पूर्व वाईवाईडी चेयरमैन भूमना करुणाकर रेड्डी, एम। रामुलु और मुख्य लेखा अधिकारी ओ। बालाजी के नाम रिपोर्ट में दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में इन निर्णयों को प्रक्रियागत गंभीर चूक करार देते हुए जवाबदेही तय करने की जरूरत पर जोर दिया गया है। जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खरीद महाप्रबंधक (प्रोक्योरमेंट जनरल मैनेजर), जो समिति के संयोजक (कन्वीनर) होते हैं, उनकी अनुपस्थिति ने पूरी प्रक्रिया को और कमजोर कर दिया।

जांच में यह भी पाया गया कि नियमों को सख्ती से लागू नहीं किया गया।कुछ मामलों में, रिवर्स ऑक्शन के बाद भी बोलीदाताओं को कीमत घटाने की अनुमति दी गई, जो तय प्रक्रिया के खिलाफ है।इसके अलावा, असामान्य रूप से कम दरों वाली बोलियां बिना पर्याप्त जांच के स्वीकार कर ली गईं, जिससे यह सवाल उठने लगे कि इतनी कम कीमत पर ठेकेदार गुणवत्ता मानकों को कैसे पूरा कर सकते थे। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि निगरानी में खामियां और नियमों में दी गई ढील, दोनों ने मिलकर मिलावटी घी की खरीद और उसके इस्तेमाल में सीधी भूमिका निभाई। इस पूरे मामले के बाद माना जा रहा है।

डोडा में भूस्खलन का कहर राष्ट्रीय राजमार्ग हुआ ठप

जम्मू, 2 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार सुबह भूस्खलन के कारण डोडा-किश्तवाड़ सड़क पूरी तरह से बंद हो गई। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 8 बजे पुल डोडा से लगभग 100 मीटर की दूरी पर गटसू इलाके में अचानक पहाड़ी से भारी मलबा और बड़े-बड़े पत्थर गिरने लगे। अधिकारी ने बताया कि सड़क पर मलबा और बोल्डर जमा होने के कारण यातायात रोक दिया गया है। रास्ता साफ करने के लिए प्रशासन की टीमों के साथ मशीनरी तैनात कर दी गई है, लेकिन सड़क को पूरी तरह बहाल होने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मलबा हटाने और इलाके को सुरक्षित घोषित करने के बाद ही यातायात को दोबारा शुरू किया जाएगा। सड़क बंद होने के कारण हाईवे के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे फिलहाल इस मार्ग का उपयोग करने से बचें और स्थिति सामान्य होने तक वैकल्पिक रास्तों का सहारा लें।

एच5एन1 वायरस से 40 मोरों की मौत

तुमकुर, 2 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के तुमकुर जिले में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) के प्रकोप से करीब 40 मोरों की मौत हो गई है। जिला प्रशासन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मृत पक्षियों के नमूनों की जांच में एच5एन1 वायरस पाया गया है। इसके बाद प्रशासन ने एहतियातन प्रभावित क्षेत्र के 10 किलोमीटर दायरे को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। तुमकुर की उपायुक्त सुब्हा कल्याण ने बताया कि हाल ही में जंगली पक्षियों, विशेषकर मोरों की मौत की सूचना मिली थी।

जांच के लिए भेजे गए सैंपल में एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई है। राज्य सरकार के निर्देशों के बाद इलाके में सख्त निगरानी शुरू कर दी गई है और रैपिड रिस्पॉन्स टीमें लगातार सर्विलांस कर रही हैं। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में 31 पोल्ट्री दुकानों और लगभग 10 फार्म की पहचान की है। जिन पक्षियों की हाल में मौत हुई है, उनके सैंपल भी जांच के लिए भेजे गए हैं। अधिकारियों ने लोगों से घबराने की जरूरत नहीं बताते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी है। उपायुक्त ने कहा कि लोग केवल अच्छी तरह पका और उबला हुआ मांस ही खाएं।

पशु तस्करों ने युवक को मारी गोली

अंबाला, 2 मई (एजेंसियां)। अंबाला के पंजोखरा थाना क्षेत्र स्थित टुंडला के पास देर रात दो बजे गौ-तस्करों ने पुलिस की घेराबंदी से घबराकर रास्ते में आ रहे दो युवकों को पुलिस समझकर उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस हमले में गरनाला निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी (25) की आंख पर गोली लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार सुरक्षित बताया जा रहा है। वहीं पशु तस्कर थोड़ी दूरी पर एक गाय व भैंस से लदी पिकअप छोड़कर मौके से भाग गए। बताया जाता है कि पिकअप में करीब तीन तस्कर थे। पुलिस के अनुसार गरनाला गांव निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी अपने दोस्त नक्षत्र सिंह के साथ कैंटीन में काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था।

अशोक खरात मामले में ईडी का एक्शन

रूपाली चाकणकर की बहन-भतीजे को नोटिस

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित स्वयंभू धर्मगुरु अशोक खरात से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच तेज कर दी है। इसी सिलसिले में एजेंसी ने एनसीपी नेता और राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रूपाली चाकणकर की बहन प्रतिभा चाकणकर और उनके बेटे तन्मय को पूछताछ के लिए अगले सप्ताह तलब किया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में बैंक खातों के जरिए करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन की जांच की जा रही है। जांच में समता नागरी सहकारी पतसंस्था (क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी) में चार ऐसे बैंक अकाउंट्स की पहचान की गई है, जिनमें पिछले कुछ वर्षों में 1।20 करोड़ से 2।40 करोड़ रुपये के बीच लेनदेन हुआ। सूत्रों का दावा है कि ये अकाउंट्स सीधे तौर पर अशोक खरात से जुड़े हैं। खरात पर आरोप है कि वह 134 से अधिक संदिग्ध फर्जी या 'प्रॉक्सी' अकाउंट्स का एक बड़ा नेटवर्क चला रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि इन अकाउंट्स में खरात को 'नॉमिनी' दिखाया गया था और अकाउंट खोलते समय उसके ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया गया था। इन आरोपों पर अपनी सफाई देते हुए प्रतिभा चाकणकर ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि ये खाते पूरी तरह फर्जी हैं।

उन्होंने दावा किया है कि उनकी जानकारी के बिना उनके जाली हस्ताक्षर का उपयोग करके ये खाते खोले गए हैं। हालांकि ईडी अब उनके और उनके बेटे के बयानों के जरिए इस मामले की तह तक जाने की कोशिश करेगी।

'हिट-एंड-रन': टेंपों ने तीन मजदूरों को कुचला, ड्राइवर फरार

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। मुंबई के पवई इलाके से एक दर्दनाक हिट एंड रन का मामला सामने आया है। एक तेज रफ्तार टेंपों ने सड़क के किनारे काम कर रहे कई मजदूरों को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इस घटना में तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। सभी घायलों को एक नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मोरारजी नगर में हुई, जहां मुंबई नगर निगम की ओर से नियुक्त एक ठेकेदार ने सीवर सफाई के काम के लिए मजदूरों की एक टीम तैनात की थी। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि जब मजदूर सफाई के काम में लगे हुए थे, तभी एक तेज रफ्तार टेंपों ने उन्हें टक्कर मार दी। ड्राइवर घायल लोगों की कोई मदद किए बिना तुरंत मौके से भाग गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पवई पुलिस ने एक अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलवामा में बड़ा ऑपरेशन, आतंकियों की मदद करने वाला गिरफ्तार

जम्मू, 2 मई (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंक के सफाए के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, इसके साथ ही आतंकियों के मददगारों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस बीच दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार (2 मई) को एक बड़ी कामयाबी हासिल की। राजपोरा क्षेत्र में चलाए गए संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान एक आतंकी सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने उसके पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। जानकारी के मुताबिक यह ऑपरेशन पुलवामा पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की 183 बटालियन ने मिलकर अंजाम दिया।

अधिकारियों ने बताया कि यह ऑपरेशन विशेष खुफिया सूचना के आधार पर शुरू किया गया था। संयुक्त टीम ने राजपोरा के कस्बयार इलाके में सीबी नाथ रोड के आसपास तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के चलते एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, जिसकी पहचान मोहम्मद उमर मलिक के रूप में हुई है।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर राहुल गांधी ने उठाए थे सवाल

अब केंद्र सरकार ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर बढ़ते विवाद के बीच केंद्र सरकार ने विस्तृत सफाई जारी करते हुए साफ किया कि यह परियोजना भारत के लिए रणनीतिक, रक्षा और आर्थिक रूप से बेहद अहम है। सरकार ने कहा कि विकास, पर्यावरण संरक्षण और आदिवासी समुदायों के हित के बीच संतुलन बनाते हुए इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जा रहा है। सरकार ने यह स्पष्टीकरण एफएक्यू (अक्सर पूछे जाने वाले सवाल) के रूप में जारी किया।

यह कदम उस समय आया जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस 81,000 करोड़ रुपये की परियोजना पर सवाल उठाते हुए इसे पर्यावरण और आदिवासी समुदायों के लिए खतरा बताया था। सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह परियोजना पूरी जांच-पड़ताल और सोच-समझकर शुरू की गई है। सरकार के मुताबिक, ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट से अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की रणनीतिक मौजूदगी मजबूत होगी। इससे देश की समुद्री और रक्षा क्षमताओं में बड़ा इजाफा होगा। साथ ही यह द्वीप वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से जुड़ेगा, जिससे आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना के तहत एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल बनाने की भी योजना है। सरकार ने जोर देकर कहा कि इस परियोजना में आदिवासी समुदायों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है।

सभी कानूनी प्रक्रियाओं और सुरक्षा उपायों का पालन किया गया है। जारवा पॉलिसी 2004 और शोम्पेन पॉलिसी 2015 के तहत विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों से सलाह ली गई है। एम्पावर्ड कमेटी ने यह सुनिश्चित किया है कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर इस परियोजना का कोई नकारात्मक असर न पड़े। सरकार ने यह भी बताया कि परियोजना को जनजातीय कार्य मंत्रालय से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' मिल चुका है।

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे बोले

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय; अभिनेत्री स्नेहलता की कैद और मौत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को आपातकाल को भारत के लोकतंत्र का 'काला अध्याय' बताया। उन्होंने उस समय की घटनाओं को याद किया। दुबे ने अभिनेत्री और कार्यकर्ता स्नेहलता रेड्डी की गिरफ्तारी और जेल में उनके साथ हुए बर्ताव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल 'हजारों लोगों के उत्पीड़न की कहानी' था। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि 2 मई 1976 को इंदिरा गांधी की सरकार ने दक्षिण की प्रसिद्ध अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहलता रेड्डी को गिरफ्तार किया था।

उनका कसूर सिर्फ इतना था कि वह नेता जॉर्ज फर्नांडिस से जुड़ी हुई थीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके परिवार के सदस्यों के साथ भी अत्याचार किया। यहां तक कि उनके 84 साल के पिता को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दुबे के अनुसार, जेल में स्नेहलता रेड्डी को बहुत बुरी हालत में रखा गया और लंबे समय तक बिना मुकदमे के उन्हें कैद में रहना पड़ा। बाद में जनवरी 1977 में उन्हें गंभीर हालत में पैरोल पर रिहा किया गया और कुछ दिनों बाद उनकी मृत्यु हो गई। स्नेहलता रेड्डी का जन्म 1932 में हुआ था।

वह कन्नड़ और तेलुगु सिनेमा और थिएटर की जानी-मानी कलाकार थीं। उन्होंने 'संस्कार' फिल्म में भी काम किया था, जिसे 1970 में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। उन्हें आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था कानून (मीसा) के तहत गिरफ्तार किया गया था और बड़ौदा डायनामाइट मामले से जुड़ा बताया गया था। हालांकि, उनका नाम अंतिम आरोपपत्र में नहीं था। वह लगभग आठ महीने तक बिना मुकदमे के जेल में रहीं और बाद में गंभीर हालत में रिहा की गईं। जिसके कुछ दिनों बाद उनका निधन हो गया।

शादी के चार दिन बाद ही फंदे पर झूली दुल्हन

ग्वालियर, 2 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर में शादी के चार दिन बाद ही नवविवाहिता के आत्महत्या के प्रयास ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र की रहने वाली सपना कंसाना अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या का प्रयास बता रहा है, जबकि मायके वालों ने दहेज के लिए हत्या की कोशिश का आरोप लगाया है। घटना के बाद सपना को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह वेंटिलेटर पर है। फिलहाल वह बेहोश है, जिसके चलते हादसे के पांच दिन बाद भी उसका बयान नहीं हो पाए हैं। सपना की शादी 24 अप्रैल को सौरभ सिंह गुर्जर से हुई थी। मायके पक्ष के अनुसार शादी में करीब 8 लाख रुपए नकद और गृहस्थी का सामान दिया गया था।

आरोप है कि शादी के चार दिन बाद ही ससुराल पक्ष ने स्कॉर्पियो कार की मांग शुरू कर दी और सपना को प्रताड़ित किया जाने लगा। ससुराल वालों ने पुलिस को बताया कि सपना ने शादी के चार दिन बाद ही 28 अप्रैल की शाम अपने बाथरूम के कपड़े टांगने वाली खूंटी से उसने फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। लेकिन खूंटी टूटने से वह नीचे गिर गई थी और उसकी जान बच गई थी।

बीएमसी में जन्म प्रमाणपत्र पर फर्जीवाड़ा

87 हजार से ज्यादा पत्र होंगे रद्द; किरीट सोमैया का दावा

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। मुंबई में जन्म प्रमाणपत्रों को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया है। इस मामले में कुल 87,149 जन्म प्रमाणपत्रों को रद्द करने की तैयारी की गई है। बीएमसी के जन्म प्रमाणपत्रों मामले में कुल 87,149 जन्म प्रमाणपत्रों को रद्द करने की तैयारी की गई है। बीजेपी नेता किरिट सौम्या का आरोप है कि ये प्रमाणपत्र बीएमसी के पुराने और बंद हो चुके एसएपी सिस्टम के जरिए अवैध रूप से जारी किए गए, अब तक 4 हेल्थ ऑफिसर को निलंबित किया जा चुका है।

इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि वह जुलाई 2025 से इस घोटाले को उजागर करने में लगे हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इसकी जानकारी दी और जांच के आदेश देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर का धन्यवाद भी किया।

सोमैया ने बताया कि बीएमसी ने 1 जनवरी 2016 से सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्ट पोर्टल को अपनाया था। इसके बावजूद कुछ स्वास्थ्य अधिकारियों ने कथित तौर पर पुराने एसएपी सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए जन्म प्रमाणपत्रों का गलत तरीके से रजिस्ट्रेशन और री-रजिस्ट्रेशन किया। वहीं आंकड़ों पर नजर डाले तो, साल 2024 में 30,507, साल 2025 में 48,705 और साल 2026 में 7,135 जन्म प्रमाणपत्र दोबारा दर्ज किए गए।

'अब सब कुछ महंगा हो जाएगा'

गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने के बाद संजय राउत ने सरकार पर कसा तंज

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने देश में बढ़ती महंगाई और सिलेंडर के दामों में हुई बढ़ोतरी पर बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव खत्म हो गया है अब सब कुछ महंगा हो जाएगा। उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी के काल में जब तक वोटिंग नहीं होती है तब तक सब कुछ ठीक रहता है। अब वोटिंग खत्म हो गई है एलपीजी महंगी हो गई। यात्राएं महंगी हो जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि अब यातायात महंगा हो जाएगा। हवाई जहाज के टिकट महंगे हो जाएंगे। इस पर पीएम मोदी कहेंगे कि यह तो अंतरराष्ट्रीय स्थिति है। हमारे यहां सब कुछ ठीक है। पीएम कहते हैं कि हमारे यहां ईंधन का पूरा भंडार पड़ा है। मैं पूछता हूं कि कहां है? आपका कौन पूछता है। बंगाल के 15 पोलिंग स्टेशनों पर ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर दोबारा वोटिंग की जा रही है।

इस पर संजय राउत ने कहा कि ईवीएम की गड़बड़ी देश में हर जगह हो रही है। महाराष्ट्र में हो गई, असम में हो गई। लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता जागरूक हैं इसलिए दोबारा से मतदान हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी चुनाव आयोग के भ्रष्ट कारोबार के साथ संघर्ष कर रही है। इसलिए इनको दोबारा मतदान करना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में आईईडी ब्लास्ट, 3 जवान शहीद

इसमें डीआरजी के इंस्पेक्टर भी शामिल, 1 घायल; कांकेर-नारायणपुर बॉर्डर पर माइनिंग हटाते समय हादसा

जगदलपुर, 2 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर-नारायणपुर बॉर्डर पर शनिवार को आईईडी ब्लास्ट में 3 जवान शहीद हो गए। जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है। फोर्स शनिवार सुबह कोरोसकोडा के जंगल में सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों की बिछाई गई आईईडी को डिप्यूज करते समय अचानक जोरदार धमाका हुआ। मामला छोटेबेठिया थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद जवानों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

हादसे में घायल जवानों का तुरंत रेस्क्यू किया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण 3 जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल जवान परमानंद कोमरा को बेहतर इलाज के लिए कांकेर रवाना किया गया है। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी। ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि, सरेंडर कर चुके नक्सलियों से मिले इनपुट के आधार पर पिछले कुछ महीनों से लगातार आईईडी बरामदगी का अभियान चलाया जा रहा है। आज का अभियान भी उसी का हिस्सा था। घायल जवान का इलाज जारी है।

राज की जमानत खारिज, बाकी आरोपियों ने भी लगाई अर्जी

शिलॉन्ग, 2 मई (एजेंसियां)। शिलॉन्ग की अदालत ने चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी राज कुशवाहा की जमानत याचिका खारिज कर दी। वहीं, सोनम को मिली जमानत को आधार बनाकर जेल में बंद अन्य आरोपी विशाल चौहान, आनंद कुर्मी और आकाश राजपूत ने भी कोर्ट में जमानत के लिए आवेदन दायर कर दिया है। फिलहाल शिलांग के एक होटल में ठहरी हुई है। ऐसे में वह सुरक्षा कारणों का हवाला देकर शिलॉन्ग से बाहर जाने की अनुमति के लिए नई अर्जी दाखिल कर सकती है। राज के वकील फुयोसा योबिन के अनुसार, सेशन कोर्ट ने जमानत याचिका को 'तकनीकी आधार' पर निरस्त किया। आवेदन में पिछले बेल आवेदन का उल्लेख नहीं किया गया था, जिसे कोर्ट ने गंभीर माना। हालांकि, यह खारिजी मामले के गुण-दोष (मेरिट) के आधार पर नहीं हुई। अब सोमवार को नई जमानत अर्जी दायर की जाएगी।

सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, 23 बंकर ध्वस्त, 18 आईईडी बरामद

इंफाल, 2 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी तनाव के बीच सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उखरुल जिले में 23 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया है। इसके साथ ही सुरक्षाबलों ने तेंगनौपाल जिले से 18 आईईडी बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार (2 मई) को जारी बयान में बताया कि यह कार्रवाई मंगलवार को अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में की गई। बयान में के मुताबिक लिटन पुलिस थाना क्षेत्र के मोंगकोट चेपू, शोंगफेल, मुल्लम, सिराराखोंग और रिंगु के पहाड़ी गांवों में सुरक्षाबलों ने बीते गुरुवार को बंकर नष्ट किए गए। इसके साथ ही हथियार भी बरामद किए गए हैं, जिनमें 12 बोर की एक पंप-एक्शन शॉटगन, 17 कारतूस और 111 खोखे शामिल हैं। वहीं बुधवार को एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस थाने क्षेत्र के टी बोंगमोल गांव में हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा जब्त किया।बताया जा रहा है कि दो सिंगल बैरल राइफल, मैगजीन सहित नौ मिमी की चार पिस्तौल और 18 आईईडी जब्त किए गए। इन विस्फोटकों को सावधानी पूर्वक मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इससे पहले सुरक्षा बलों ने व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाते हुए कांगपोकपी और उखरुल जिलों में कुल 12 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया था। पुलिस के अनुसार, कांगपोकपी जिले के सैकुल थाना क्षेत्र में लुंगटर हिल पर तीन अवैध बंकर नष्ट किए गए, वहीं टिंगपिबुंग और लेपलेन गांव में एक-एक बंकर को ध्वस्त किया गया। तो वहीं उखरुल जिले के लिटन थाना क्षेत्र में सात अन्य बंकरों को भी सुरक्षा बलों ने नष्ट किया था। ये सभी बंकर ऊंचे और संवेदनशील इलाकों में बनाए गए थे, जिनका इस्तेमाल हमलों और जवाबी कार्रवाई के लिए किया जा रहा था। ये अवैध बंकर फरवरी से शुरू हुई हिंसा के बाद कूकी और तांगखुल नागा समुदायों के सशस्त्र समूहों द्वारा बनाए गए थे। दोनों समुदायों के बीच बढ़ते टकराव ने इलाके में हालात को बेहद संवेदनशील बना दिया है।उखरुल जिले में तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद से गोलीबारी की विभिन्न घटनाओं में कम से कम सात लोग मारे गए थे और 30 से अधिक घरों को जला दिया गया था।

नाबालिग की यौन शोषण के बाद हत्या सुप्रिया सुले ने की सख्त कार्रवाई की मांग

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक चार साल की बच्ची की 65 साल के बुजुर्ग ने कथित तौर पर यौन शोषण के बाद हत्या कर दी। इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। इसी बीच, एनसीपी-एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने घटना की निंदा की। उन्होंने पुणे के पुलिस अधीक्षक से बात करते हुए मामले में आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है। सुप्रिया सुले ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैंने नसरापुर में हुई अमानवीय और बेहद शर्मनाक घटना के संबंध में पुणे ग्रामीण पुलिस के अधीक्षक से बात की है। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने वाले उस दरिंदे के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मैं इस मामले को लेकर सरकार और प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं और यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि पीड़िता को न्याय मिले। उन्होंने आगे लिखा, मैं नागरिकों से विनम्र अनुरोध करती हूं कि वे यह समझें कि यह हम सभी का सामूहिक संकल्प है कि अपराधी को कठोरतम दंड मिले और पीड़िता को न्याय प्राप्त हो। पुलिस प्रशासन ने इस मामले पर संज्ञान लिया है। इसलिए, मैं सभी से आग्रह करती हूं कि इस मामले में संयम बरतें। दोषी पक्ष के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, इस मामले पर शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना एनसी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, एक चार साल की बच्ची और एक 65 साल का आदमी, जिसने उसे बहला-फुसलाकर अपने पास बुलाया, उसके साथ यौन शोषण किया और फिर उसकी हत्या कर दी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 3 मई, 2026 3

सुविचार: कलम तभी साफ़ और अच्छा लिख पाती है, जब वह झुक कर चलती है यही हाल जिंदगी में इंसान का होता है!

सौ दिनों में कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ हेतु 6 हजार करोड़ आवंटित होंगे : ए. रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के लिए 100 दिनों के भीतर 6,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगी।

शनिवार को तेलंगाना कर्मचारी संघों की संयुक्त कार्रवाई समिति और संयुक्त स्टाफ काउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने यह आश्वासन दिया। बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी तथा चमाला किरण कुमार रेड्डी सहित कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कर्मचारी संघों द्वारा उठाए गए चार प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की समिति को वेतन पुनरीक्षण आयोग से संबंधित रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए और कहा कि आगे के निर्णय उसी के आधार पर लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि कर्मचारियों को 1 जून से स्वास्थ्य सुरक्षा कार्ड वितरित किए जाएंगे। उन्होंने मान्यता प्राप्त यूनियनों से प्रत्येक दो माह में बैठक कर अपनी समस्याओं और सुझावों से सरकार को अवगत कराने को कहा।

उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील है और उनकी समस्याओं का समाधान करना उसकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को प्रत्येक माह की पहली तारीख को वेतन सुनिश्चित करने, यूनियन चुनाव निष्पक्ष रूप से कराने तथा स्थानांतरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित तरीके से लागू करने जैसे कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पिछले दो वर्षों में राज्य में 67,760 कर्मचारियों की भर्ती की गई है। मुख्यमंत्री के आश्वासन से संतुष्ट होकर कर्मचारी संगठनों के नेताओं ने 5 मई को प्रस्तावित प्रदर्शन सहित सभी विरोध कार्यक्रम वापस लेने की घोषणा की।

पेद्दापल्ली में चलती ट्रेन में प्रसव

पेद्दापल्ली, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को एक महिला ने चलती रेलगाड़ी में ही बच्चे को जन्म दिया। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए रामागुंडम रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ी को रुकवाया और महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश के गुडूर की निवासी सीता देवी बागमती एक्सप्रेस (संख्या 12578) से महाराष्ट्र की ओर यात्रा कर रही थीं। वारंगल रेलवे स्टेशन पार करने के बाद उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हुई। इसी दौरान उन्होंने सामान्य प्रसव के माध्यम से एक पुत्र को जन्म दिया। घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने रेलगाड़ी को रामागुंडम रेलवे स्टेशन पर रुकवाया और एम्बुलेंस की सहायता से महिला को गोदावरीखानी स्थित सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार, मां और नवजात शिशु दोनों की स्थिति स्थिर है।

राज्यभर में टैंक पुनर्स्थापन अभियान चलाने के निर्देश : उत्तम कुमार रेड्डी

तुरंत समितियों का गठन, ग्रीष्मकालीन गाद निकासी को प्राथमिकता

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को कड़े और समयबद्ध निर्देश देते हुए कहा कि टैंकों (जलाशयों) के पुनर्स्थापन में अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने राज्यभर में ग्रीष्मकालीन गाद निकासी (डिसिल्टेशन) को अत्यंत जरूरी प्राथमिकता घोषित किया। जलगृह (जल सौधा) में सिंचाई अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि गांव स्तर के छोटे टैंकों से लेकर बड़े जलाशयों तक, बिना नई गाइडलाइंस का इंतजार किए तत्काल कार्य शुरू किया जाए।

बैठक में वरिष्ठ सिंचाई अभियंता, कृषि एवं किसान कल्याण आयोग के सदस्य तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन के माध्यम से टैंक समितियों का गठन तत्काल किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक टैंक या टैंकों के समूह के लिए एक समिति बनाई जाए, जिसमें किसानों को बहुमत दिया जाए, साथ ही स्थानीय अधिकारी और अन्य हितधारक भी शामिल हों। संबंधित विभागों की सिफारिशों के आधार पर जल्द से जल्द नामांकन अंतिम रूप दिया जाए और स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए जाएं।

मंत्री ने कहा, डिसिल्टेशन के लिए पहले से ही दिशानिर्देश मौजूद हैं। उनका पालन करते हुए तुरंत काम शुरू करें। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रीष्मकाल के लगभग दो महीने अभी शेष हैं, इसलिए कार्य में तेजी लाई जाए। करीब डेढ़ महीने पहले दिए गए निर्देशों के बावजूद प्रस्तावों में देरी पर उन्होंने अधिकारियों से जवाब भी मांगा। टैंकों के स्थिरीकरण के तहत बांध (बंड) की समस्याएं, स्लूइस (जल निकासी द्वार) से जुड़ी दिक्कतें और अन्य तकनीकी मुद्दों की पहचान व मैपिंग करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद गाद निकासी, बांध मजबूत करना, स्लूइस की मरम्मत और कैचमेंट क्षेत्र का विकास जैसे कार्य किए जाएंगे।

उन्होंने मृदा अपरदन रोकने के लिए दीर्घकालिक उपायों के तहत वृक्षारोपण पर भी जोर दिया। साथ ही चेतावनी दी कि गाद निकासी के नाम पर अत्यधिक खुदाई या अवैध खनन न होने पाए, इसके लिए सख्त निगरानी रखी जाए। मंत्री ने किसानों द्वारा अपने खेतों के लिए गाद उठाने की पहल का स्वागत किया और कहा कि नई समितियों को प्रभावी रूप से कार्य करने के लिए सशक्त बनाया जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कैचमेंट क्षेत्र की सुरक्षा, फुल टैंक लेवल (एफटीएल) निर्धारण और अतिक्रमण हटाने के अभियान, सिंचाई, राजस्व और कृषि विभागों के समन्वय से समानांतर रूप से चलाए जाएं।

मंत्री ने तेलंगाना कृषि एवं किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंडा रेड्डी द्वारा तैयार रिपोर्ट की सराहना करते हुए कहा कि इसकी व्यावहारिक सिफारिशों पर तुरंत अमल किया जाएगा, जबकि अन्य व्यापक सुझावों पर बाद में विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस रिपोर्ट को आगे की कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। साथ ही जूराला और म्यूजिक परियोजनाओं में भी गाद निकासी के कार्यों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए।

नदी में नाव पलटने से 2 युवकों की मौत

निर्मल में दर्दनाक हादसा

निर्मल, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नरसपुर (जी) मंडल मुख्यालय क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में दो युवकों की नदी में डूबने से मृत्यु हो गई। घटना उस समय हुई जब थर्मोकोल की चादरों से बनाई गई अस्थायी नाव नदी में पलट गई। पुलिस के अनुसार, गांव के अब्दुल अरसाद (22) और एम.ए. रिजवानुद्दीन (20) नदी में तैरने के उद्देश्य से उतरे थे। इसी दौरान उनकी नाव असंतुलित होकर पलट गई, जिससे दोनों युवक गहरे पानी में डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मछुआरे मौके पर पहुंचे और दोनों को नदी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि अरसाद और रिजवान अपने चार अन्य साथियों के साथ दोपहर में नदी किनारे गए थे। उनके साथ मौजूद दोस्तों ने घटना के बाद तुरंत स्थानीय मछुआरों को सूचना दी, जिन्होंने बचाव का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अब्दुल अरसाद इंटरमीडिएट का छात्र था और साथ ही दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का सहयोग करता था। वह निकट भविष्य में रोजगार की तलाश में दुबई जाने की योजना बना रहा था। वहीं, रिजवानुद्दीन भी दिहाड़ी मजदूर के रूप में कार्य करता था। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

हैदराबाद में बिरयानी महंगी होने के आसार

गैस दरों में वृद्धि से रेस्तरां संचालक चिंतित

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बिरयानी और अन्य व्यंजनों के शौकीनों को जल्द ही अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। रसोई गैस के व्यावसायिक उपयोग की दरों में भारी वृद्धि के कारण रेस्तरां संचालक अपने मेनू की कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में लगभग 1,000 रुपये की वृद्धि हुई है। इस बढ़े हुए खर्च का असर सीधे तौर पर भोजन की कीमतों पर पड़ सकता है। होटल और रेस्तरां संचालकों का कहना है कि सीमित आपूर्ति के कारण उन्हें अधिक कीमत पर गैस खरीदनी पड़ रही है, जिससे उनकी लागत और बढ़ गई है। एक रेस्तरां संचालक के अनुसार, पहले 19 किलोग्राम गैस सिलेंडर लगभग 2,400 रुपये में उपलब्ध था, जो अब बढ़कर करीब 3,400 रुपये हो गया है।

इसके अतिरिक्त, खुले बाजार में गैस और अधिक महंगी मिल रही है, जिससे व्यावसायिक लागत में वृद्धि हो रही है।

स्थिति से निपटने के लिए कुछ संचालकों ने लकड़ी के ईंधन का प्रयोग कर भोजन तैयार करने का प्रयास किया, किंतु यह तरीका भी अधिक खर्चीला साबित हुआ, क्योंकि इसके लिए अतिरिक्त स्थान और व्यवस्था की आवश्यकता पड़ी।

रेस्तरां संचालकों का कहना है कि केवल गैस ही नहीं, बल्कि परिवहन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की लागत भी बढ़ने की आशंका है, जिससे कुल व्यय में और वृद्धि होगी। ऐसे में वे नुकसान से बचने के लिए भोजन की कीमतें बढ़ाने को मजबूर हो सकते हैं।

कार अनियंत्रित होकर पलटी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को बाह्य वलय मार्ग के थुक्कुगुडा क्षेत्र में एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे चालक को मामूली चोटें आईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चालक वाहन चला रहा था तभी अचानक एक पहिया फट गया। इसके कारण वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार पलट गई। घटना के समय मार्ग पर मौजूद अन्य लोगों ने तत्काल चिकित्सा दल को सूचना दी। सूचना मिलते ही दल मौके पर पहुंचा और घायल चालक को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में यातायात पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को घटनास्थल से हटाकर सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया।

नीट परीक्षा को लेकर सख्ती, धारा 163 लागू

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने रविवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए कड़े प्रबंध किए हैं। इसी क्रम में परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की गई है। इसके अतिरिक्त, परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में स्थित प्रतिलिपि केंद्र (जेरॉक्स) तथा अंतरजाल सेवाएं प्रदान करने वाले केंद्र भी बंद रहेंगे, ताकि किसी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोका जा सके।

हालांकि, इस आदेश से ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी, सैन्यकर्मी, होमगार्ड, उड़नदस्ता दल, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा अंतिम संस्कार से जुड़े जुलूस को छूट प्रदान की गई है। यह आदेश साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के सभी परीक्षा केंद्रों पर सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध विधि की संबंधित धाराओं के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य की भावना से कार्य करें डॉक्टर : राज्यपाल

उस्मानिया मेडिकल कॉलेज का दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि चिकित्सा पेशा केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का एक पवित्र दायित्व है। उन्होंने डॉक्टरों से अपील की कि वे ज्ञान और तकनीकी दक्षता के साथ-साथ संवेदनशीलता और करुणा भी विकसित करें तथा सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य की भावना से लोगों की सेवा करें। राज्यपाल शनिवार को उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के 175वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह संस्थान वर्षों से देश को समर्पित और कुशल चिकित्सक देने की गौरवशाली परंपरा निभाता आ रहा है। दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सफलता कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने तेजी से बदलते स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक और शोध के बढ़ते महत्व पर जोर दिया, लेकिन साथ ही चेताया कि चिकित्सा सेवा में मानवीय स्पर्श बनाए रखना आवश्यक है। मरीजों का विश्वास ही डॉक्टरों की सबसे बड़ी पूंजी है।

राज्यपाल ने अभिभावकों और शिक्षकों की भी सराहना की और कहा कि उनके त्याग और मार्गदर्शन से ही छात्र योग्य पेशेवर बन पाए हैं। उन्होंने युवा डॉक्टरों से ग्रामीण सेवा से लेकर उन्नत शोध तक हर क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए समाज के प्रति सार्थक योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सफलतापूर्वक चिकित्सा शिक्षा पूरी करने वाले छात्रों को डिग्रियां भी प्रदान कीं। कार्यक्रम में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर, स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के कुलपति के. रमेश रेड्डी, चिकित्सा शिक्षा निदेशक नरेंद्र कुमार तथा कॉलेज के प्राचार्य राजा राव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

तेलंगाना में किसानों की बदहाली पर भाजपा का हमला

सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राज्य में किसानों की बढ़ती समस्याओं पर चिंता जताते हुए कांग्रेस सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई किसान अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दाम पर बेचने को मजबूर हो रहे हैं। मेदक जिले के रामायंपेट में मीडिया से बातचीत करते हुए राव ने कहा कि धान खरीद केंद्रों पर देरी हो रही है, जिससे अनाज के ढेर खुले में पड़े हैं और बारिश से नुकसान हो रहा है। उन्होंने परिवहन वाहनों की कमी और उठाव में धीमी गति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। साथ ही मिलर्स, बिचौलियों और अधिकारियों के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से इन समस्याओं पर तुरंत कार्रवाई करने की मांग की।

भाजपा नेता ने मक्का किसानों की परेशानियों का भी उल्लेख करते हुए सरकार से एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित करने को उसकी मूलभूत जिम्मेदारी बताया इस दौरान उन्होंने 10 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे की जानकारी देते हुए कहा कि इस अवसर पर 7,823 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। इनमें जहीराबाद में एक औद्योगिक शहर और वारंगल में एक टेक्सटाइल पार्क शामिल है। राव ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कर्मचारियों के वेतन में देरी, लंबित पीआरसी बकाया और आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कांग्रेस की छह गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन में स्पष्टता की कमी पर भी सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाले लाभों में भी देरी हो रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप और चार सप्ताह के भीतर बकाया भुगतान के आदेश के बाद ही सरकार सक्रिय हुई, जो कांग्रेस प्रशासन की विफलता को दर्शाता है।

CLASSIFIEDS

SHOP FOR RENT

Shop @ Begum Bazar for Rent in Ground floor 265 sft and still floor 310 sft. opp. Kashmir house. for more details call me on 9396829958.

CHANGE OF NAME

I, Jaybhay Sonali Raju, W/o, No. 17006801W, NK, Jaybhay Raju Shahadeo, R/o, Dist: Ahmadnagar, Maharashtra, changed my name from Jaybhay Sonali Raju to Sonali Raju Jaybhay vide Affidavit No. BU 311355 dt. 01.05.2026 before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

I, Kale Rachana Babasaheb, W/o, No. 17006825A, NK, Bhapkar Anil Pandurang, R/o, Dist: Pune, Maharashtra, changed my name from Kale Rachana Babasaheb to Rachana Anil Bhapkar vide Affidavit No. BU 311381 dt. 01.05.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

उपनगरीय रेल पर मुफ्त यात्रा प्रस्ताव पर विवाद

यात्री संगठनों ने जताई आपत्ति

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगरीय रेल तंत्र पर मुफ्त यात्रा शुरू करने के प्रस्ताव को लेकर यात्री संगठनों ने गंभीर आपत्तियां जताई हैं। उनका कहना है कि वर्तमान स्वरूप में यह योजना वित्तीय और संचालन की दृष्टि से व्यावहारिक नहीं प्रतीत होती। हाल ही में तेलंगाना सरकार और दक्षिण मध्य रेलवे के बीच हुई चर्चाओं में राज्य स्थापना दिवस 2 जून से बहु-माध्यम परिवहन व्यवस्था के अंतर्गत संचालित रेल सेवाओं में मुफ्त यात्रा शुरू करने की संभावना पर विचार किया गया है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य यात्रियों का खर्च कम करना और यात्रियों की संख्या बढ़ाना बताया जा रहा है। हालांकि, यात्री संगठनों का कहना है कि इस योजना के लिए प्रस्तावित लगभग 10 करोड़ रुपये वार्षिक व्यय पर्याप्त नहीं होगा। उनका अनुमान है कि यदि यात्रा मुफ्त की जाती है तो यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ेगी, जिससे वास्तविक व्यय 20 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है।

यात्री संघ के प्रतिनिधियों ने यह भी चिंता व्यक्त की है कि बिना किसी नियंत्रण के मुफ्त यात्रा से दुरूपयोग की संभावना बढ़ेगी, जिससे भीड़ प्रबंधन और यात्री सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। उनका कहना है कि वर्तमान में भी कई मार्गों पर व्यस्त समय में रेलगाड़ियां अत्यधिक भीड़ का सामना कर रही हैं। परिचालन संबंधी सीमाएं भी इस योजना के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। उपनगरीय रेल तंत्र में रेलगाड़ियों की कमी के कारण कई मार्गों पर सेवाओं की आवृत्ति सीमित है। इसके अतिरिक्त, द्वितीय चरण के विस्तार के लिए राज्य सरकार की लगभग 490 करोड़ रुपये की लंबित वित्तीय प्रतिबद्धताओं को अभी तक स्वीकृति नहीं मिली है, जिससे विस्तार और आधुनिकीकरण की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। विकल्प के रूप में यात्री संगठनों ने लक्षित प्रतिपूर्ति प्रणाली का सुझाव दिया है, जिसमें नियमित यात्री पहले टिकट खरीदें और बाद में धनवापसी का दावा करें। उनका मानना है कि इससे लाभ वास्तविक यात्रियों तक पहुंचेगा, लागत नियंत्रित रहेगी और दुरुपयोग की संभावना कम होगी। इसके अलावा, अंतिम पड़ाव तक सुगम आवागमन की समस्या भी अभी तक पूरी तरह हल नहीं हो सकी है। उपनगरीय रेल स्टेशनों को राज्य सड़क परिवहन सेवाओं और नगर रेल प्रणाली से बेहतर ढंग से जोड़ने की योजनाओं में भी अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। यात्रियों का कहना है कि भरोसेमंद सहायक बस सेवाओं, साझा परिवहन विकल्पों और समन्वित समय-सारणी के अभाव में पूरे तंत्र की उपयोगिता प्रभावित हो रही है।

'अत्यंत गंभीर चेतावनी' संदेश से लोग चौंके

यह आपदा चेतावनी प्रणाली का परीक्षण

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के अनेक नागरिकों के मोबाइल फोन पर अचानक तेज़ ध्वनि के साथ पूर्ण स्क्रीन पर 'अत्यंत गंभीर चेतावनी' का संदेश प्राप्त होने से लोग चौंक गए। बाद में स्पष्ट हुआ कि यह राष्ट्रव्यापी आपदा चेतावनी प्रणाली के परीक्षण का हिस्सा था। यह नई व्यवस्था दूरसंचार विभाग द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और गृह मंत्रालय के समन्वय से प्रारंभ की गई है। 'सचेत' नामक इस प्रणाली के अंतर्गत यह परीक्षण किया गया, जिसका उद्देश्य आपात स्थितियों में त्वरित सूचना पहुंचाना है। प्राप्त संदेश में बताया गया था कि यह सार्वजनिक चेतावनी प्रणाली का परीक्षण है और नागरिकों को किसी प्रकार की कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है। यह संदेश सामान्य संदेशों से भिन्न है, क्योंकि इसे एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र के सभी मोबाइल उपकरणों पर एक साथ प्रेषित किया जाता है।

दूरसंचार विभाग ने इसे गंभीर परिस्थितियों में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। इस प्रणाली के माध्यम से भविष्य में चक्रवात, भूकंप, सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ रासायनिक दुर्घटनाओं अथवा अन्य आपात स्थितियों में लोगों को समय रहते सचेत किया जा सकेगा। यह स्वदेशी तकनीक टेलीमैटिक्स विकास केंद्र द्वारा विकसित की गई है, जो कम लागत में बहुभाषी और क्षेत्र-विशिष्ट चेतावनी संदेश प्रसारित करने में सक्षम है। हालांकि, अचानक मिले इस संदेश से कई लोग घबरा गए और उन्होंने अपने अनुभव साझा किए, जबकि अन्य लोगों ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक परीक्षण था और घबराने की आवश्यकता नहीं है। इससे पूर्व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 'सचेत' अनुप्रयोग और जालस्थल भी आरंभ किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से वास्तविक समय में स्थान-विशिष्ट आपदा संबंधी जानकारी प्रदान की जाती है। अब इस नई चेतावनी प्रणाली को भी उसी व्यवस्था के साथ जोड़ा जा रहा है।

भीषण गर्मी में बुजुर्गों व दिव्यांगों को परेशानी

नलगोंडा में पेंशन वितरण व्यवस्था पर सवाल

नलगोंडा, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी के बीच लंबी दूरी तय कर और लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा करना वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कठिन साबित हो रहा है। नकरेकल नगरपालिका क्षेत्र में पेंशन प्राप्त करने के लिए लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नकरेकल नगरपालिका में लगभग 3,000 पेंशनधारक निवास करते हैं। वर्तमान व्यवस्था के तहत पेंशन का वितरण केवल एक ही केंद्रीकृत स्थान से किया जा रहा है, जिससे बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को अत्यधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। भीषण गर्मी के कारण लंबी कतारों में खड़े रहना उनके लिए अत्यंत कष्टदायक हो गया है। इस स्थिति पर संज्ञान लेते हुए पूर्व विधायक चिरुमार्थी लिंगैया ने पेंशन वितरण व्यवस्था में लापरवाही को लेकर आपत्ति व्यक्त की है। उन्होंने डाक विभाग के अधिकारियों तथा नगर आयुक्त से वार्ता कर समस्या के समाधान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेंशन वितरण कम से कम चार अलग-अलग केंद्रों से किया जाए।

उन्होंने बाबासाहेब गुडेम, मूसी मार्ग और चीमलगड्डा के अतिरिक्त एक और केंद्र स्थापित करने की मांग की। साथ ही पेंशनधारकों के लिए तंबू, पेयजल तथा बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। पेंशन प्राप्त करने पहुंचे वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों ने अपनी कठिनाइयों को व्यक्त करते हुए प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की है।

चपरासी ने दो पत्नियों के खातों में भेजी सबसे ज्यादा रकम

इल्हाम ने फर्जी आईडी बनाकर किया करोड़ों का गबन

पीलीभीत, 2 मई (एजेंसियां)। पीलीभीत के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय (डीआईओएस) में पांच करोड़ के घोटाले में पुलिस ने सात महिलाओं को गिरफ्तार किया। इनमें मुख्य आरोपी इल्हाम की दो पत्नियां, साली, सास और तीन अन्य परिचित महिलाएं हैं।

एएसपी विक्रम दहिया ने कहा कि मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार ने 13 फरवरी 2026 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज बीसलपुर में कार्यरत चपरासी इल्हाम उर्र रहमान शम्सी डीआईओएस कार्यालय से अटैच था। वह वेतन बिल और टोकन जनरेशन का कार्य देखता था।

इल्हाम ने कूटरचित तरीके से फर्जी बेनिफिशियरी (लाभार्थी) आईडी तैयार कर 12 सितंबर 2024 से फरवरी 2026 तक 98 ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 1.01 करोड़ रुपये अपनी पत्नी के खाते में ट्रेजरी के जरिये ट्रांसफर कर गबन किया। जांच में यह रकम काफी बड़ी पाई गई, जो दूसरे खातों में भेजी गई थी। कोतवाली नगर में दर्ज हुई रिपोर्ट की जांच के दौरान पुलिस ने 53 खातों में संदिग्ध लेनदेन के करीब 5.50 करोड़ रुपये फ्रीज करा दिए थे।

मुख्य आरोपी की एक पत्नी अर्शी खातून को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने दो अन्य पत्नियों संभल जिले के थाना रामसत्ती के मोहल्ला जगत निवासी लुबना और बुलंदशहर के खुर्जा की जामुन वाली गली निवासी आजरा खान, लुबना की बहन फातिमा नवी, आजरा की मां नाहिद के साथ ही बिजनौर के मोहल्ला काजीपारा निवासी परवीन खातून, गाजियाबाद के मोहननगर की आशकारा परवीन और खुर्जा की आफिया खान को गिरफ्तार किया। इनमें से किसके खाते में कितनी रकम भेजी गई, इसका भी पुलिस ने खुलासा किया है।

लुबना और अजारा के खातों में भेजी थी सर्वाधिक रकम, रियल स्टेट में भी खपाई

पांच करोड़ के चर्चित घोटाले में सात आरोपियों की गिरफ्तारी करने कर खुलासा करते हुए एएसपी विक्रम दहिया ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने रिश्तेदारों और परिचितों के खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर की थी। इनमें लुबना के खाते में करीब 2.37 करोड़, अजारा खान के खाते में 2.12 करोड़, फातिमा के खाते में 1.03 करोड़, आफिया के खाते में 80 लाख से अधिक, परवीन खातून के खाते में करीब 48 लाख, नाहिद के खाते में 95 लाख और आशकारा परवीन के खाते में करीब 38 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों में लुबना नवी और अजारा खान मुख्य आरोपी इल्हाम की पत्नी हैं। एक अन्य पत्नी अर्शी को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। जबकि इल्हाम हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत पर है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने बरेली स्थित जेएचएम इंफ्राहोम प्राइवेट लिमिटेड के खाते में 90 लाख और ओरिका होम्स बिल्डर के खाते में 17.18 लाख रुपये ट्रांसफर किए, जिन्हें जांच के दौरान होल्ड कराया है। पुलिस ने एफडी के रूप में जमा करीब 59 लाख रुपये भी फ्रीज कराए हैं।

मां ने ईंट से कूचकर चार मासूम बच्चों को उतारा मौत के घाट

अंबेडकरनगर, 2 मई (एजेंसियां)। अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार की दोपहर तीन बजे एक घर में बिस्तर पर चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और बच्चों की मां घर से गायब थी। बताया जा रहा है कि महरुआ निवासी नियाज की पत्नी अपने पुत्र शफीक, सउद, उमर व पुत्री बयान के साथ मीरानपुर में रहती थी। नियाज सऊदी अरब में पिछले कई वर्षों से नौकरी करता है और उसने वहीं पर किसी पाकिस्तानी महिला से निकाह भी कर लिया। आशंका जताई जा रही है कि इसी बात को लेकर महिला तनावग्रस्त रहती थी और उसी ने ईंट से कूचकर पहले बच्चों की हत्या को अंजाम दिया। इसके बाद बालकनी से कूद कर भाग गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

कुमार विश्वास, सत्येंद्र जैन और आप नेताओं की बढ़ी मुश्किलें

> सुल्तानपुर की कोर्ट ने किया तलब

सुल्तानपुर, 2 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और मशहूर कवि डॉ. कुमार विश्वास सहित दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्रियों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सुल्तानपुर की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने वर्ष 2014 के आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए सभी आरोपियों को समन जारी कर तलब किया है।

विशेष शासकीय अधिवक्ता कालिका प्रसाद मिश्र के अनुसार, यह मामला 6 मई 2014 का है। उस समय डॉ. कुमार विश्वास अमेठी लोकसभा क्षेत्र से 'आम आदमी पार्टी' के प्रत्याशी थे। आरोप है कि चुनाव प्रचार के दौरान तत्कालीन कोतवाल मोहम्मद हमीद ने उन्हें और उनके समर्थकों को क्षेत्र छोड़ने का निर्देश दिया था, क्योंकि वे वहां के मतदाता नहीं थे। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, मतदान से 48 घंटे पहले बाहरी व्यक्तियों का निर्वाचन क्षेत्र में रहना प्रतिबंधित होता है।

सत्येंद्र जैन और सोमनाथ भारती ने नहीं छोड़ा क्षेत्र

प्रशासन के बार-बार निर्देश देने के बावजूद कुमार विश्वास, सत्येंद्र जैन और सोमनाथ भारती सहित उनके समर्थकों ने क्षेत्र नहीं छोड़ा, जिसके बाद पुलिस ने उनके विरुद्ध आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया था। अधिवक्ता कालिका प्रसाद मिश्र ने बताया कि यह मामला पहले अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चल रहा था। हाल ही में इसे विशेष एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में स्थानांतरित किया गया है। अदालत ने मामले का संज्ञान लेते हुए 30 अप्रैल को सभी अभियुक्तों के विरुद्ध समन जारी करने का आदेश दिया।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 15 मई को नियत की गई है, जिसमें सभी आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होना होगा।

22 मई से शुरू होगी प्रदेश में 16वीं जनगणना

> 5.25 लाख कर्मियों की लगेगी ड्यूटी

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भारत की 16वीं जनगणना का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। प्रदेश में जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी। पहले चरण की शुरुआत 22 मई 2026 से होगी, जबकि दूसरे चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य पूरा किया जाएगा।

पहले चरण में 22 मई से 20 जून 2026 तक मकानसूचिकरण और मकानों की गणना होगी। इस दौरान जनगणना कर्मी घर-घर जाकर प्रत्येक मकान की स्थिति, परिवार को उपलब्ध सुविधाओं और संपत्तियों से जुड़ी जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से एकत्र करेंगे। पूरी प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाएगा। दूसरे चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या की गणना होगी। इसमें परिवार के सदस्यों, सामाजिक और अन्य आवश्यक विवरण दर्ज किए जाएंगे। प्रदेश सरकार ने जनगणना कार्य के लिए बड़े स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती की है। पूरे प्रदेश में करीब 5.25 लाख अधिकारी और कर्मचारी लगाए गए हैं। इनमें सभी 18 मंडलायुक्त, 75 जिलाधिकारी, 17 नगर आयुक्त, 600 जिला स्तरीय अधिकारी, 1195 चार्ज अधिकारी, 285 मास्टर ट्रेनर और 6939 फील्ड ट्रेनर शामिल हैं।

इसके अलावा लगभग पांच लाख पर्यवेक्षक और प्रगणक घर-घर जाकर आंकड़े जुटाने का काम करेंगे। प्रशासन के मुताबिक, जनगणना की तैयारियां तेज कर दी गई हैं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला आयोग अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा की कार दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बचीं

वैशाली, 2 मई (एजेंसियां)। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर को जोड़ने वाली एनएच पर बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा की सड़क दुर्घटना हो गई। इस हादसे में अप्सरा मिश्रा और उनके अंगरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बताया गया है कि अप्सरा मिश्रा मुजफ्फरपुर से पटना लौट रही थीं। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार अचानक उनकी गाड़ी के सामने आ गया, जिससे उनकी कार असंतुलित हो गई और हादसा हो गया। घायल मोटरसाइकिल सवार को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पहले गला रेता, फिर सीने में घोंपा था चाकू

> फार्म हाउस की दीवारों पर खून के छींटे; राखी हत्याकांड

सहारनपुर, 2 मई (एजेंसियां)। बागपत की रहने वाली राखी कश्यप की हत्या में बड़ा खुलासा हुआ है। सहारनपुर के मिर्जापुर इलाके के एक फार्म हाउस में राखी कश्यप की बेरहमी से हत्या की गई थी। आरोपियों ने पहले उसका गला रेता, फिर सीने और पीठ पर भी चाकू से कई वार किए। खून अधिक बहने से मस्तिष्क ने काम करना बंद कर दिया था, जो मौत का कारण बना।

बागपत निवासी राखी कश्यप हत्याकांड को सहारनपुर के नौगांवा के पास जिस फार्म हाउस में अंजाम दिया गया उसकी दीवारों पर आज भी खून के छींटे लगे हैं। जांच में जिस तरीके से अब पर्दा उठ रहा है वह बेहद हैरान कर देने वाला है। दूसरे आरोपी कपिल चौहान का भी घटनास्थल से करीब दो किमी दूर पठानपुरा गांव के पास फार्म हाउस है, लेकिन हत्याकांड को खुद के फार्म पर अंजाम देने की बजाय देहरादून निवासी एक व्यक्ति के फार्म हाउस को चुना गया। पुलिस ने वहां के चौकीदार को भी हिरासत में लिया है।

27 अप्रैल को नौगांवा के पास रजबहे में राखी कश्यप का शव मिला था। जांच में सामने आया था कि भाजपा नेता सुधारस चौहान और उसका साथी कपिल चौहान 25 अप्रैल को राखी कश्यप को लेकर यहां पहुंचे थे। सबसे पहले वह पठानपुरा स्थित कपिल चौहान के फार्म हाउस पर गए। कुछ समय रुकने के बाद तीनों नौगांवा के पास उस फार्म हाउस पर आए, जहां राखी को मौत के घाट उतारा गया। वह फार्म हाउस देहरादून के एक व्यक्ति का है, जिस पर जसमौर निवासी चौकीदार को देखभाल के लिए रखा हुआ है। चौकीदार पहले से ही कपिल चौहान का परिचित है। फार्म हाउस पर चौकीदार तीनों के लिए खाना लेकर आया। इसके बाद उसे वहां से भेज दिया गया। तीनों ने पार्टी की और फिर योजनाबद्ध तरीके से राखी की हत्या की गई। फार्म हाउस की दीवारों पर खून के छींटे लगे हुए हैं। हत्याकांड के बाद चौकीदार के बिस्तर में शव लपेटा और रजबहे में ले जाकर फेंक दिया। फिलहाल पुलिस ने चौकीदार को भी हिरासत में लिया है, जिससे देर रात तक पूछताछ चलती रही। बताया जा रहा है कि चौकीदार जब फार्म हाउस पर पहुंचा तो वहां कोई नहीं था। उसका बिस्तर भी गायब था। बड़ा सवाल यह है कि चौकीदार को दीवार खून के छींटे दिखाई दिए तो पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी।

बेटी पर बुरी नजर से तंग आई मां

लिव-इन पार्टनर की उसी के तमंचे से गोली मारकर हत्या, जंगल में मिली लाश

बिजनौर, 2 मई (एजेंसियां)। बिजनौर में एक सनसनीखेज हत्या का खुलासा हुआ है, जहां एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर की उसी के तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार महिला ने पूछताछ में बताया कि आरोपी उसे लगातार प्रताड़ित करता था और उसकी नौ साल की बेटी पर भी गलत नजर रखता था, जिससे तंग आकर उसने यह कदम उठाया।

जंगल में मिला था युवक का शव

नगीना देहात थाना क्षेत्र के जुलाहापुर गांव के जंगल में 28 अप्रैल को अनुज (25) पुत्र विनय का शव मिला था। उसके सिर में गोली लगी हुई थी। इस मामले में मृतक की मां की तहरीर पर पुलिस ने शोभा और उसके पति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था और जांच शुरू की थी।

लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे दोनों

पुलिस पूछताछ में शोभा ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2011 में किरतपुर थाना क्षेत्र के भनेड़ा गांव निवासी सत्येंद्र से हुई थी और उसकी नौ साल की एक बेटी है। पति से मतभेद होने के कारण वह 2023 से उससे अलग रह रही थी। वर्ष 2024 में उसकी मुलाकात अनुज से हुई और दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। महिला ने पुलिस को बताया कि अनुज उसके साथ मारपीट करता था और उसके आपत्तिजनक वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देता था। इसके साथ ही वह उसकी नौ साल की बेटी पर भी गलत नजर रखता था। इन सब बातों से परेशान होकर महिला ने उसे रास्ते से हटाने का फैसला किया। पुलिस के अनुसार घटना वाले दिन अनुज शोभा को बाइक पर बैठाकर गांव की तरफ ले गया था।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद आज 81 दिन की 'गोविष्ट यात्रा' का करेंगे शुभारंभ, अभी तक नहीं मिली अनुमति

गोरखपुर, 2 मई (एजेंसियां)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपनी घोषित 'गोविष्टि यात्रा' का शुभारंभ 3 मई को गोरखपुर से करने जा रहे हैं। यह यात्रा 81 दिनों तक प्रतिदिन 5 विधानसभा में गोष्ठी/आशीर्वचन/पादुकापूजन कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ेगी। शंकराचार्य के शिष्य एडवोकेट मनीष पांडेय ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि प्रशासन को अनुमति के लिए पत्र दिया है, लेकिन जांच पड़ताल के सिवा अभी तक कुछ नहीं हुआ और न ही परमिशन मिली। यह यात्रा गोमाता की रक्षा के लिए है। गोमाता की रक्षा के संदर्भ में सरकार नहीं चेती तो उसका जवाब हम मतदान के जरिए देंगे।

यात्रा में सैकड़ों गाड़ियों का काफिला

अविमुक्तेश्वरानंद स्वामी 2 मई को यहां सहारा स्टेट परिसर पहुंचेंगे। यहां स्थित भारत माता मंदिर से लोगों के बीच गोविष्टी यात्रा के संबंध में अपने विचार व्यक्त करेंगे। शंकराचार्य 81 दिनों की यात्रा के दौरान गोमाता के सम्मान के लिए लोगों को जागृत करने के लिए भ्रमण करेंगे। गोरक्षपीठ नगरी से यह यात्रा शुरू होगी। यात्रा में सैकड़ों गाड़ियों का काफिला होगा। इसमें तमाम धर्मानुयाई और कानूनविद भी शामिल हो रहे हैं।

ये है यात्रा का मार्ग

कार्यक्रम के आयोजकों के अनुसार, इस गोविष्टि यात्रा का प्रत्येक सनातनियों के अस्तित्व व स्वाभिमान के साथ जुड़ाव है। यह यात्रा सहारा स्टेट से निकलकर सहजनवा, खजनी, बांसगांव, चिल्लुपार विधानसभा से होते हुए चौरी चौरा विधानसभा में पहुंचेगी। यहां शंकराचार्य और टीम के लोगों का रात्रि विश्राम होगा। अगले दिन 4 मई की सुबह फिर यह यात्रा गोरखपुर की सीमा को छोड़ते हुए हाटा, रामकोला, खड्डा, पडरौना, तमकुहीराज, फाजिलनगर पहुंचेगी।

अभी तक नहीं मिली हमें अनुमतिः एडवोकेट मनीष पांडेय

एडवोकेट मनीष पांडेय ने बताया कि पूरे प्रदेश से फोन आ रहे हैं। गृह मंत्रालय से फोन आ रहा है। इंटेलिजेंस का आ रहा है। कई थानों की पुलिस भी फोन कर रही है, लेकिन अभी तक जांच के सिवा कोई कार्रवाई नहीं हुई। ना ही अनुमति मिली। उन्होंने बताया कि हम लोग कोई जनसभा नहीं कर रहे हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महराज गोमाता के प्राणों की रक्षा के लिए बहुत जमाने से संघर्ष कर रहे हैं। 1966 से यह अभियान चल रहा है, लेकिन अभी तक कोई सरकार ऐसी नहीं आई जो गोमाता की रक्षा करें, बल्कि सरकारों ने इसकी घोर अवहेलना की। किसी सरकार ने गोमाता के लिए नहीं सोचा कि उसे पशु श्रेणी से निकाल कर राजमाता का दर्जा दिया जाए।

यूपी में दूल्हे का कत्ल : बरात लेकर पांच किमी दूर ही पहुंचा

गाड़ी रोक गोलियों से भूना, इंतजार करती रही दुल्हन

जौनपुर, 2 मई (एजेंसियां)। जौनपुर के खेतासराय थाना इलाके के बादशाही बाजार में बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने शादी के लिए जा रहे दूल्हे आजाद बिंद (25) की गाड़ी को ओवरटेक कर गोली मार कर हत्या कर दी और वारदात को अंजाम देने के बाद जौनपुर की तरफ भाग निकले। घर से पांच किमी दूर दूल्हे की हत्या के बाद हड़कंप मच गया। मौके पर देर रात तक सर्किल के सभी थानों की फोर्स तैनात रही। घटना के कारण को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। सरायख्वाजा थाना इलाके के बडौर गांव निवासी आजाद बिंद (25) पुत्र रामलखन बिंद की बरात दस किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर जम जमदहां गोरखनाथ बिंद के घर जा रही थी। बरात करीब पांच किमी दूर आगे बादशाही बाजार पहुंची थी।

आरोप है कि पहले से घात लगाए अपाची बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने ओवरटेक कर दूल्हे पर तमंचे से तीन राउंड फायरिंग की, जो दूल्हे को लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बराती जब तक कुछ समझ पाते हमलावर जौनपुर की तरफ भाग निकले।

वहीं, गोली लगने से दूल्हा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आनन-फानन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले जाया गया। हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्र में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि शव को संरक्षण में लेकर जांच की जा रही है।

बुर्ज खलीफा से भी ऊंचा चंद्रोदय मंदिर तैयार

अखिलेश ने किया था शिलान्यास, पीएम मोदी कर सकते हैं लोकार्पण

मथुरा, 2 मई (एजेंसियां)। वृंदावन में देश का सबसे विशाल, भव्य और ऊंचा चंद्रोदय मंदिर लगभग बनकर तैयार हो गया है। इस माह के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका लोकार्पण कर सकते हैं। मंदिर प्रबंधन ने प्रधानमंत्री को इसका आमंत्रण पत्र भेजा है। फिलहाल उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। यह मंदिर दिल्ली की कुतुब मीनार से भी तीन गुना ऊंचा होगा।

वृंदावन-छटीकरा मार्ग स्थित अक्षय पात्र परिसर में आठ मार्च 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंदिर का शिलान्यास किया था। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 16 नवंबर 2014 को आधारशिला रखी थी। इस्कॉन बंगलुरू द्वारा करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण कराया जा रहा है। करीब 12 साल में 70 मंजिला मंदिर बनकर लगभग तैयार हो चुका है। इधर, पीएम मोदी के आने की संभावना को लेकर मंदिर में व्यापक तैयारियां तेज हो गई हैं। पीएम मोदी मंदिर के गर्भ गृह में पूजन-अर्चन भी कर सकते हैं। साथ ही मंदिर परिसर में एक मंच भी सजाया जा रहा है, जिससे प्रधानमंत्री लोगों को संबोधित कर सकेंगे। हालांकि अबी पीएमओ से उनके कार्यक्रम को हरी झंडी नहीं मिली है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे कि वह मई में 25 से 30 तारीख के बीच में कभी भी मथुरा आ सकते हैं। अधिकारियों का कहना कि इसकी तैयारियां चल रही हैं, लेकिन दिल्ली से हरी झंडी नहीं मिली है।

55 मीटर गहरी है नींव

मंदिर की ऊंचाई 210 मीटर होने के चलते नींव पर विशेष ध्यान दिया गया है। नींव लगभग 55 मीटर गहरी रखी गई है तथा आधार 12 मीटर ऊंचा रखा गया है, जबकि दुबई स्थित दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा की नींव की गहराई 50 मीटर है।

टेलीस्कोप से देख पाएंगे ताजमहल

गगनचुंबी मंदिर की ऊंचाई का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि मंदिर के टॉप पर रखी जाने वाली टेलीस्कोप से आगरा के ताजमहल को देखा जा सकेगा। मंदिर से ताजमहल कि दूरी 80 किलोमीटर है। इमारत के प्रारंभिक तीन तलों पर चैतन्य महाप्रभु और राधा -कृष्ण, बलराम के मंदिर हैं।

द्रविड़, नागर और आधुनिक शैली में बनाये जा रहे मंदिर में 4डी तकनीक द्वारा देवलोक और देवलीलाओं के दर्शन भी किए जा सकेंगे। मंदिर के आसपास प्राकृतिक वनों का वातावरण तैयार किया गया है। यमुना जी का प्रतिरूप तैयार कर नौका विहार जैसी सुविधाएं भी होंगी।

बरेली जिले के गांव में फैला करंट, छात्र समेत 2 लोगों की मौत, एक महिला झुलसी

बरेली, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक गांव में शनिवार सुबह हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से गांव में करंट फैल गया। करंट लगने से छात्र समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। महिला को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरेली जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र के सूदनपुर गांव में शनिवार सुबह करीब सात बजे गांव से 100 मीटर दूर ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई। हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर एलटी लाइन पर गिर गया, जिसके चलते सूदनपुर गांव के एक मोहल्ले में 11 हजार वोल्टेज का करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से कक्षा 10 के छात्र सुभाष (16) की मौत हो गई। बेटे को बचाने दौड़ी मां सुनीता भी गंभीर रूप से झुलस गई। पड़ोस में रहने वाले कुंवरपाल (24) भी जमीन पर पैर रखते ही करंट की चपेट में आ गए। लोग उनको अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एक ई-रिक्शा में आग लग गई।

मां और बेटी ने फांसी लगाकर दे दी जान

नागपुर, 2 मई (एजेंसियां)। जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, नागपुर के नंदनवन इलाके में मां और बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुसाइड नोट भी बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक महिला के पति की भी पहले ही मौत हो चुकी है।

पुलिस इस मामले में आगे की जांच हर एंगल से कर रही है। सामने आई जानकारी के अनुसार, नागपुर के नंदनवन इलाके के वेंकटेश नगर में आज मां बेटी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों ने आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट भी लिखा है। पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है और आगे की तहकीकात शुरू कर दी है।

सुभेंदु ने मतगणना में संविदा कर्मियों की तैनाती पर उठाए सवाल

चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग

कोलकाता, 2 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 4 मई को होने वाली मतगणना से ठीक पहले सियासी माहौल गरमा गया है। पिंगला और दासपुर विधानसभा क्षेत्रों में मतगणना ड्यूटी के लिए संविदा और अस्थायी कर्मचारियों की तैनाती को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा उम्मीदवार सुभेंदु अधिकारी ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर खतरा बताते हुए चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि मतगणना जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्य में जीबिका सेवक, सहायक और संविदा डाटा एंट्री ऑपरेटर (डियो) जैसे कर्मियों को तैनात करना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी स्थायी सरकारी ढांचे का हिस्सा नहीं होते और उन पर राजनीतिक दबाव पड़ने की आशंका अधिक रहती है, जिससे चुनाव

परिणामों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने विशेष रूप से पिंगला और दासपुर विधानसभा क्षेत्रों के जारी आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि कई संविदा कर्मियों को मतगणना और संकलन टीमों में शामिल किया गया है। अधिकारी के मुताबिक, इन कर्मियों को ईवीएम की आवाजाही, वीवीपैट की सीलिंग और पोस्टल बैलेट की गणना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में लगाया गया है, जो अत्यधिक संवेदनशील जिम्मेदारियां हैं। भाजपा नेता ने चुनाव आयोग से अपील करते हुए कहा कि मतगणना प्रक्रिया में केवल नियमित और स्थायी सरकारी कर्मचारियों की ही नियुक्ति की जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे। उन्होंने पश्चिम मिदनापुर जिले में मतगणना से जुड़े सभी कर्मियों का ऑडिट कराने और किसी भी पैरा-स्टाफ या संविदा कर्मचारियों को हटाने की मांग भी की।

अधिकारी ने इसे लोकतंत्र के संविदाकरण की संज्ञा देते हुए आरोप लगाया कि यह सत्तारूढ़ दल द्वारा अंतिम जनादेश को प्रभावित करने की कोशिश हो सकती है। वहीं, सत्तारूढ़ टीएमसी ने भी इस मुद्दे पर पहले अलग रुख अपनाते हुए मतगणना में केंद्रीय सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारियों की तैनाती का विरोध किया था। इससे स्पष्ट है कि दोनों प्रमुख दल मतगणना प्रक्रिया को लेकर एक-दूसरे पर अविश्वास जता रहे हैं, जिससे राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है।

संदीप पाठक के खिलाफ दो एफआईआर

दिल्ली पहुंची पंजाब पुलिस, सामने आई सांसद की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पूर्व सदस्य और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पंजाब में दो अलग-अलग जिलों में उनके खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। जानकारी के मुताबिक, दोनों ही मामले गैर-जमानती धाराओं में दर्ज हैं, जिससे कानूनी स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों एफआईआर अलग-अलग घटनाओं से जुड़ी हैं। हालांकि, अभी तक आरोपों का पूरा विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है।

मामले की जांच पंजाब पुलिस कर रही है और आगे की कार्रवाई तेज किए जाने के संकेत हैं। जरूरत पड़ने पर गिरफ्तारी भी की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही मीडिया के माध्यम से यह सूचना सामने आई कि संदीप पाठक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं में मामले दर्ज हुए हैं, दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास (सी-1/28) पर हलचल तेज हो गई।

बताया जा रहा है कि पंजाब पुलिस के वहां पहुंचने से पहले ही संदीप पाठक अपने पीएसओ (सुरक्षा अधिकारी) के साथ पीछे के दरवाज़े से निकल गए। एक समय आप के भीतर 'पंजाब के चाणक्य' कहे जाने वाले संदीप पाठक पर दर्ज इन मामलों के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ठुकराया ईरान का नया प्रस्ताव, कहा- ऐसी डील नहीं हो सकती

वाशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए बातचीत प्रस्ताव पर नाराजगी जताई है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से आए इस ऑफर से थोड़ी उम्मीद जरूर जगी थी, लेकिन ट्रंप ने कहा कि वो इससे संतुष्ट नहीं हैं। अभी गतिरोध खत्म होता नहीं दिख रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान ऐसी शर्तें रख रहा है, जिनसे वो सहमत नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि ईरान डील करना चाहता है, लेकिन वो इससे खुश नहीं हैं। साथ ही ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व को बिखरा हुआ बताया, जहां अलग-अलग गुट आपस में तालमेल नहीं बैठा पा रहे।

डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर साफ कहा कि ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार बनाने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि यही उनकी सबसे बड़ी शर्त है और बिना इसके कोई भी समझौता संभव नहीं है। ईरान लंबे समय से कहता आ रहा है कि उसे यूरेनियम समृद्ध करने का हक है। वो इसे सिर्फ शांतिपूर्ण कामों के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। लेकिन अमेरिका समेत पश्चिमी देश मानते हैं कि इसके पीछे परमाणु हथियार बनाने की मंशा हो सकती है। जब ट्रंप से

ऑप्शन पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हम सीधा हमला करके सब खत्म कर दें, या फिर बातचीत से हल निकालें? उन्होंने साफ किया कि अमेरिका के पास दोनों रास्ते खुले हैं। अब फैसला करना है कि आगे कैसे बढ़ना है।

हमले के सवाल पर ट्रंप ने कहा कि इंसानियत के नाते वो ऐसा नहीं करना चाहते। उन्होंने यह भी बताया कि गतिरोध खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता अहम है और फोन पर बातचीत लगातार जारी है। इससे समझौते की उम्मीद बनी हुई है। ट्रंप ने कहा कि बातचीत में कुछ डेवलपमेंट जरूर हुआ है, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि बात आखिर तक पहुंचेगी। उनके मुताबिक, ईरान ऐसी मांगें रख रहा है जिन्हें वो मान नहीं सकते हैं। इसलिए डील अभी दूर नजर आ रही है।

ज्वेलरी दुकान से लाखों की चोरी, छत काटकर चोरों ने किया प्रवेश व्यापारियों में दहशत

गढ़वा, 2 मई (एजेंसियां)। विशुनपुरा थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला विशुनपुरा बाजार स्थित मनोकामना ज्वैलर्स का है, चोरों ने दुकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये की नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। दुकान मालिक अजीत सोनी ने बताया कि वे शुक्रवार की रात लगभग 9 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार की सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे, तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। चोरों ने दुकान में घुसने के लिए सीढ़ी के ऊपर लगे सीट (छत का हिस्सा) को काटकर अंदर प्रवेश किया था।

इसके बाद काउंटर का लॉक तोड़कर दुकान में रखे करीब 40 हजार रुपये नकद और लगभग 1।25 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। भुक्तभोगी अजीत सोनी ने इस संबंध में स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

न मोबाइल, न सोशल मीडिया

डेढ़ साल अंडरग्राउंड रहा डी. कंपनी का सलीम डोला, एक चूक ने कर दिया बेनकाब

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय जांच एजेंसियों के हाथ डी-कंपनी के बड़े ड्रग ऑपरेटर सलीम डोला को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा लगा है। दाऊद इब्राहिम का करीबी और भारत सहित कई देशों में डी-कंपनी के अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क को ऑपरेट करने वाला सलीम डोला, वर्षों से एजेंसियों की नजर से बचता फिर रहा था। उसे ट्रैक करना अधिकारियों के लिए 'भूसे में सुई' ढूंढने जैसा माना जा रहा था। सूत्रों के मुताबिक, बीते कई सालों से भारतीय जांच एजेंसियां इंटरपोल की मदद से सलीम डोला की लोकेशन ट्रैक करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन हर बार वह एजेंसियों को चकमा दे देता था। आखिरकार उसकी एक छोटी-सी गलती ने उसे हाइडआउट से बाहर निकाल दिया और सीधे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

जांच एजेंसियों से जुड़े सूत्रों का दावा है कि सलीम डोला भारतीय एजेंसियों के बढ़ते दबाव के बाद तुर्की के इस्तांबुल भाग गया था। वहां उसने खुद को पूरी तरह अंडरग्राउंड कर लिया था। हालात ऐसे थे कि डोला पिछले डेढ़ साल से अपने कमरे से बाहर तक नहीं निकला था और न ही किसी से सीधे संपर्क करता था, ताकि भारतीय एजेंसियां या इंटरपोल उसकी भनक न पा सकें। न फोन, न सोशल मीडिया। बाहर की दुनिया से लगभग हर तरह का संपर्क काट दिया गया था। लेकिन कुछ दिन पहले डोला से एक गंभीर चूक हो गई। उसने अपने हाइडआउट के पते पर एक कोरियर मंगवा लिया।

यही वह कड़ी बनी, जिससे एजेंसियों को उसकी सही लोकेशन मिल गई। सूत्रों के अनुसार, कोरियर की डिलीवरी के जरिए पते की पुष्टि होते ही भारतीय एजेंसियों ने तुरंत इंटरपोल से संपर्क किया और पूरी जानकारी इस्तांबुल पुलिस को सौंपी। इस्तांबुल पुलिस ने सूचना मिलते ही डोला के कमरे पर छापा मारा। तलाशी के दौरान तीन पासपोर्ट बरामद किए गए। इनमें एक बुल्गारिया का पासपोर्ट था, जिसमें उसका नाम 'हमजा' दर्ज था, जबकि दो भारतीय पासपोर्ट भी मिले। कई पासपोर्ट्स का इस्तेमाल कर पहचान बदलना उसकी रणनीति का हिस्सा था। खास बात यह रही कि भारत और तुर्की के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं होने के बावजूद एजेंसियां सलीम डोला को भारत लाने में सफल रहीं।

पश्चिमी सिंहभूम में उत्पाद विभाग की छापेमारी, एक गिरफ्तार, चार फरार

रांची, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिला के मंझारी थाना के उलीडीह गांव में उत्पाद विभाग ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान विभाग की टीम ने करीब 2000 किलो जावा महुआ नष्ट कर दिया और 6।5 लीटर अवैध बियर बरामद किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक निर्भय सिन्हा ने बताया कि डीसी मनीष कुमार के निर्देश पर उत्पाद विभाग द्वारा टीम का गठन हुए मंझारी थाना टीम के सहयोग से उलीडीह गांव में छापामारी अभियान चलाया, जिसमें एक शराब भट्टी को ध्वस्त करते हुए 90 लीटर शराब बरामद किया जबकि 2000 केजी जावा महुआ नष्ट कर दिया गया। टीम ने गांव में एक दुकान में छापामारी करते हुए साढ़े छह लीटर बियर बरामद किया है। उन्होंने बताया कि टीम ने शराब बनाने वाले उपकरणों को जब्त कर लिया है। टीम ने मामले पर उत्पाद विभाग के अलग- अलग धाराओं के खिलाफ पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है।

जिसमें चंद्रमोहन सवैया को गिरफ्तार कर लिया है जबकि चार लोग फरार होने में सफल रहे जिसमे श्याम सिंह मुंडा, बीरू मुंडा, रुई मुंडा, चन्द्र मुंडा भागने में सफल रहे।

झारखंड ट्रेजरी घोटाला

10 करोड़ के मनी ट्रेल का खुलासा, 1.8 करोड़ रुपये जब्त; 2 पुलिसकर्मी समेत 3 गिरफ्तार

रांची, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने बोकारो ट्रेजरी घोटाले के सिलसिले में 10 करोड़ रुपये के मनी ट्रेल (पैसे के लेन-देन के रास्ते) का पता लगाया है। बयान में यह जानकारी दी गई। सीआईडी ने 1.8 करोड़ रुपये और 18 लाख रुपये की दो फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को फ्रीज कर दिया है, जिन्हें कथित तौर पर बोकारो ट्रेजरी से कई बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया था। बयान में कहा गया है कि सीआईडी ने बोकारो पुलिस विभाग के अकाउंटेंट कौशल कुमार पांडे के अलावा 2 पुलिसकर्मियों को भी गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मियों में एएसआई अशोक कुमार भंडारी और होम गार्ड जवान सतीश कुमार शामिल हैं। भंडारी के घर पर मारे गए छापे के दौरान उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए। उनकी संपत्तियों में बोकारो के तेलिडीह में 4.08 डेसिमल जमीन, उस जमीन पर बना तीन-मंजिला आलीशान घर और 4.98 डेसिमल जमीन का एक और टुकड़ा शामिल है। सीआईडी ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की और तीनों व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पांडे को ट्रेजरी के वेतन वितरण खाते से राम नरेश सिंह, उपेंद्र सिंह, एस कुमार और कई अन्य लोगों के नाम पर कथित तौर पर 6 करोड़ रुपये से अधिक निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी को तब गिरफ्तार किया गया,

जब ट्रेजरी अधिकारी गुलाब चंद उरांव ने बोकारो स्टील सिटी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद, हज़ारीबाग जिले में, पुलिस विभाग की लेखा शाखा में कार्यरत तीन व्यक्तियों (शंभू कुमार, रजनीश सिंह और धीरेंद्र सिंह) को 8 अप्रैल को पिछले आठ वर्षों में दो बैंक खातों से कथित तौर पर 15.41 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वहीं, 9 अप्रैल को, इस मामले के सिलसिले में दो और व्यक्तियों - शंभू सिंह की पत्नी काजल कुमारी और रजनीश सिंह की पत्नी खुशबू कुमारी - को गिरफ्तार किया गया।

रेलवे ट्रैक किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी

कोरबा, 2 मई (एजेंसियां)। कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र में मड़वारानी केबिन के पास रेलवे ट्रैक किनारे एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। युवक का शव खंभे के तार से लिपटा मिला है। आशंका जताई जा रही है कि चलती ट्रेन के गेट पर बाहर खड़े रहने के दौरान युवक खंभे से टकरा गया। स्टेशन मास्टर की सूचना पर उरगा पुलिस और आरपीएफ मौके पर पहुंची। पुलिस शव की शिनाख्त में जुटी है। पुलिस के मुताबिक घटना देर रात की है। मड़वारानी केबिन के पास रेलवे ट्रैक किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। शव रेलवे के बिजली खंभे के तार से लिपटा हुआ था।

सूचना मिलते ही उरगा थाना पुलिस और रेलवे आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि युवक रात के वक्त किसी यात्री ट्रेन के गेट पर खड़ा होगा और संतुलन बिगड़ने पर खंभे से टकरा गया। मृतक युवक की उम्र लगभग 24 साल बताई जा रही है। अभी तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि रात को सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन

5 किलो जिलेटिन समेत भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार जब्त

चाईबासा, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में कोबरा 209 बटालियन के नेतृत्व में चल रहे अभियान में अब फॉलो-अप कार्रवाई के दौरान बड़ी बरामदगी सामने आई है। सारंडा और टोंटो-गोइलकेरा क्षेत्र के रूटुगुटू जंगल में मुठभेड़ के बाद चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल से एक एसएलआर राइफल, मैगजीन और जिंदा कारतूस, करीब 182 राउंड एसएलआर गोली, खाली कारतूस और एक कार्बाइन हथियार बरामद हुआ है। इसके अलावा एक एके-47 का खाली केस भी मिला है। सबसे अहम बरामदगी विस्फोटक सामग्री की है।

कोबरा 209 और अन्य सुरक्षाबलों ने कुल 4 पैकेट जिलेटिन (करीब 5 किलो), डेटोनेटर, कॉर्टेक्स वायर और अन्य विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। इससे संकेत मिलता है कि नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे।बरामद सामानों में पिट्ठू, बैग, पाउच, पानी की बोतलें, बैटरी, टेप, धागा, पिन, कैंची, मल्टीपर्पज चाकू, प्लेट, छाता, सिरिंज, नीडल, सिरिंज बोतलें, हेडफोन और डेटा केबल जैसे दैनिक उपयोग और संचार से जुड़े उपकरण भी शामिल हैं।

यह दर्शाता है कि नक्सली लंबे समय तक जंगल में ठहरने की तैयारी में थे। इधर, मुठभेड़ में मारे गए नक्सली अमृत उर्फ इजरायल पूर्ति का पोस्टमार्टम पूरा कर लिया गया है। सुरक्षा कारणों से शव को 48 घंटे बाद शुक्रवार को चाईबासा लाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने उसका पोस्टमार्टम किया। बताया जा रहा है कि वह करीब 14 साल की उम्र से माओवादी संगठन से जुड़ा हुआ था और अजय महतो दस्ते का सक्रिय सदस्य था। सूत्रों के मुताबिक, इलाके में अभी भी कुछ नक्सलियों के फंसे होने की आशंका है। इसी को ध्यान में रखते हुए कोबरा 209 और अन्य सुरक्षाबलों ने पूरे जंगल क्षेत्र की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिया है। बीच-बीच में रुक-रुक कर फायरिंग की भी सूचना है, हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

12 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

गढ़वा, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा जिले के चिनिया थाना पुलिस ने 12 वर्षों से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने कांड संख्या-58/14 के आरोपी संजय मलार उर्फ संजू मलार को उसके गुप्त ठिकाने से धर दबोचा। वह पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सिक्की खूर्द (छोटकी) गांव का निवासी है। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी संजय मलार के विरुद्ध चिनिया थाने में 8 सितंबर 2014 को भारतीय दंड संहिता की धारा 498(ए) (दहेज प्रताड़ना) और 494 (पति या पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था।

चिनिया थाना प्रभारी विकु कुमार रजक ने बताया कि आरोपी बहुत चालाकी से बार-बार अपनी पहचान और जगह बदलकर करीब 10 साल से ज्यादा समय तक पुलिस से बचता रहा। उसके खिलाफ कोर्ट से वारंट भी जारी किया गया था।

संसद की मंजूरी के बिना ट्रंप का फैसला

इन 4 देशों को देंगे 81 हजार करोड़ के हथियार

वाशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने अपने मिडिल ईस्ट के सहयोगी देशों को 8.6 अरब डॉलर (लगभग 81,622 करोड़) से ज्यादा के हथियार बेचने की मंजूरी दे दी है। खास बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार ने इस फैसले के लिए संसद की समीक्षा प्रक्रिया को दरकिनार कर दिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आपात स्थिति बताते हुए तुरंत इन सौदों को मंजूरी दी और कांग्रेस की जरूरत को हटा दिया। ये हथियार सौदे इजराइल, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए हैं। सबसे बड़ा सौदा कतर के साथ है। कतर को 4.01 अरब डॉलर (करीब 38,059 करोड़) की पैट्रियट एयर और मिसाइल डिफेंस सिस्टम की सेवाएं दी जाएंगी। इसके अलावा कतर को 992.4 मिलियन डॉलर (करीब 9,417 करोड़) के एडवांस्ड प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम (एपीकेडब्ल्यूएस) भी मिलेंगे। कुवैत को 2.5 अरब डॉलर (लगभग 23,728 करोड़) का इंटीग्रेटेड बैटल कमांड सिस्टम दिया जाएगा। इजराइल को भी 992.4 मिलियन डॉलर (करीब 9,417 करोड़) के एपीकेडब्ल्यूएस हथियार मिलेंगे। वहीं यूएई को 147.6 मिलियन डॉलर (करीब 1,401 करोड़) के एपीकेडब्ल्यूएस सिस्टम की मंजूरी मिली है।

इन हथियारों की सप्लाई में बीएई सिस्टम्स, लॉकहीड मार्टिन, आरटीएक्स कॉर्पोरेशन और नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन जैसी बड़ी रक्षा कंपनियां शामिल हैं। यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है, जब अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ टकराव जारी है। यह संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था। इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। इस संघर्ष में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है और लाखों लोग बेघर हो गए हैं।

जामिया में आरएसएस कार्यक्रम पर पाकिस्तान की टिप्पणी से भड़का एनएसयूआई, कहा- हमारे मामले में न दे दखल

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपनी 100वीं वर्षगांठ के मौके पर दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आरएसएस का एक कार्यक्रम 'युवा कुंभ' आयोजित किया था। इसको लेकर ज़बरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। इस मामले पर पाकिस्तान ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी। अब कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने पाकिस्तान के दखल की निंदा की है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने इस बयान को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया। जाखड़ ने कहा कहा कि हमारा देश अपने संस्थानों और छात्र मुद्दों को संभालने में पूरी तरह सक्षम है

और इसपर बाहरी टिप्पणी की कोई आवश्यकता नहीं है। विनोद जाखड़ ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणी गैर-जिम्मेदाराना और अवसरवादी है। उनका कहना है कि इस तरह के बयान भारत की संप्रभुता को चुनौती देने और छात्र मुद्दों को राजनीतिक रंग देने की कोशिश हैं।

कांग्रेस की बैठक में दिग्विजय सिंह ने कसा तंज तो पटवारी बोले- मैं आपका चेला हूं, आशीर्वाद लेने आया हूं घर

भोपाल, 2 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की सियासत में कांग्रेस की बैठक के दौरान हल्की नोकझोंक से पार्टी की अंदरूनी कलह एक बार फिर सबके सामने आ गई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भोपाल में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर व्यंगात्मक लहजे में तंज कसा। उन्होंने कहा कि एआईसीसी में जितनी पकड़ पटवारी की है, उतनी उनकी खुद की नहीं है।

पूर्व सीएम की यह टिप्पणी उस समय आई जब अनुसूचित जाति विभाग की बैठक में संगठन में भागीदारी और चुनावी प्रतिनिधित्व पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने संगठन में कुछ विशेष जातियों की अनदेखी का मुद्दा उठाते हुए जीतू पटवारी को उनके 'पावर' की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि एआईसीसी में जितनी पटवारी की पकड़ है, उतनी तो उनकी भी नहीं है।दिग्विजय के इस बयान को पार्टी के भीतर बदलते नेतृत्व संतुलन के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं इसके जवाब में जीतू पटवारी ने सादगी भरे अंदाज में कहा' मैं तो आपका चेला हूं'। उनके इस जवाब ने माहौल को हल्का कर दिया। हालांकि दिग्विजय सिंह ने भी तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा 'अब गुरु गुड़ रह गया और चेला शक्कर हो गया', जिससे बैठक में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच हंसी का माहौल बन गया। राजधानी भोपाल में एससी विभाग की प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक नियुक्तियों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि समाज और बसोड़ समाज को प्रदेश कांग्रेस में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कहा कि संगठन के स्वरूप पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कहा आज बहुत सारे लोगों ने उन्हें बताया कि बाल्मीकि और बसोर समाज का प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अंदर कोई सदस्य नहीं हैं। सिंह ने कहा जीतू भाई आप तो अपॉइंट कर दो। दिग्विजय सिंह ने चीफ जीतू पटवारी की एआईसीसी में पकड़ का जिक्र करते हुए कहा कि केसी वेणुगोपाल से आप कुछ भी लिखवाकर ला सकते हैं।

दो बीवियों के बीच शॉपिंग को लेकर हुआ विवाद, अगले दिन भाजपा नेता की मिली लाश

धनबाद, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले के गोविंदपुर क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष अमृत दास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना गोविंदपुर थाना क्षेत्र के उपर बाजार की है, जहां उनका शव घर के अंदर मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों ने इस मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। मां और बहन का कहना है कि अमृत दास की शादी दो सगी बहनों से हुई थी और दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। परिजनों का आरोप है कि दोनों पत्नियों ने मिलकर अमृत दास की हत्या की है।

परिवार ने इस मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना से एक दिन पहले अमृत दास अपनी दूसरी पत्नी को शॉपिंग कराने ले गए थे। इसी बात को लेकर घर में विवाद बढ़ गया था। इसके बाद अचानक उनकी मौत की खबर सामने आई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और तरह-तरह की बातें शुरू हो गई।

तस्वीरों का चितेरा : रघु राय

अतुल कुमार

लोकप्रिय छायाकार रघु राय नहीं रहे .बीती 26 अप्रेल को 83 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया . कैमरे की लेंस से खींचे उनके छाया चित्र मानवीय संवेदनाओं , अनुभूतियों और जन सरोकारों से युक्त होते . उनको समझने के लिये किसी कैप्शन ,कथा और कविता की ज़रूरत नहीं होती .छाया चित्र भावनाओं के सभी रंगों में इतने डूबे होते कि पाठक और ,दर्शक उनको देखते तो देखते ही रह जाते .क्यों कि उन चित्रों में लोगों , परिस्थितियों और समस्याओं का निचोड देखने , सोचने को मिलता .जिस बात को कहने में कई शब्द या वाक्य लगते उसे बडे महीन तरीके से अपने कैमरे से खींच उसे देखने ,सोचने और बोलने पर प्रेरित करते . अच्छे छाया चित्र वही होते हैं " जो ज़िंदगी के अहसास को पेश करते हैं " प्रसिद्ध छायाकार रघु राय ने अपने कैमरे के हुनर से यही सिद्ध किया .

उनके कैमरे ने जिन तस्वीरों को खींचा वह टाइमलेस बने जैसे दो हाथ के लंबे ठेले पर उंचाई तक रखे डिब्बों के ढेर को चिलचिलाती धूप में सामने से खींचते और पीछे से उसे धकेलती हुई स्त्री की तस्वीर जीवनोपार्जन के उस मर्म को प्रस्तुत करती है कि पैसा और रोटी कितने कडे संघर्ष से कमाये जाते है . फोटो की मार्मिकता भावनाओं को अंदर तक झकझोरती हैं तो विचारों को जज़्बाती बनाती है . यह दृश्य प्रायः दिखता है लेकिन इसके पीछे छिपे स्ट्रगल और दर्द को यह तस्वीर नये आयाम व सूरत प्रदान करती है .राय न केवल एक फोटोग्राफर थे बल्कि एक ऐसे मास्टर थे जिन्होंने देश और इंसान को देखने के नये नज़रिये को विकसित किया . सिर्फ तस्वीरें नहीं लेते बल्कि उसके ज़रिये कहानी सुनाते थे . सन 1984 में हुई भोपाल गैस त्रासदी के भयानक मानवीय दर्द को कैमरे में कैद किया जिससे सच को दबाया नहीं जा सका . दर्द भरी चीत्कारों के बीच छटपटाती मानवीयता के उस रूप को प्रस्तुत किया जिसे देख दिल दहल उठते .

मूल रूप से सिविल इंजीनीयर थे लेकिन 23 साल की उम्र में फोटोग्राफी को अपनाया और वही उनकी साधना बनी . पांच दशकों से

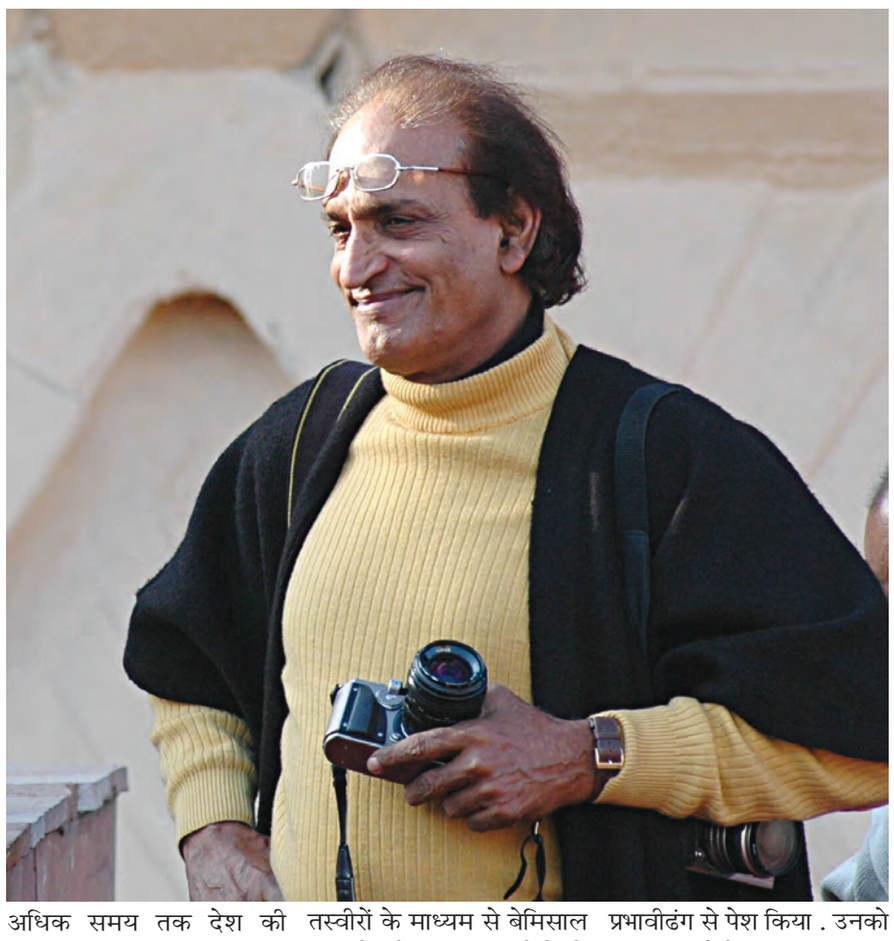

अधिक समय तक देश की सामाजिक ,राजनीतिक , सांस्कृतिक और आध्यात्मिक तस्वीरों के माध्यम से बेमिसाल तस्वीरों को खींच उन क्षेत्रों से जुडे विविध प्रसंगों को प्रभावीढंग से पेश किया . उनको भारतीय फोटो पत्रकारिता का जनक माना गया . वे ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफी से इतिहास रच गये . कहते कि कैमेरा केवल एक टूल है .असली तस्वीर पहले मन में बनती है.उदाहरण के लिये शहरों में बडे बडे पाइपों के बीच गुज़र बसर करने वाले लोगों की ज़िंदगी के दर्द को कैमेरे में कैद किया जिसे देख लोग विचलित हुए . इसका बखान करते हुए कहा कि एक वयोवृद्ध महिला उनको फोटो खींचता देख कुछ बोली नहीं बल्कि उसकी आंखों से झर झर आंसू बहने लगे .उन रोती आंखों को जिस गहराई से खींच अभिव्यक्ति दी वह उनकी सोच तथा समस्याओं में बेतरतीब उलझी ज़िंदगियों की गाथाओं का आईना बनी .

सातवें और आठवें दशक के प्रिंट मीडिया को फोटो पत्रकारिता के रूप में नया तोहफा दिया जो जम कर देखा और सराहा गया इनमें छपने वाली उनकी तस्वीरों ने पाठकों को लुभाया और राय की तस्वीरें घर घर में चर्चा का विषय बनीं उन्होंने कैमरे में कैद किये गये व्यक्तियों को गरिमा प्रदान की और दर्शकों को उनकी भावनात्मक सच्चाई को स्वयं खोजने के लिये उत्साहित किया . उनके काम में इतिहास की व्यापकता झलकती .

वे बिना किसी जल्द्बाज़ी या दबाव के स्थितियों को अपने कैमरे से खींचते प्रसंगानुसार सन 2000 में कोलकाता में आयोजित उनकी फोटो प्रदर्शिनी में दर्शायी कलाकृतियों को देखने के लिये लोग उमड पडे . कभी दृश्यों को सुनियोजित करने की कोशिश नहीं की . बल्कि उसके यथार्थ रूप को कैद करते .

हमेशा अपने आसपास के हालातों और लोगों का ध्यान रखते और उसी में से यथार्थ को खोज लेते . उनकी नज़रें सदा अच्छी तस्वीरों के सब्जेक्ट्स को टटोलती रहतीं . उनकी मान्यता थी कि हर विषय की एक कहानी होती है जो ध्यान आकर्षित करती है और हर फ्रेम में खोज की क्षमता होती है अदम्य जिज्ञासा और गहरी दृष्टि से प्रेरित हो ऐसी यादगार तस्वीरें छोडीं जो दर्शकों की आह और वाह ! के साथ यादों में बस गयी .

उनके चित्रों में मदर टेरेसा से ले दलाई लामा तक ,सत्य जीत रे से ले भीमसेन जोशी तक कई महान विभूतियां शामिल हैं .सन 1971 के युद्ध के दौरान भारत – बांग्ला देश सीमा की यात्रा की जहां शरणार्थियों की दुर्दशा को कैमरे में कैद किया जिसे दर्शकों ने पसंद किया .

जिस लगन से तस्वीरें लेते उसमें रोज़मर्रा की ज़िंदगी समेटी हुई दिखलायी देती . उनका योगदान फोटोग्राफरों की पीढियों को इंस्पायर करेगा क्यों कि वो इस हुनर के " चैंपियन फोटोग्राफर " थे . उनके फोटो निबंध " टाइम " " लाइफ " और " न्यूयार्क टाईम्स " जैसी प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए .वे एक ही फ्रेम में कई कहानियां बयां करने की कला में माहिर थे . एक साक्षात्कार में जीवन की पहली खींची तस्वीर के बारे बताते हुए कहा कि " वह एक बेबी डंकी " (गधे के बच्चे) की थी .कैमरा देख वो दौड पडा मैं भी उसके पीछे तब तक दौडता रहा जब तक कि संतोषजनक फोटो न मिले . बाद में मेरे बडे भाई ने उसे छपने के लिये विदेशी अखबार में भेजा जहां वह प्रमुखता से छपी जिसका पारश्रमिक भी महीने के खर्च जितना मिला "

18 दिसंबर 1942 को जन्मे छायाकार रघु राय ने कहा भी कि " मैं अपने कैमरे के माध्यम से अपने ईश्वर से मिलsता हूं " उनकी यही आराधना उनको कालजयी बनाये रखेगी . किसी शायर ने खूब लिखा " अलविदा कहने के बाद भी ,यदि दिल भुला न सके / तो समझो उसने वक्त पर गहरे निशान छोडे हैं " .छायाकार रघु राय ने यही किया।

काव्य कुंज

जो श्रम करता है

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

जो श्रम करता है घर को छोड़
जो गांव नहीं जा पाता है,
औरों की छत गढ़ते- गढ़ते
खुद धूप में ही सो जाता है।
जो पुल बनाने की खातिर
घर बार सभी तज देता है
जिसे खुद की कभी परवाह नहीं
जो कंटक पर सो जाता है।
औरों की बिल्डिंग ठोक - ठोक
झोपड़ पट्टी में जो रहता है
दिन-रात का जिसको फिक्र नहीं
जो मीठी बातों पे मरता है।
ऐसे मजदूर को नमन करें
भूले से ना उनका दमन करें
दिल खोल के उनको आदर दें
उनकी मेहनत को गहन करें ।
चलो आज हम इतना कर जाएं
उन्हें शब्द नहीं अरमान दें
जो देते धरती को जीवन
उन्हें दिल से सदा सम्मान दें । ।

युद्ध का पश्चाताप

संजीव ठाकुर,
रायपुर

बारूद की गंध में
किसका सपना जलता ,
किसकी आँखों का उजाला
धुएँ में ढलता।
सीमाएँ खिंचती रहती नक्शों पर,
पर दिलों की दूरी कौन मापता
जो घर कभी हँसी से भरते,
वहीं अब सन्नाटा रोता ।
किसी माँ की गोद सूनी,
किसी बच्चे की नींद उजड़ी,
विजय के नारों के पीछे
कितनी करुण पुकारें जुड़ी।
क्या युद्ध आवश्यक था,
पर किसके लिए, क्यों
जो लौटकर न आए घर,
उनसे कोई पूछे या यह न्याय ?
विश्व युद्धों की राख अब भी
हवा में प्रश्न बनकर उड़ती ,
हर नया संघर्ष उसी पीड़ा को
फिर से जीवित कर देता ।
न कोई सच में जीतता ,
न कोई सच में हारता ,
बस इंसान अपने ही हाथों
अपना संसार उजाड़ता ।
रूस की ठंडी हवाओं में,
यूक्रेन की टूटी दीवारों में,
गाज़ा की रोती गलियों में,
हर जगह एक ही पुकार है
अब और नही
सत्ता के ऊँचे दरबारों में
यह आवाज़ अक्सर खो जाती।
और निर्दोषों की साँसें
आँकड़ों में बदल जाती
जब सब कुछ राख हो जाता।
आओ, बारूद की जगह
कुछ सपनों को बोया जाए,
नन्हे हाथों में हथियार नहीं,
उजला कल संजोया जाए।
क्योंकि अंत में बचता है
न कोई ताज, न सिंहासन,
बस यादें, आँसू और
एक सवाल क्या यही है
हमारा मानव होना?

हम पंछी एक डाल के

गजानन पाण्डेय

भांति - भांति के पंछी
पेड़ों पर आ बैठे ,
बड़ी सुरीली उनकी बोली
सबके मन को भांति है ।
कई रंग की चिड़ियां भी है
गौरैया भी साथ है
वे आपस में खेलने लगे
एक डाल से दूजे पर ।
प्रेम भरा उनका जीवन
एकता की सीख दे जाता
आओ हम उनकी सुध लें
दाना - पानी भी रख दें
गर्मी से हम उन्हें बचाएं
हम सब मानव धर्म निभाएं ।

नई पीढ़ी ! को क्या हो गया है ?

कुमुद बाला,
हैदराबाद

उन स्वतंत्रता सेनानियों के ,
पदचिन्हों पर चलकर
अनुभूति शांति की होती है।
इन बारीकियों को आखिर ,
यह नई अद्भुत पीढ़ी
क्योंकर समझ नहीं पाती है ?
क्या आज़ादी के दीवानों को
घर अपना नहीं था प्यारा ?
क्या उनके माता- पिता को
देश का बेटा नहीं था प्यारा ?
सीखो नौजवानों इनसे चलो
इनके सुवर्ण पदचिन्हों पर,
स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा
भारत का इतिहास प्यारा।
सभी लाइक , फॉलो ,
सब्सक्राइब करने में माहिर
फिर भाषण क्यों न समझती है ?
उन स्वतंत्रता सेनानियों के ,
पदचिन्हों पर चलकर
अनुभूति शांति की होती है
इन बारीकियों को आखिर , यह नई अद्भुत पीढ़ी
क्योंकर समझ नहीं पाती है ?
स्वतंत्रता सेनानियों के दिल भी , कोमल फूल से होते थे
बस भारत माँ के आँसू देख वे,चुप नहीं बिल्कुल रहते थे
उन्हें था तिरंगा इतना प्यारा , जान की बाज़ी लगाते थे
और रुख़्सती में कफ़न ओढ़कर,घर अपने लौट आते थे
ऐसा ज़ज़्बा नई पीढ़ी में , क्यों पैदा होता नहीं
देशभक्ति ना ये समझती है ?
उन स्वतंत्रता सेनानियों के , पदचिन्हों पर चलकर
अनुभूति शांति की होती है।
इन बारीकियों को आखिर , यह नई अद्भुत पीढ़ी
क्योंकर समझ नहीं पाती है ?

सजल

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

मां ने मुझे सकूं क़रार दे दिया।
रकीबों से जीत ओ यार दे दिया।
बेहिसाब चाहतें दी मां ने मुझे
दोनों जहान का प्यार दे दिया।
दुनिया में न सच्चा साथी कोई
मां ने गुलशन ओ बहार दे दिया।
मां बनकर मैने मां को जाना है
मां ने जन्नत का निखार दे दिया।
मै सोगवार थी अपनों के बर्ताव से
मां ने मेरे हाथों सितार दे दिया।
मनहूस बोलते रहे जलने वाले
मां ने दुआओं में शुमार दे दिया।
रेणू तनहा नहीं रहती है अब
मां ने मुझे पुरस्कार दे दिया।

जागना भी...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जागना भी कुबूल है
तेरी यादों में रात भर
तेरे एहसासों में जो सुकून है
वो नींद में कहां
मुझे रात पसंद पर ऐसा नहीं
अंधेरा मेरी जिन्दगी का हिस्सा हो
मुझे फकत कुछ कहे अनकहे
यादों की
जज्बातों की गलियों में
सुकून के लहमों में
जीना सुहाता है
दिन के शोरगुल में
खुद का तमाशा
होने दिखना
अच्छा नहीं लगता
जानता हूं
सफर आधा अधूरा
जो भी हो
अपने साथ ही रखो
तुमसे अलग मेरी पिंग कहां जागना भी ...
क्या लौटा दोगे वो मेरे पल
जहां से सब को तेरे लिए छोड़ा था
अब नहीं बीनना उन रिश्तों को
जिन पर मेरा अधिकार नहीं
बंट बंट कर जीना अब मुझे स्वीकार नहीं
किसी ने सुनी अनकही परतों को
छिपी मेरी हिचकियां कोई तो कहता
मैं तो हूं साथ तेरे अब चल पड़ा हूं
राहों पर अनदेखे मुकुमल न सही
जो भी शेष वह तुम्हारे सिवा और कहां जागना भी...

कला

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

अच्छे कामों में भी विघ्न आएँगे,
स्वजन या परिजन भी बहकायेंगे
लेकिन जो अपने लक्ष्य पर अडिग रहेंगे,
वे तूफानों में भी मंजिल पा लेंगे
दुश्मनों से जितने के लिए
भुजाएं शक्तिमान बनाएंगे।
मंजिल पाने के लिए
पैरों को गतिमान बनाएंगे
बेहतर नतीजों के लिए थोड़ा इंतजार करेंगे।
संघर्षों का जी जान से सामना करेंगे।
जीवन के सपनों को साकार करेंगे,
पानी जैसा बनकर रास्ता खुद बना लेंगे।
हर हाल में खुद में रह कर स्वर्ग का आनंद लेंगे।
जिसको पा न सके उसकी सोच में खुश रहेंगे।
कल का पता नहीं, इंतजार में खुश रहेंगे।

श्रम की गरिमा

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

किरदार छोटा हो या बड़ा,
वो कथानक की जान होता है,
संप्रेषण का आधार होता है,
दर्शकों का सूत्रधार होता है।
अदना सा किरदार है नन्हीं चींटी का,
पर लम्बी ऊंची दीवारों की चढ़ाई,
संदेश दे जाती है,
दृढ़ता और आत्मविश्वास का ।।
पत्थर, ईंट, रेत को मिलाकर,
साकारित करता वो मजबूत ईमारत,
एक बार पुनः वो अदना सा मजदूर,
दे जाता संदेश मजबूत ईरादों संग
सुदृढ़ परिश्रम का ।।
दिनरात खेतों में बिताना,
रातों को जागना, रखवाली करना,
है नियति जिस किसान की,
हरियाली से खुशहाली का,
सुखद पैगाम वो ही देता,
जीवन में स्फूर्ति वो ही भरता
सफाईकर्मी का हो स्वच्छता अभियान,
या हो पहाड़ों की माल ढुलाई,
दिन रात की मशक्कत है,
खून पसीने की कमाई ।
फिर भी क्यूं तिरस्कृत हैं ये सब ?
क्यूं ये आदर के पात्र नहीं ?
आओ हम सब मिलकर, इनका सम्मान करें,
इनके स्वाभिमान को पोषित कर,
राष्ट्र निर्माण में योगदान करें,
श्रम से ही जीवंत है हम,
आओ श्रम की गरिमा का बखान करें ।।

अप्रैल की चेतावनी मई में सुन...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

अप्रैल की धूप ने आग-सी बोली,
धरती की 'साँसें' लगती हैं डोली।
हवा में भी तपिश, लू का है शोर,
सूरज बरसाए 'अंगारों' का ज़ोर।
शहरों की दीवारें भी 'तपने' लगीं,
सड़कों की छाया यूं जलने लगीं।
पेड़ों की 'छाँव' अब कम पड़ गई,
नदियों की धड़कन 'थम-सी' गई।
यह केवल मौसम का 'खेल' नहीं,
ये मानव के 'कर्मों' का मेल कहीं।
कांक्रीट के जंगल ज्यों बढ़ते गए,
हरियाली को निगल सिमटते गए।
ओ रे मानव, अब तो 'चेत' जा तू,
प्रकृति का संतुलन सँभाल ले तू।
पेड़ लगा, जल को ज़रा सहेज ले,
अब धरती को फिर से संवार ले।
अप्रैल की चेतावनी मई में सुन ले,
भविष्य की राहों को पुनः चुन ले।
वरना ये तपिश तो बढ़ती जाएगी,
जीवन की धारा 'सूखती' जाएगी।

अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल

प्रियंका सौरभ

बूढ़ा पीपल है कहाँ, गई कहाँ चौपाल॥
माटी की सोंधी महक, अब लगती है दूर,
कंक्रीटों के बीच में, खो बैठे हम नूर।
रिश्तों की हर डोर अब, लगती क्यों बेहाल
अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल।।
खेल-कूद के दिन गए, छूटा बचपन साथ,
मोबाइल में कैद है, हर रिश्ते की बात।
हँसी-ठिठोली खो गई, सूना हर घर-द्वार
अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल॥
बाबा की वो छाँव थी, माँ का स्नेह अपार,
कहाँ गए वो लोग सब, कहाँ गया संस्कार।
टूट गई हर परंपरा, बदला सारा हाल
अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल॥
लौट चलें उस ओर अब, जहाँ प्रेम की छाँव,
पीपल, बड़, चौपाल सँग, बसता सच्चा गाँव।
मन फिर से ये पूछता, ढूँढे हर इक हाल
अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल॥

कटाक्ष के आईने में

कमलेश झा
भागलपुर, बिहार

जिसने कंधों पर सभ्यता का बोझ लिया,
आज वही सिर झुकाए खड़ा मिला।
जिसने जलते दीपों को थामा था,
उसका घर आज अंधेरों में डूबा पड़ा मिला ।
वाह रे लोकतंत्र! क्या ग़ज़ब का है न्याय तुम्हारा ,
जिसका इतिहास था उजला ,
आज उसी का अपराध गिनाया ।
कभी गुरुकुल, कभी रणभूमि,
कभी हमने खेतों की प्यास बुझाई,
आज वही सवर्ण पूछ रहा—
मेरी गलती हीं क्यों तुम्हे दी दिखाई ?
जिसने राष्ट्र को शस्त्र, शास्त्र, विज्ञान दिए,
आज उसी से पूछा रहा तुम प्रश्न,
अधिकार की तो बात हीं छोड़ो,
अब उसके अस्तित्व पर हीं तुम खड़ा कर रहा है प्रश्न।
वोट की गिनती में शून्य बने, नीति की फाइलों में बोझ हुए,
त्याग को हमारा स्वभाव कहा, और अधिकार सदा मौन हुए।
कहते हैं—"तुम तो आगे हो,
तुम्हें सहायता की जरूरत नहीं ?"
और नौकरी के मेधा सूची से नम तुम्हारा कटना सही ?
मेहनत का फल अब वर्ग तय करता है,
योग्यता यहां बेचैन पड़ी, आरक्षण की मौन हँसी में,
युवा सवर्ण की बस जान फंसी।
सवर्ण होना अब सम्मान नहीं,
एक अघोषित अपराध बना,
चुप रहो तो कायर , बोलो तो सामंती,
यह तुमने कैसा संविधान गढ़ा ?
वोट चाहिए तो "महान" कहलाओ,
हक़ माँगो तो "विशेषाधिकारवादी",
त्याग हमारा संस्कार बताया गया,
कहते हैं तुम दाधीच से दानी।
क्या हड्डी लेकर मानोगे, रुधिर मांस अब सुख गया ?
संस्कार का बस चादर बचा है,
क्या इसपर भी तुम्हारा अब नजर गढ़ा??
माथे पर चंदन, हृदय में ज्वाला,
घर-घर में सपनों का शव पड़ा,
योग्यता की लाश उठाए क्यों फिरता हूं,
हर सवर्ण आज यह प्रश्न पूछ रहा ।
कटाक्ष नहीं ये मौन पीड़ा है,
जो वेदना मन से कैसे रुके?
समता के नाम पर असमानता,
आधुनिक भारत फिर कैसे बने?
न नफरत की चाह, न विद्रोह की होड़,
बस न्याय की माँग है,
कब तक उपेक्षा की आग में जलेंगे?
अब अस्तित्व बचाने की बस जंग है।
अगर त्याग हीं अपराध है,
तो इतिहास फिर खुद को दोहराएगा,
जो चुप रहा, वह मिटा दिया गया,
और जो बोला, वही नया सवेरा लाएगा।

जेठ की दुपहरी"

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

हाय! यह जेठ की दुपहरी,
लो चढ़ गई,
फिर सूरज की त्योरी
धूप में घुलते शोलों से
चटकी धरती की क्यारी ।।
बादल बंदी दूर गगन में,घुमड़ घुमड़ रह जाए
नन्हीं बूंदों की देहरी पर मौसम ने डाले पहरे ।।
कौन बुझाए आकर प्यास, अधर धरा के सूख रहे
सूख गए सब ताल तलैया नदी नीर से खाली ।।
सूखे शैवालों के नीचे, प्यासी सफरी घुटती
कौन भरे गोरी का गागर पनघट पनघट रीत रहे ।।
जल बिन सारी देह जले, आज हृदय में हूक उठे
स्वेद कणों के त्वरित वेग से अलक पलक सब भींग चले ।।
बन बैठा परदेसी बादल,फिर जलधार भला क्यों बरसे
आगे पीपल की छांव घनेरे मौन मौन आमंत्रण देते ।।
आज कांपते उसके पांवव्याकुल घर को लौट चले
दूर देश से आया पाहुन प्यासा देहरी पर राह तके
कौन धरे अब खाली गाग तृषित तृषित अधरों के आगे ।।

जिंदगी क्या है...

के एल गुप्ता

जिंदगी ईश्वर का वरदान है,
जिंदगी जीने का अरमान है
जिंदगी ईमान हैजिंदगी महान है
जिंदगी ध्यान है जिंदगी सम्मान है ।।
जिंदगी अनुभूति है,
जिंदगी सहानुभूति है
जिंदगी आशा है जिंदगी अभिलाषा है ।।
जिंदगी अभिषेक है जिंदगी नेक है
जिंदगी होली है जिंदगी दिवाली है
जिंदगी बगिया का माली है ।।
जिंदगी उत्कर्ष है जिंदगी संघर्ष है
जिंदगी उन्मुक्त है जिंदगी उपयुक्त है ।।
जिंदगी गर्व है जिंदगी पर्व है
जिंदगी पुरस्कार है जिंदगी उपहार है ।।
जिंदगी आनंद है जिंदगी अनुराग है
जिंदगी आदित्य है जिंदगी साहित्य है ।।
जिंदगी सद्भावना है जिंदगी संवेदना है
जिंदगी सुर है..ताल है.. जिंदगी बेमिसाल है ।।
जिंदगी सफलता है जिंदगी कुशलता है
जिंदगी योग हैजिंदगी संयोग है ।।
जिंदगी होश है जिंदगी जोश है
जिंदगी सुविचार है जिंदगी संस्कार है ।।
जिंदगी बुद्धि है जिंदगी शुद्धि है
जिंदगी प्रेमगीत है जिंदगी संगीत है ।।
जिंदगी रीत है जिंदगी प्रीत है
जिंदगी सत्संग है जिंदगी उमंग है ।।
जिंदगी आराधना हैजिंदगी प्रार्थना है
जिंदगी पूजा हैजिंदगी अर्चना है ।।
जिंदगी विश्वास है जिंदगी एहसास है
जिंदगी प्रयास है जिंदगी सुवास है ।।
जिंदगी उपकार है जिंदगी सत्कार है
जिंदगी व्यवहार है जिंदगी परोपकार है ।।
जिंदगी साकार है जिंदगी सरोकार है
जिंदगी अतुल्य हैजिंदगी बहुमूल्य है ।।
जिंदगी साज है जिंदगी आवाज है
जिंदगी सुगंध है जिंदगी संबंध है ।।
जिंदगी समीपता है जिंदगी आत्मीयता है
जिंदगी उपयोगिता है जिंदगी प्राथमिकता है ।।
जिंदगी सादगी है जिंदगी बंदगी है
जिंदगी मर्यादा है जिंदगी इरादा है ।।
जिंदगी तकदीर है जिंदगी तदबीर है
जिंदगी इबादत है जिंदगी इनायत है ।।
जिंदगी प्रमोद है जिंदगी आमोद है जिंदगी ..जिंदगी है

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

ज्येष्ठ महीने में है अधिक मास

17 मई से 15 जून तक रहेगा अधिक मास, इस महीने में कौन-कौन से शुभ काम करें

ष्ठ मास शुरू हो गया है। इस साल ज्येष्ठ मास में अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) आ रहा है। अधिकमास की वजह से ज्येष्ठ एक नहीं, दो महीनों तक रहेगा। 2 से 16 मई तक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष रहेगा, इसके बाद 17 मई से अधिकमास मास की शुरू होगा, जो कि 15 जून तक चलेगा। इसके बाद ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष शुरू हो जाएगा, जो कि 29 जून तक रहेगा। अधिक मास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ संस्कार जैसे मांगलिक कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं।

अधिक मास में भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा खासतौर पर की जाती है। इस महीने को विष्णु जी के ही एक नाम पुरुषोत्तम से भी जाना जाता है। इन दिनों में तीर्थ स्नान, मंदिरों में दर्शन-पूजन, सत्संग, मंत्र जप, दान-पुण्य, पूजन आदि शुभ काम किए जाते हैं।

हिन्दी पंचांग में करीब 2.5 से 3 साल में एक बार अधिक मास आता है। यह चंद्र मास और सौर वर्ष के अंतर को संतुलित करने के लिए होता है। जब किसी महीने में सूर्य का राशि परिवर्तन (संक्रांति) नहीं होता, तब वह महीना "अधिक मास" कहलाता है। अधिक मास में सूर्य का राशि परिवर्तन नहीं होता है।

भगवान पुरुषोत्तम की साधना करें

इस बार ज्येष्ठ मास 2 मई से 29 जून तक रहेगा। इस बीच आने वाले अधिक मास में भगवान विष्णु की विशेष पूजा करनी चाहिए। विष्णु पुराण, श्रीमद् भागवत पुराण, रामायण जैसे ग्रंथों का पाठ करना चाहिए। साधु-संतों के प्रवचन सुनना चाहिए। अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप करें।

इन दिनों में गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करें। नदी स्नान करना संभव न हो, तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

भगवान शिव का विशेष अभिषेक करें। शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। बिल्व पत्र, धतुरा, आंकड़े के फूल, दही, पंचामृत, शहद आदि चीजें अर्पित करें। धूप-दीप जलाकर भगवान की आरती करें। ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।

घर में विराजित बाल गोपाल का अभिषेक करें। भगवान को माखन-मिश्री और तुलसी चढ़ाएं। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें।

हनुमान जी के सामने धूप-दीप जलाकर हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ करें। आप चाहें राम नाम का जप भी कर सकते हैं।

इन दिनों में जूते-चप्पल, कपड़े, अनाज, खाना, तिल, गुड़, तेल, धन का दान करना चाहिए।

किसी गोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं। किसी मंदिर में पूजन सामग्री जैसे कुमकुम, चंदन, गुलाल, अबीर, चावल, तेल-घी, हार-फूल, मिठाई, भगवान के वस्त्र आदि चीजें भेंट में चढ़ाएं।

सफल होने के लिए जरूरी है कि हम सही मार्ग का चयन करें और उस पर आगे बढ़ते रहें

हमें सही दिशा में निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। अगर जीवन की दिशा सही है, तो व्यक्ति की दशा भी सुधरती जाती है। सफलता और सौभाग्य पाने के लिए आवश्यक है कि हम सही मार्ग का चयन करें और उस पर दृढ़ता से चलते रहें। इसके लिए आलस को त्यागना होगा, क्योंकि ये प्रगति में बाधा बनता है। व्यक्ति को वर्तमान में सजग, चैतन्य और सक्रिय रहना चाहिए। निरंतर प्रयास, जागरूकता और सही दिशा में गति ही जीवन को सफल बनाती है।

शादी में गठबंधन के लिए गुलाबी रंग का ही क्यों होता है कपड़ा?

भारतीय विवाह परंपराओं में हर रस्म का अपना विशेष महत्व होता है और इन्हीं में से एक अहम रस्म है गठबंधन। यह वह समय होता है जब दूल्हा और दुल्हन को एक सूत्र में बांधा जाता है, जो उनके वैवाहिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। विवाह सिर्फ रस्म नहीं, जिम्मेदारियों का साझा वचन है। गठबंधन तभी मजबूत होता है, जब सम्मान, विश्वास और संवाद का धागा रोज नया बांधा जाए। लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर गठबंधन का कपड़ा गुलाबी रंग का ही क्यों होता है और दूल्हा-दुल्हन के लिए यह रस्म आखिर क्यों जरूरी होती है। साथ ही यह गठबंधन कौन करता है,

लड़के की बहन करती है गठबंधन

आचार्य पंडित अनुपम महाराज पुराहित के अनुसार, शादी के दौरान यह रस्म फेरों से पहले निभाई जाती है, जिसमें दुल्हन के दुपट्टे को दूल्हे के वस्त्र से बांधा जाता है। यह गठबंधन लड़के की बहन द्वारा किया जाता है और दो गांठें ही बांधी जाती है। यह दो गांठे दो मूलों का प्रतीक मानी जाती हैं, जिसमें पहला है असीमित प्रेम और दूसरा अखंड़ विश्वास। साथ ही यह गठबंधन शुक्र और मंगल ग्रह का प्रतीक मानी जाती हैं।

गठबंधन में रखी जाती हैं ये पांच चीजें

वधू के पल्लू और वर के दुपट्टे के बीच सिक्का, फूल, हल्दी, दूर्वा और चावल ये पांच चीजें भी बांधते हैं, जिनका अपना-अपना महत्व है। शादी के दौरान जब गठबंधन किया जाता है, तब उसके लिए गुलाबी, पीला या लाल रंग का दुपट्टा ही चुना जाता है और सफेद व काले रंग को वर्जित माना जाता है।

गठबंधन का कपड़ा गुलाबी रंग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुलाबी रंग प्रेम, स्नेह और सौम्यता का प्रतीक होता है। विवाह जैसे पवित्र बंधन में यह रंग दूल्हा-दुल्हन के रिश्ते में मधुरता और संतुलन बनाए रखने का संकेत देता है। वहीं लाल रंग ऊर्जा, समर्पण और शुभता का प्रतीक है, इसलिए कई जगहों पर गुलाबी और लाल दोनों रंगों का उपयोग किया जाता है। गठबंधन की रस्म में दुल्हन के दुपट्टे को दूल्हे के साफा या अंगवस्त्र से बांधा जाता है। यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि दो आत्माओं के एक होने का प्रतीक माना जाता है। पंडित मंत्रोच्चारण के बीच इस बंधन को स्थापित करते हैं, जो यह दर्शाता है कि अब दोनों जीवनभर सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ निभाएंगे।

क्यों महत्वपूर्ण है गुलाबी रंग?

पंडितजी के अनुसार, नवविवाहित दंपति का कमरा भी गुलाबी रंग का ही होना चाहिए क्योंकि यह रंग खुशियां, सकारात्मक ऊर्जा, प्रेम प्रसंग और वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा माना जाता है। यह रंग तनाव को कम करने और रिश्तों में सौहार्द बढ़ाने में सहायक माना जाता है। ऐसे में विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर इसका उपयोग दंपति के लिए शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। तिहास और परंपराओं की बात करें तो भारतीय संस्कृति में रंगों का विशेष महत्व रहा है। हर रंग का एक अलग अर्थ और प्रभाव माना जाता है। गुलाबी रंग को खासतौर पर नए रिश्तों की शुरुआत और भावनात्मक जुड़ाव से जोड़ा जाता है, इसलिए इसे गठबंधन जैसी महत्वपूर्ण रस्म में प्राथमिकता दी जाती है।

पांच इंद्रियों का पंचकर्म आपको मौन में उतार देगा

मौन को शारीरिक क्रिया मानने की भूल न करें। शारीरिक क्रिया चुप्पी है, मौन आत्मिक घटना है। आजकल एआई को फोर्स मल्टीप्लायर कहा जाता है। यानी ताकत को कई गुना बढ़ाने वाला उपकरण। हमारे आत्मबल को बढ़ाने वाला उपकरण मौन है। और इसकी आज बहुत आवश्यकता है, क्योंकि देश में लगभग 4 करोड़ लोग एंग्जायटी के शिकार हैं। इसका इलाज मौन में है। हमारी 10 इंद्रियों में 5 ज्ञानेंद्रियां हैं। इन पांचों का एक पंचकर्म यदि हम कर लें तो मौन घट जाएगा। आंखों को बंद कर लें। यह पहली इंद्री है। नाक से लंबी-लंबी सांस लें, दूसरी। तीसरे, कानों को पूरी तरह से विश्राम दें। श्रवण-शून्य हो जाएं। चौथी इंद्री त्वचा है, इसे शुद्ध वातावरण दें। और पांचवी इंद्री है जीभ- आप चाहें तो मौन में जीभ को अंदर ही अंदर मोड़ के तालू से लगा लें। ये पांच इंद्रियों का पंचकर्म आपको मौन में उतार देगा। फिर इस भागमभाग के दौर में आप एंग्जायटी से मुक्त होंगे। कोई दबाव नहीं, कोई तनाव नहीं। कुछ आप करें, कुछ होने दें की स्थिति बन जाएगी।

पौराणिक कथाओं से जानें किस तरह अस्तित्व में आए चारधाम

ऋषि असित का यमुनोत्री से क्या है संबंध?

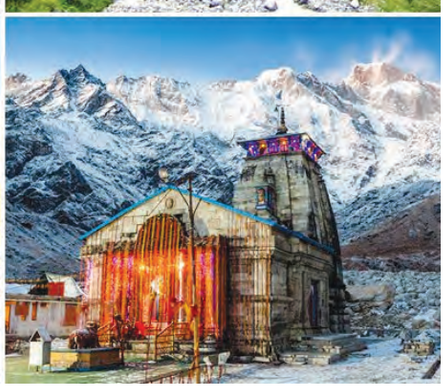

चारधाम यात्रा को भारत की सबसे पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक माना जाता है, जो हर साल लाखों श्रद्धालुओं को यमुनोत्री मंदिर, गंगोत्री मंदिर, केदारनाथ मंदिर और बद्रीनाथ मंदिर जैसे हिमालयी तीर्थस्थलों की ओर आकर्षित करती है। यह यात्रा कठिन है, लेकिन इसका गहरा महत्व उन किंवदंतियों और मान्यताओं में निहित है जो सदियों से संरक्षित है और यात्रा के आध्यात्मिक सार को आकार देती है। इन मंदिरों की भव्यता के परे कहानियों की एक समृद्ध परंपरा छिपी है, जो भक्ति, त्याग और दैवीय हस्तक्षेप को दर्शाती है। ये मात्र पौराणिक कथाएं नहीं है, बल्कि उन लाखों लोगों के विश्वास का आधार है, जो शांति, स्पष्टता और आध्यात्मिक नवीकरण की तलाश में इस यात्रा पर निकलते हैं।

यमुनोत्री की पौराणिक कथा

यह यात्रा परंपरागत रूप से यमुना नदी का उद्गम स्थल यमुनोत्री से शुरू होती है। यह मंदिर देवी यमुना को समर्पित है, लेकिन इसका महत्व ऋषि असित की कथा में गहराई से निहित है। मान्यता के अनुसार, ऋषि असित ने अपना जीवन नदी के किनारे ध्यान करते हुए बिताया। वृद्धावस्था में दृष्टिहीन हो जाने के बाद भी उन्होंने अटूट आस्था के साथ अपने दैनिक अनुष्ठान जारी रखे। उनकी इस भक्ति से प्रेरित होकर देवी यमुना ने उनकी दृष्टि तृप्त कर दी। कृतज्ञता व्यक्त करते हुए ऋषि ने इस क्षेत्र पर ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रार्थना की, जिससे यह मान्यता फैली कि यहां के पवित्र जल में असाधारण आध्यात्मिक शक्ति है। यह कहानी इस विचार को पुष्ट करती है कि सच्ची भक्ति शारीरिक सीमाओं को पार कर सकती है और दैवीय कृपा को आमंत्रित कर सकती है।

गंगोत्री की पौराणिक कथा

अगला पड़ाव गंगोत्री है, जो हिंदू परंपरा की सबसे पूजनीय कथाओं में से एक, गंगा नदी के पृथ्वी पर अवतरण से जुड़ा है। यह कथा राजा भगीरथ के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्होंने अपने पूर्वजों को एक श्राप से मुक्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। उनकी प्रार्थना का उत्तर मिला जब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में विशाल नदी को धारण करने की सहमति दी, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उसका प्रवाह पृथ्वी को नष्ट नहीं करेगा। ऐसा माना जाता है कि नदी के अंततः बहने से पृथ्वी पवित्र हुई और अनगिनत आत्माओं को मोक्ष प्राप्त हुआ। यह कथा दृढ़ता और आस्था की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करती है, जिससे गंगोत्री आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक बन जाती है।

केदरनाथ धाम की पौराणिक कथा

महाभारत से जुड़ाव के कारण केदारनाथ चारधाम यात्रा में विशेष स्थान रखता है। कुरुक्षेत्र युद्ध के बाद पांडवों ने युद्ध के दौरान हुई तबाही के लिए क्षमा मांगी और भगवान शिव से क्षमा प्राप्त की। हालांकि, भगवान शिव ने उनसे बचने का विकल्प चुना और बैल का रूप धारण करके जमीन में विलीन हो गए। पांडव उनका पीछा करते हुए केदारनाथ तक गए, जहां अंततः उन्होंने ज्योतिर्लिंग के रूप में अपना स्वरूप प्रकट किया। यह वृत्तांत पश्चाताप और ईश्वरीय दया के विषयों को दर्शाता है। यह बताता है कि क्षमा का मार्ग भले ही कठिन हो, लेकिन सच्चे प्रयास और आस्था से मुक्ति प्राप्त की जा सकती है।

बद्रीनाथ धाम की पौराणिक कथा

अंतिम गंतव्य बद्रीनाथ भगवान विष्णु को समर्पित है और तीर्थयात्रा की पराकाष्ठा का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, विष्णु ने आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में इस क्षेत्र में ध्यान किया था। उनकी रक्षा करने के लिए देवी लक्ष्मी ने बद्री वृक्ष का रूप धारण किया और उन्हें आश्रय और आराम प्रदान किया। यह कथा प्रकृति और दिव्यता के बीच सामंजस्य का प्रतीक है और आध्यात्मिक विकास में अनुशासन और तपस्या के महत्व को उजागर करती है। भक्तों के लिए बद्रीनाथ केवल पूजा स्थल नहीं है, बल्कि परम मोक्ष और आंतरिक शांति का प्रतीक है।

चारधाम यात्रा का मार्ग

चारधाम यात्रा को अक्सर शरीर, मन और आत्मा की यात्रा के रूप में वर्णित किया जाता है। प्रत्येक गंतव्य आध्यात्मिक विकास के एक अलग चरण का प्रतिनिधित्व करता है। यमुनोत्री को शुद्धि से गंगोत्री को दिव्य कृपा से, केदारनाथ को पश्चाताप से और बद्रीनाथ को ज्ञानोदय से जोड़ा जाता है। ये सभी चरण मिलकर एक ऐसा मार्ग बनाते हैं, जो आत्मनिरीक्षण और व्यक्तिगत परिवर्तन को प्रोत्साहित करता है। समय बीतने के बावजूद चारधाम की कथाएं आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं।

पति को मालामाल बना देती हैं इन 2 मूलांक की लड़कियां!

अंक ज्योतिष में जन्म तारीख से निकाले गए मूलांक को व्यक्ति के स्वभाव, सोच और जीवन की दिशा से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि कुछ मूलांक ऐसे होते हैं जिनसे जुड़ी लड़कियां विवाह के बाद पति और परिवार के लिए सौभाग्य लेकर आती हैं। कहा जाता है कि इनके आने से घर में खुशहाली बढ़ती है, आर्थिक स्थिति बेहतर होती है और परिवार में सकारात्मक माहौल बनता है। इनमें खास तौर पर मूलांक 1 और मूलांक 6 को काफी शुभ और प्रभावशाली माना जाता है।

मूलांक 1 की लड़कियां

जिन महिलाओं का जन्म किसी भी महीने की 1, 10, 19 या 28 तारीख को होता है, उनका मूलांक 1 माना जाता है। इस अंक का संबंध सूर्य से माना जाता है, जो ऊर्जा, आत्मविश्वास और नेतृत्व का प्रतीक है। कहा जाता है कि इस मूलांक की लड़कियां मजबूत इरादों वाली और फैसले लेने में तेज होती हैं। ये मुश्किल समय में परिवार का सहारा बनती हैं और अपने पति को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। मान्यता है कि इनके जीवन में आने से घर में सम्मान, सफलता और स्थिरता बढ़ती है। ये घर-परिवार को अच्छे ढंग से संभालने की क्षमता रखती हैं।

मूलांक 6 की लड़कियां

जिनका जन्म 6, 15 या 24 तारीख को हुआ हो, उनका मूलांक 6 माना जाता है। अंक ज्योतिष में इस मूलांक का स्वामी शुक्र ग्रह को माना जाता है, जो प्रेम, सुख-सुविधा और वैभव का कारक माना जाता है। इस मूलांक की लड़कियां सौम्य स्वभाव, आकर्षक व्यक्तित्व और रिश्तों को निभाने वाली मानी जाती हैं। कहा जाता है कि ये शादी के बाद पति और ससुराल के लिए शुभ साबित होती हैं। इनके आने से घर में प्रेम, शांति और समृद्धि का माहौल बनता है। कई लोग मानते हैं कि ये आर्थिक मामलों में भी समझदारी दिखाती हैं।

क्यों माने जाते हैं ये दोनों मूलांक खास

अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 1 ऊर्जा, नेतृत्व और सफलता का प्रतीक माना जाता है, जबकि मूलांक 6 सुख, संतुलन और धन से जुड़ा हुआ माना जाता है। यही वजह है कि इन दोनों मूलांक की लड़कियों को विवाह के लिए अच्छा माना जाता है। जहां मूलांक 1 घर में नई दिशा और आत्मविश्वास लाता है, वहीं मूलांक 6 रिश्तों में मिठास और आर्थिक स्थिरता देने वाला माना जाता है।

सबसे जरूरी बात

यह समझना जरूरी है कि किसी भी घर की तरक्की सिर्फ मूलांक से तय नहीं होती। सफलता का असली आधार मेहनत, समझदारी, आपसी भरोसा और सही फैसले होते हैं। अंक ज्योतिष को लोग आस्था या मार्गदर्शन के रूप में देखते हैं, लेकिन खुशहाल जीवन हमेशा अच्छे व्यवहार और साथ निभाने से बनता है। सही जीवनसाथी वही है जो हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहे और परिवार को आगे बढ़ाने में मदद करे।

स्वामी रामदास का संदेश, हर परिस्थिति में छिपा होता है ईश्वर का संकेत

स्वामी रामदास का नियम था कि वह केवल पांच घरों में भिक्षा मांगने के लिए जाते थे और वहां से जो कुछ मिलता वही लेकर लौट जाते। एक दिन वह ऐसे घर में भिक्षा लेने के लिए पहुंचे, जहां थोड़ी देर पहले ही पति-पत्नी में लड़ाई हुई थी। पत्नी गुस्से में थी। स्वामी जी ने घर के बाहर से आवाज लगाई। उसकी आवाज सुनकर वह महिला बाहर आई और बोली, तुम लोगों को भिक्षा मांगने के सिवाय कोई काम ही नहीं है। जाओ यहां से, मैं कुछ भी नहीं दूंगी। स्वामी जी का यह भी नियम था कि वह भिक्षा में कुछ लिए बगैर नहीं लौटते थे। स्वामी जी ने उस महिला से कहा, 'मैं भिक्षा में कुछ न कुछ लिए बगैर नहीं जाऊंगा।' महिला उस वक्त फर्श पर पोंछा लगा रही थी। पोंछा लगाने वाले कपड़े को ही स्वामी जी को देते हुए गुस्से से कहा, "तो फिर यह लो, ले जाओ इसे भिक्षा में ।" स्वामी जी ने प्रसन्न मन से उस कपड़े को लिया और नदी के तट पर पहुंच गए। उन्होंने कपड़े को अच्छी तरह साफ किया, सुखाया और फिर उसकी 'बाती' बना कर वह देवालय पहुंचे। स्वामी जी इस भिक्षा को पाकर मन-ही-मन प्रसन्न थे। उधर, वह महिला पश्चाताप कर रही थी कि बेवजह एक सत्पुरुष का अनादर किया। अंत में वह उन्हें ढूंढती हुई देवालय में पहुंच गई।

यह देखकर हैरान रह गई कि स्वामी जी ने उस वस्त्र से बातियां बना ली हैं। वह स्वामी जी के चरणों में गिरकर बोली, "देव, मैंने आपका निरादर किया, क्षमा करें।" रामदास जी बोले, देवी, तुमने उचित ही भिक्षा दी। तुम्हारी भिक्षा का ही परिणाम है कि देवालय रोशनी से जगमगा रहा है और उसका लाभ अनेक लोगों को मिल रहा है। तुम भोजन देती तो सिर्फ मेरे ही काम आता।

कौन थे जीवा माहाला? 'राजा शिवाजी' में सलमान खान ने निभाया किरदार; बहादुरी ऐसी कि बन गई चर्चित कहावत

फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में देखते हुए अचानक एक सीन में केसरी पगड़ी और भगवा रंग का परिधान पहने सलमान खान की एंट्री होती है। हॉल में जमकर सीटियां बजती हैं। फिल्म में वह जीवा माहाला का किरदार निभा रहे हैं। यह किरदार कैमियो के तौर पर फिल्म में आता है लेकिन कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। आखिर कौन थे जीवा माहाला? मराठा साम्राज्य में आज भी उनकी वीरता और युद्ध कौशल के गुण गाए जाते हैं, उन पर एक कहावत आज तक चर्चित है। इस खबर में जीवा माहाला के बारे में विस्तार से जानिए-

जीवा माहाला का क्या रहा योगदान?

जीवा माहाला के मराठा साम्राज्य के इतिहास की एक चर्चित शख्सियत रहे हैं। वह एक महान योद्धा थे। छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति उनकी निष्ठा अटूट थी। एक बार उन्होंने ही छत्रपति के प्राणों की रक्षा की थी। यह घटना 1659 की है। शिवाजी महाराज प्रतापगढ़ किले की तलहटी में अपने विरोधी अफजल खान से मिले। पहली मुलाकात के दौरान अफजल ने मराठा सम्राट की हत्या करने की कोशिश की। इस वक्त जीवा माहाला ने छत्रपति के प्राणों की रक्षा की। उन्होंने विरोधियों को डटकर मुकाबला किया। इसी वजह से आज भी एक कहावत महाराष्ट्र में चर्चित है, 'होता जीवा म्हणून वाचला शिवा।' इसका मतलब है कि जीवा वहां थे इसलिए शिवा जी बच गए।

जीवा की मृत्यु के बाद बनवाया गया स्मारक

जीवा हमेशा ही अपने बहादुरी के लिए चर्चित रहे। साल 1709 इस योद्धा की मृत्यु हो गई। जीवा की बहादुरी को समर्पित करते हुए एक स्मारक अंबावडे में बनवाया गया। यह स्मारक महाराष्ट्र के पुणे में स्थित है। आज भी मराठी लोग जीवा माहाला की बहादुरी, उनकी निष्ठा को याद करते हैं।

'राजा शिवाजी' में नजर आए कई बॉलीवुड एक्टर्स

फिल्म 'राजा शिवाजी' में रितेश देशमुख और सलमान खान के अलावा कई और बॉलीवुड एक्टर्स भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। इस फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, अमोल गुप्ते, विद्या बालन, बोमन ईरानी जैसे कई एक्टर्स शामिल हैं।

जबरदस्त रिसर्च वाली शानदार, पावरफुल और इमोशनल फिल्म रितेश देशमुख ने दिल, दिमाग और गुर्दा सब जीत लिया

राजा शिवाजी रिव्यू

छत्रपति शिवाजी महाराज एक अलग तरह के इमोशन हैं और अगर आप महाराष्ट्र से हैं तो इस इमोशन को और करीब से महसूस करते हैं. रितेश देशमुख मराठा हैं, बचपन से छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में पढ़ते आए हैं, उन्हें जानते समझते आए हैं, उनके लिए भी ये इमोशन बहुत खास है और उन्होंने पर्दे पर इस इमोशन को जिस अंदाज में जिया है. वो वाकई काबिले तारीफ है, रितेश मराठी सिनेमा में कमाल करते आए हैं, और इस बार तो उन्होंने खुद का कद खुद ही से ऊंचा कर दिया है. एक्टर से ज्यादा वो राइटर और डायरेक्टर के तौर पर दिल जीत ले जाते हैं.

कहानी

इस फिल्म की कहानी आपको थिएटर जाकर ही देखनी समझनी और महसूस करनी चाहिए, कहानी में काफी डिटेल्स हैं, कमाल की रिसर्च की गई है. मराठों और मुगलों के बीच की राजनीति को करीब से दिखाया गया है. कैसे राजा शिवाजी स्वराज के लिए लड़े, उनके सामने क्या क्या दिक्कतें आईं, हर चीज को बड़े कायदे से दिखाया गया है.

कैसी है फिल्म

ये फिल्म शानदार है, सबसे पहले तो आपको इस फिल्म की रिसर्च हैरान करती है. आपको इतना कुछ पता चलता है कि आप चौंक जाते हैं, हर किरदार को सही जगह दी गई है और यहां राइटर और डायरेक्टर रितेश कमाल कर जाते हैं. वो ऐसे डायरेक्टर नहीं बने जो खुद को चमका रहे हों, उन्होंने फिल्म को चमकाया. राजा शिवाजी की जिंदगी के ऐसे ऐसे पहलुओं को दिखाया गया है जो बहुत लोगों को नहीं पता होंगे. ये फिल्म सिर्फ युद्ध पर फोकस नहीं करती, राजा शिवाजी की महान कहानी बताती है और आपको देखकर लगता है कि राजा शिवाजी ऐसी ही फिल्म डिजर्व करते हैं. शिवाजी राजे की युद्ध नीति को यहां कमाल तरीके से दिखाया गया है कि कैसे वो पहले दुश्मन के दिमाग पर वार करते थे. फिल्म का vfx बेहतर हो सकता था लेकिन जब कहानी का इमोशन और रिसर्च बहुत मजबूत हो तो छोटी मोटी कमी महसूस नहीं होती और इनपर ध्यान भी

नहीं जाता. इस फिल्म को रितेश की मुंबई फिल्म कंपनी ने ज्योति देशपांडे और जिओ स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है और धुरंधर के बाद जिओ के लिए ये फिल्म एक और कमाल कर सकती है. खासतौर पर मराठी मार्केट में, ये फिल्म एक एक्सपीरियंस है, इसे महसूस कीजिए क्योंकि ये एक ऐसे हीरो की कहानी है जिन्हें भगवान के बराबर दर्जा दिया गया और अगर वो न होते तो हिंदुस्तान की किस्मत कुछ और होती.

एक्टिंग

रितेश देशमुख ने कमाल का काम किया है,रितेश का कद काठी इस किरदार के हिसाब से है. वो खुद को इस किरदार में ढाल गए हैं, ये किरदार निभाना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और रितेश ने ये काम बखूबी किया है. ये उनके करियर के बेस्ट परफॉर्मेंस में से एक रहेगा. सलमान खान का कैमियो कमाल लगता है,उनके स्क्रीन पर आते ही गजब तालियां सीटियां बजती हैं. संजय दत्त ने कमाल काम किया है, वो खूंखार लगे हैं, उन्हें देखकर गुस्सा आता है और ये उनके किरदार की कामयाबी है. अभिषेक बच्चन ने राजा शिवाजी के बड़े भाई के किरदार में जान डाल दी है, बहुत वक्त बाद अभिषेक इतने कमाल लगे. विद्या बालन का काम बहुत अच्छा है, वो खड़े खड़े जब अपने महाराजा को डांट देती हैं तो पता चलता है ये महिला कितनी ताकतवर है. भाग्यश्री ने बहुत बढ़िया काम किया है, जेनेलिया का रोल छोटा है लेकिन वो अच्छी लगी हैं. अमोल गुप्ते शानदार हैं, जितेंद्र जोशी काफी इंप्रेस करते हैं. sachin khedkar शानदार हैं, बोमन ईरानी ने भी अपने किरदार के साथ इंसाफ किया है.

राइटिंग और डायरेक्शन

इस फिल्म की रीढ़ है इसकी कमाल की राइटिंग, रिसर्च और राइटिंग पर काफी मेहनत की गई है और पूरी फिल्म में आपको ये महसूस होता है. डायरेक्शन के मामले में रितेश और ज्यादा इंप्रेस करते हैं, उन्होंने जिस तरह से हर किरदार को इस्तेमाल किया है वो कमाल है.

म्यूजिक

अजय अतुल का म्यूजिक इस फिल्म की आत्मा है, वो जो जादू पैदा कर गए हैं वो कोई और कर ही नहीं सकता था। कुल मिलाकर ये फिल्म हर हाल में देखिए।

'लगान' के निर्देशक आशुतोष गोवारिकर बने आईएफएफआई के फेस्टिवल डायरेक्टर, पहले इस पद पर कर चुके हैं काम

'लगान', 'स्वदेश' और 'जोधा अकबर' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर फिल्ममेकर आशुतोष गोवारिकर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। उन्हें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के 57वें एडिशन का फेस्टिवल डायरेक्टर नियुक्त किया गया है।

गोवारिकर ने दिया अहम योगदान

एक बयान में, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि गोवारिकर एक जाने-माने फिल्ममेकर हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा में खास योगदान दिया है।

मंत्रालय ने कहा, आईएफएफआई के साथ गोवारिकर का जुड़ाव कई दशकों पुराना है। यह सिनेमाई कला और इंटरनेशनल फिल्म कल्चर के विकास में उनकी गहरी भागीदारी को दिखाता है।'

क्या बोले गोवारिकर?

गोवारिकर ने कहा कि इस नियुक्ति से उन्हें बहुत गर्व और खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे इस फेस्टिवल के विकास का गवाह बनने का सौभाग्य मिला है। 1984 में इसमें शामिल होने से लेकर, वर्षों तक इससे जुड़े रहने तक का सफर अच्छा रहा है। 2024 में मैंने इसमें इंटरनेशनल सिनेमा के लिए जूरी प्रेसिडेंट के तौर पर काम किया।'

सम्मानित महसूस कर रहे निर्देशक

62 साल के इस निर्देशक ने कहा कि फेस्टिवल की विरासत को आगे बढ़ाना उनके लिए सम्मान और जिम्मेदारी, दोनों की बात है।

उन्होंने आगे कहा, '1952 से लेकर अब तक, दशकों से अनगिनत फेस्टिवल टीमों ने जिस विरासत को बनाया, संवारा और बढ़ाया है, उसे आगे बढ़ाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है।'

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का काम

1952 में शुरू हुआ इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया, एशिया के सबसे बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में से एक है। यह ग्लोबल सिनेमा में बेहतरीन काम को दिखाने और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक अहम मंच का काम करता है।

'सरकार लाइफ जैकेट को अनिवार्य बनाए...', जबलपुर क्रूज हादसे पर बोले सोनू सूद

मध्य प्रदेश के जबलपुर में क्रूज डूबने से 9 लोगों की मौत हो गई और 6 लोग अभी भी लापता हैं, जिनके लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है. इस हादसे पर राजनीति से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक दुख जता रहे हैं. इसी ही अब सोनू सूद ने भी मामले पर रिएक्शन दिया. साथ ही सरकार को सख्त कदम उठाने का सुझाव भी दिया है. उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि अब लाइफ जैकेट के निर्देशों को अनिवार्य करने का समय आ गया है.

सोनू सूद ने एक्स पर शेयर की पोस्ट

सोनू सूद ने जबलपुर हादसे के बाद अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की. इसमें उन्होंने अपने सुझाव के साथ ही सख्त कदम उठाने की बात भी कही. उन्होंने पहले तो अपनी पुरानी पोस्ट को याद दिलाते हुए लिखा, 'कुछ समय पहले मैंने बिहार में हुई नाव दुर्घटना के बारे में ट्वीट किया था और हर यात्री के लिए लाइफ जैकेट अनिवार्य करने की अपील की थी. फिर वृंदावन की घटना हुई... और अब मध्य प्रदेश में, इसी तरह कई और जानें गईं.'

सोनू सूद ने की अपील

सोनू सूद ने आगे अपनी एक्स पोस्ट में सवाल करते और सुझाव देते हुए लिखा, 'कितनी और जानें जाएंगी? अब इसे अनिवार्य करने का समय आ गया है कि कोई भी नाव बिना हर यात्री के लाइफ जैकेट पहने रवाना न हो. हमें एक सरकारी पोर्टल की भी आवश्यकता है जहां हर यात्रा से पहले सभी यात्रियों के लाइफ जैकेट पहने होने का समय-स्टैम्प्ड प्रमाण अपलोड किया जाए. केवल कड़ी जवाबदेही ही जानें बचा सकती हैं.'

जबलपुर घटना में 22 यात्रियों को किया गया रेस्क्यू

मध्य प्रदेश के जबलपुर की क्रूज की घटना ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है, जहां से दिल को दिलवा देने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं. इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है. शुरुआती खबरों में 4 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी लेकिन अब ये संख्या 9 तक पहुंच गई है. अभी भी 6 लोग लापता हैं. सर्च ऑपरेशन जारी है और 22 यात्रियों को रेस्क्यू कर लिया गया है.

इसके साथ ही मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की सहायता देने का ऐलान किया है.

8 साल से फिल्मों से दूर, फिर भी करोड़ों की मालकिन हैं अनुष्का शर्मा, कहां से होती है कमाई

अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस और प्रोड्यूस हैं. उन्होंने अपनी बेहतरीन अदाकारी के दम पर इंडस्ट्री में अलग जगह बनाई है. अनुष्का शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में आई फिल्म 'रब दे बना दी जोड़ी' से की थी. इसके बाद उन्होंने 'बैंड बाजा बारात', 'पीके', 'सुल्तान', 'सुई धागा' और 'ऐ दिल है मुश्किल' जैसी शानदार फिल्मों में काम कर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है. अनुष्का शर्मा पिछले 8 साल से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन इसके बावजूद वो करोड़ों की मालकिन हैं. आइए अनुष्का शर्मा ने 38वें बर्थडे पर उनकी टोटल नेटवर्थ जानते हैं.

कितनी है अनुष्का शर्मा की नेटवर्थ?

अनुष्का शर्मा बेहद लेविश लाइफ जीती हैं. फिलहाल एक्ट्रेस अपने दो बच्चों की परवरिश में बिजी हैं. इन सबके बावजूद अनुष्का खूब दौलत की मालकिन हैं. टाइम्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अनुष्का शर्मा की कुल नेटवर्थ 255 करोड़ रुपये है. एक्ट्रेस फिल्मों, विज्ञापनों, अपने क्लोदिंग ब्रांड नुश और प्रोडक्शन कंपनी क्लीन स्लेट फिल्म्ज के जरिए कमाई करती हैं. वो एक एड के लिए 5 से 10 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं.

अनुष्का शर्मा के पास हैं कई आलीशान घर

मुंबई में अनुष्का का आलीशान सी फेसिंग घर है, जिसकी कीमत लगभग 34 करोड़ रुपये बताई जाती है. उनका जुहू में एक अपार्टमेंट भी है, जिसका 2.76 लाख रुपये महीने का किराया है. इसके अलावा अनुष्का का गुड़गांव में 80 करोड़ रुपये का बंगला और अलीबाग में 19 करोड़ रुपये का फार्म हाउस भी हैं. अनुष्का शर्मा एक फिल्म में एक्टिंग करने के लिए मेकर्स से 7 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. वो एक इंस्टाग्राम पोस्ट से 95 लाख रुपये कमाती हैं. अनुष्का शर्मा को लग्जरी कारों का

काफी शौक है. उनके पास रेंज रोवर वोग है, जिसकी कीमत करीब ढाई करोड़ रुपये बताई जाती है. इसके अलावा उनके गैराज में 2.75 करोड़ रुपये की रेंज रोवर ऑटोबायोग्राफी भी है. अनुष्का शर्मा ऑडी क्यू8 (1.34 करोड़ रुपये) और बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज (2.46 करोड़ रुपये) जैसी कार की भी मालकिन हैं.

'चकदा एक्सप्रेस' में नजर आएंगी अनुष्का शर्मा

वर्क फ्रंट की बात करें तो अनुष्का शर्मा पिछले लंबे समय से फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म की शूटिंग साल 2022 में ही हो गई थी, लेकिन फिलहाल इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है. भारतीय क्रिकेटर झूलन गोस्वामी पर आधारित ये स्पोर्ट्स बायोपिक फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी.

जापान की वादियों में गुम हुई 'एक दिन' की मोहब्बत फीकी रह गई साई पल्लवी की बॉलीवुड एंट्री

जापान की बर्फीली वादियों में सेट 'एक दिन' एकतरफा प्यार और याददाश्त खोने की बीमारी पर आधारित है। साई पल्लवी की मासूमियत और सुंदर दृश्यों के बावजूद जुनैद खान के साथ उनकी फीकी केमिस्ट्री और कमजोर लेखन फिल्म को बेजान बना देता है।

फिल्म रिव्यू: एक दिन
शैली: रोमांटिक ड्रामा

बॉलीवुड में प्रेम कहानियों का कोई एक तय फॉर्मूला नहीं होता। कभी संगीत जादू चला देता है तो कभी किरदारों की गहराई दर्शकों के दिलों को छू लेती है। निर्देशक सुनील पांडे की फिल्म 'एक दिन' इसी जादुई खिंचाव को पकड़ने की कोशिश करती है, लेकिन अफसोस कि यह कोशिश केवल बर्फीले पहाड़ों और खूबसूरत नजारों तक ही सिमट कर रह जाती है। जुनैद खान और साई पल्लवी जैसे कलाकारों को साथ लाने वाली यह फिल्म एक दिलचस्प विचार से शुरू तो होती है पर अंत तक आते-आते अपनी ही उलझनों में दम तोड़ देती है।

एक पुराना फॉर्मूला, नए कलेवर में

फिल्म की कहानी 'दिनेश' (जुनैद खान) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो नोएडा की एक आईटी कंपनी में काम करने वाला एक सीधा-साधा, अंतर्मुखी और खुद को 'अदृश्य' मानने वाला युवक है। वह अपनी सहकर्मी 'मीरा' (साई पल्लवी) से एकतरफा और खामोश मोहब्बत

करता है। कहानी में मोड़ तब आता है जब ऑफिस की पूरी टीम एक 'ऑफसाइट' ट्रिप के लिए जापान जाती है। जापान जाने की वजह भी काफी फिल्मी है, मीरा को जापानी संस्कृति और वहां की बर्फीली वादियों से बेहद लगाव है।

वहां मीरा का सामना एक भावनात्मक टूटन से होता है, जिसके बाद एक हादसे में उसे ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया नाम की बीमारी का पता चलता है। यह एक ऐसी स्थिति है जहां इंसान की याददाश्त एक खास हिस्से के बाद धुंधली हो जाती है और वह अगले दिन कुछ भी नया याद नहीं रख पाता। दिनेश, जिसे मीरा कभी नोटिस भी नहीं करती थी, जापानी देवताओं से प्रार्थना करता है कि काश मीरा बस एक दिन के लिए उसे प्यार कर ले। उसकी दुआ कुबूल होती है, लेकिन एक शर्त के साथ अगली सुबह मीरा को इस 'एक दिन' का कुछ भी याद नहीं रहेगा।

पटकथा के स्तर पर यह विचार 2000 के दशक के उन धारावाहिकों की याद दिलाता है जहां परिस्थितियां बहुत बनावटी लगती थीं। 2026 के दौर में जब दर्शक तार्किक और परिपक्व कहानियों की मांग कर रहे हैं, 'एक दिन' की कहानी काफी कमजोर और घिसी-पिटी महसूस होती है।

अभिनय

अभिनय की बात करें तो साई पल्लवी अपनी इस हिंदी डेब्यू फिल्म में भी ईमानदारी दिखाती हैं। उनके चेहरे की मासूमियत और खामोश पलों में उनकी संवेदनशीलता फिल्म के सबसे मजबूत पहलुओं में से एक है। वह मीरा के किरदार में जान फूंकने की पूरी कोशिश करती हैं, लेकिन पटकथा उन्हें एक स्वतंत्र महिला के बजाय एक लाचार किरदार के रूप में अधिक पेश करती है।

वहीं जुनैद खान ने अपनी पिछली परफॉर्मेंस की तुलना में खुद को काफी नियंत्रित रखा है। दिनेश के रूप में उनकी सादगी दिखती है, लेकिन एक अभिनेता के तौर पर उनमें वह 'स्क्रीन प्रेजेंस' अभी भी नदारद है जो दर्शक को बांधे रख सके। फिल्म की सबसे बड़ी कमजोरी जुनैद और साई पल्लवी के बीच केमिस्ट्री का अभाव है। पूरी फिल्म में ऐसा एक भी पल नहीं आता जहां दर्शक को लगे कि ये दोनों एक-दूसरे के प्यार में हैं।

निर्देशन और तकनीकी पक्ष

सुनील पांडे का निर्देशन तकनीकी रूप से तो सक्षम है, लेकिन भावनात्मक रूप से फिल्म फीकी रह गई है। उन्होंने जापान की खूबसूरती को पर्दे पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सिनेमैटोग्राफी इस फिल्म का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट है। होक्काइडो की बर्फ से ढकी सड़कें, सॉफ्ट विंटर लाइट और पोस्टकार्ड जैसे फ्रेम आपको फिल्म देखने के बजाय जापान की टिकट बुक करने के लिए अधिक प्रेरित करेंगे। विजुअली यह फिल्म एक शानदार 'ट्रैवल वाउचर' जैसी लगती है।

संगीत की बात करें तो अरिजीत सिंह का एक गाना है, जो सुनने में मधुर है लेकिन फिल्म खत्म होते ही आप उसे भूल जाते हैं। एडिटिंग भी कुछ खास प्रभावी नहीं है, फिल्म की गति कई जगह इतनी धीमी हो जाती है कि यह दर्शकों के धैर्य की परीक्षा लेने लगती है। रिलीज की टाइमिंग भी फिल्म के खिलाफ जाती है; यह अप्रैल की तपिश के बजाय सर्दियों या वैलेंटाइन डे के मौके पर अधिक प्रासंगिक लग सकती थी।

निर्देशकीय विजन

फिल्म थाई फिल्म 'वन डे' की आधिकारिक रीमेक है, लेकिन रीमेक बनाते समय इसे भारतीय संवेदनाओं के साथ उस तरह नहीं जोड़ा गया कि यह मौलिक लगे। निर्देशक ने दिनेश को 'लाइकएबल नर्ड' (एक प्यारा किताबी कीड़ा) बनाने की कोशिश की, लेकिन वह एक ऐसा पात्र बनकर रह गया जो अपनी ही दुनिया में खोया हुआ है।

वर्डिक्ट : 'एक दिन' एक ऐसी फिल्म है जिसमें नियत तो साफ है, लेकिन नतीजे संतोषजनक नहीं हैं। यह बॉलीवुड को उसी पुरानी 'क्लीन रोमांस' वाली शैली में वापस ले जाने की कोशिश करती है, जो आज के हिंसक और डार्क कंटेंट के बीच एक राहत की बात हो सकती थी पर इस कोशिश में 'रूह' गायब है। खूबसूरत जापान, साई पल्लवी की मुस्कान और अच्छी सिनेमैटोग्राफी के बावजूद फिल्म अपनी सुस्त रफ्तार और मुख्य जोड़ी के बीच ठंडी केमिस्ट्री के कारण डूब जाती है।

मनीषा रानी से शादी करना चाहता है ये एक्टर इस शर्त पर करेगा प्रपोज; वर्ना रहेगा दोस्त

'द 50' की कंटेस्टेंट मनीषा रानी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों रहती हैं। इस बार वह अगल वजहों से चर्चा में हैं। मामला उनकी शादी से जुड़ा है। एक एक्टर उनसे शादी करना चाहता है। उन्होंने उनके लिए अपनी भावनाएं भी जाहिर की हैं। यह एक्टर कोई और नहीं बल्कि उनके साथ 'द 50' में कंटेस्टेंट रहे सिद्धार्थ भारद्वाज हैं।

सिद्धार्थ ने जाहिर की भावनाएं

हाल ही में एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ ने मनीषा के लिए अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। सिद्धार्थ ने मनीषा के लिए अपने प्यार का इजहार भी किया है। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में सिद्धार्थ भारद्वाज ने कहा 'मनीषा रानी बहुत अच्छी लड़की हैं, फिर भी वह मुझसे डरती हैं। उनके दिल में मेरे लिए प्यार है। उन्होंने मेरे लिए आंसू बहाए हैं, जिससे पता चलता है कि उन्हें मेरी परवाह है। वह यह भी समझती हैं कि मैं आजादी में विश्वास रखता हूं। उन्हें पहले भी प्यार में धोखा मिला है, और मुझे भी। मुझे पता है कि उनके दिल में मेरे लिए रोमांटिक भावनाएं हैं। मेरे दिल में भी उसके लिए वैसी ही भावनाएं हैं।'

शादी के लिए प्रपोज करेंगे सिद्धार्थ

एक्टर ने आगे कहा, 'मुझे डर है कि अगर मैं उनके साथ रोमांटिक रिश्ते में आ गया और उन्हें दुख पहुंचाया, तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा। वह बहुत जिंदादिल और सच्ची लड़की हैं। अगर मैं उनके साथ रोमांटिक रिश्ते में आया, तो मैं उन्हें शादी के लिए प्रपोज करूंगा। वह इस बात को समझती हैं। इसीलिए उनके जैसी लड़कियां मुझे पसंद करती हैं। उन्हें एहसास होता है कि भले ही मैं दूसरों को बुरा लगूं, लेकिन मेरा दिल बहुत अच्छा है।'

शादी न हुई तो रहेगा ये रिश्ता

उन्होंने आगे कहा 'अगर हमारी भावनाएं एक जैसी होंगी, तो हम आधिकारिक तौर पर कपल बन जाएंगे। अगर नहीं होंगी, तो हम दोस्त बने रहेंगे। मैं उनकी शादी में जरूर जाऊंगा'।

मनीषा के मन में क्या है?

मनीषा ने अभी तक सिद्धार्थ के लिए अपनी भावनाएं जाहिर नहीं की हैं। 'द 50' खत्म होने के बाद से, वह लगातार यही कहती रही हैं कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

मछली भोज, शाह की स्ट्रैटजी से बंगाल में बीजेपी की बल्ले-बल्ले

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद हुए ज्यादातर एग्जिट पोल में बीजेपी की सरकार बनती दिख रही है। 7 में से 5 बड़ी एजेंसियों के सर्वे बीजेपी को बहुमत से ज्यादा सीटें दे रहे हैं। नतीजे 4 मई यानी कल आएंगे। बंगाल चुनाव में बीजेपी को हिंदू वोटर्स से सबसे बड़ी उम्मीद है। इसी वोट बैंक के दम पर बीजेपी 2016 में 3 सीटों से 2021 में 77 सीटों तक पहुंची थी। 2026 चुनाव में भी हिंदुओं को अपने पाले में करने के लिए बीजेपी ने कई बड़े कदम उठाए, जिनमें से ज्यादातर कामयाब होते दिख रहे हैं...

'फिश पॉलिटिक्स' ही चुनावी हथियार बना

29 मार्च को ममता बनर्जी ने पुरुलिया में चुनावी सभा में कहा- अगर बीजेपी सत्ता में आई, तो वे (बीजेपी) मछली, मांस और अंडा नहीं खाने देंगे। बीजेपी शाकाहारी संस्कृति' वाली पार्टी है। वह 'माछे-भाते बंगाली' (मछली और चावल खाने वाला बंगाली) की पहचान को खत्म कर देगी।

बीजेपी ने इसे काउंटर करने के लिए खुद को 'शाकाहारी हिंदुत्व' से अलग कर 'शाक्त हिंदुत्व' के करीब बताकर पेश किया। अनुराग ठाकुर, मनोज तिवारी जैसे बड़े भाजपा नेताओं ने मछली खाई। कुछ बीजेपी उम्मीदवारों ने मछली के साथ जुलूस भी निकाला।

दरअसल, उत्तर भारत में हिंदुत्व अक्सर शाकाहार और सात्विकता से जुड़ा होता है, लेकिन बंगाल में 'शाक्त परंपरा' (शक्ति की पूजा) सर्वोपरि है, जहां मछली को 'महाप्रसाद' माना जाता है। बीजेपी ने संदेश दिया कि उनका हिंदुत्व बंगाल की मिट्टी और थाली के अनुकूल है। 'मछली-भात' हर बंगाली का हक है, चाहे वह किसी भी पार्टी को वोट दे।

'काबा' बनाम 'मां काली' का नैरेटिव बनाया

टीएमसी सांसद सयानी घोष ने मुस्लिम बहुल इलाकों में रैलियों के दौरान 'मेरे दिल में है काबा, और मेरी आंखों में मदीना' गीत गाया। जिसका वीडियो खूब वायरल हुआ। अमित शाह और योगी आदित्यनाथ जैसे बीजेपी नेताओं ने इसे 'काली बनाम काबा' की लड़ाई के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि टीएमसी के दिल में काबा-मदीना हो सकता है, लेकिन बंगाल के दिल में केवल मां काली और मां दुर्गा बसती हैं। हिंदी प्रदेशों में जय श्री राम का नारा देने वाली बीजेपी ने बंगाल में जानबूझकर 'जय मां काली' के नारे को मजबूती से जोड़ा। ताकि वो बंगाली परंपराओं में शामिल दिखे। बीजेपी ने तर्क दिया कि 'बंगाली अस्मिता' की बात करने वाली ममता बनर्जी की पार्टी दरअसल 'अरबी पहचान' यानी काबा-मदीना को बंगाल पर थोप रही है।

ममता बनर्जी लगातार 15 सालों से बंगाल की सीएम हैं। उन्हें सत्ता में बनाए रखने में महिला वोट-बैंक की बड़ी भूमिका रही, जिससे ममता ने लगातार मजबूत किया था। बीजेपी ने ममता के इस बडे. वोट-बैंक में सेंध लगाने के लिए पूरा जोर लगा दिया...

महिला वोटर्स के लिए दोगुना कैश

बंगाल की महिलाओं के लिए ममता बनर्जी लक्ष्मीर भंडार योजना चलाती हैं, जिसमें महिलाओं को 1000 रुपए मिलते थे। ममता ने चुनाव से पहले फरवरी में योजना की राशि 500 रुपए बढ़ा दी। जिसका 2.4 करोड़ महिलाओं को फायदा मिल रहा है। बीजेपी ने ऐलान किया है कि सत्ता में आते ही वे महिलाओं को हर महीने 3 हजार रुपए की मदद देंगे। यानी ममता की योजना से दोगुना पैसा। इसके अलावा सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा और सरकारी नौकरियों में 33% आरक्षण देने का वादा किया है।

चुनाव से ठीक पहले केंद्र सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया। इसमें महिला आरक्षण को जल्दी लागू करने के लिए 3 विधेयक लाए गए।

विपक्ष ने विरोध किया और बिल पास नहीं हो सके। बीजेपी ने इसे अपनी रैलियों में इस तरह पेश किया कि वे महिलाओं को 'सत्ता में 33% हिस्सेदारी' दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेस, टीएमसी समेत पूरा विपक्ष विरोध कर रहा है। इसने ममता बनर्जी के उस नैरेटिव को कमजोर किया कि बीजेपी महिला विरोधी या पुरुष-प्रधान पार्टी है।

आजादी बनाम पाबंदी

14 अप्रैल को पनिहाटी की रैली में पीएम मोदी ने वादा किया कि बीजेपी सरकार आने पर बंगाल की माताओं-बहनों को रात 2 बजे भी घर से निकलने में डर नहीं लगेगा। यह ममता बनर्जी के 12 अक्टूबर 2025 को दिए गए बयान पर सीधा हमला था, जिसमें उन्होंने महिलाओं को रात में बाहर न निकलने की सलाह दी थी। बीजेपी ने इसे 'आजादी बनाम पाबंदी' की लड़ाई बना दिया।

संदेशखाली, आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाओं ने ममता सरकार की 'महिला सुरक्षा' वाली छवि को प्रभावित किया। बीजेपी ने केवल विरोध प्रदर्शन नहीं किया, बल्कि संदेशखाली आंदोलन का चेहरा बनीं रेखा पात्रा को हिंगलगंज सीट और आरजी कर रेप केस में पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ को पनिहाटी सीट से टिकट दिया।

पश्चिम बंगाल में कुल रजिस्टर्ड वोटर्स की संख्या 7.66 करोड़ थी। चुनाव से पहले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी SIR हुआ, जिसमें 91 लाख वोटर्स के नाम हटाए गए। अब वोटर्स की संख्या घटकर 6.75 करोड़ रह गई, यानी 11.8% की कमी। इससे बीजेपी को फायदा हो सकता है...। 2021 के बंगाल चुनाव में 140 से अधिक सीटों पर जीत का अंतर 1000 से 5000 के बीच था। कई सीटों पर इस अंतर से ज्यादा वोट कट गए हैं। सबसे ज्यादा नाम मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों से कटे हैं, जो मुस्लिम बहुल हैं और टीएमसी के मजबूत गढ़ माने जाते हैं। बीजेपी ने वोटर लिस्ट से हटाए गए करीब 91 लाख नामों को 'अवैध घुसपैठियों' और 'ब्लैक वोट्स' के रूप में पेश किया। बीजेपी ने यह तर्क दिया कि यह प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सीमा पार से आए घुसपैठियों को हटाने का 'शुद्धिकरण अभियान' है, जिन्हें टीएमसी ने अपना वोट बैंक बनाने के लिए संरक्षण दिया था। बीजेपी ने सीमावर्ती जिलों (जैसे मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर 24 परगना) का डेटा पेश करते हुए दावा किया कि यहां हिंदुओं की संख्या कम हो रही है, क्योंकि टीएमसी अवैध प्रवासियों को जमीन और नागरिकता दे रही है।

2011 के बाद लगातार 15 सालों से टीएमसी सत्ता पर काबिज है और ममता बनर्जी सीएम हैं। टीएमसी के नेताओं पर राशन घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला जैसे भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। टीएमसी ने 74 विधायकों के टिकट काटकर अपनी छवि सुधारने की कोशिश की, लेकिन बीजेपी का तर्क है कि 'अगर विधायक सही थे तो टिकट क्यों कटा? और अगर गलत थे तो 15 साल उन्हें संरक्षण क्यों दिया?' अगर बीजेपी 15 साल की एंटी-इनकम्बेंसी के कारण टीएमसी के वोट शेयर में केवल 3-5% की भी सेंध लगा देती है, तो वह भारी बढ़त ले लेगी। लाखों युवा वोटर्स ने केवल ममता बनर्जी का शासन देखा है। डिजिटल युग का यह युवा 'लक्ष्मीर भंडार' जैसी छोटी योजनाओं से आगे बढ़कर 'रोजगार' और 'इंडस्ट्रियलाइजेशन' की बात कर रहा है। बीजेपी का 'डबल इंजन' और 'सोनार बांग्ला' का नैरेटिव इस युवा वर्ग को यह यकीन दिलाने में सफल हो सकता है कि 15 साल का ठहराव अब बदलाव मांग रहा है। 2021 की हार से सबक लेते हुए बीजेपी ने 2026 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने 'बूथ जीतने' पर फोकस बढ़ाया। बंगाल में बीजेपी की नई रणनीति के 5 हाइलाइट्स हैं...

अमित शाह का '3 एएम' ब्लू-प्रिंटः अमित शाह ने चुनावी रैलियां और रोड शो के साथ करीब 15 दिन बंगाल में कैंप किया। शाह ने चुनाव से ठीक पहले कोलकाता में रात 3 बजे तक मैराथन बैठकें कीं। टीम के साथ सभी 80,719 पोलिंग स्टेशनों का डेटा एनालिसिस किया। बूथों को तीन श्रेणियों में बांटा गया- मजबूत, मध्यम और कमजोर। मध्यम वे बूथ थे, जहां 2021 में हार-जीत का अंतर बहुत कम था, और पूरी ताकत वहीं झोंक दी गई।

'पन्ना प्रमुख' और 'मैन-टू-मैन' मार्किंगः बीजेपी ने यूपी वाला सफल मॉडल बंगाल में उतारा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव जैसे दिग्गजों को माइक्रो-मैनेजमेंट के लिए तैनात किया गया। 'पन्ना प्रमुख' सिस्टम लागू किया गया, जहां एक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी 30-60 वोटर्स की थी। इनका काम सिर्फ प्रचार नहीं, बल्कि पोलिंग के दिन एक-एक वोटर को घर से निकालकर बूथ तक लाना था। इसे बीजेपी ने 'मैन टू मैन मार्केटिंग ' का नाम दिया।

'कोर ग्रुप' और स्थानीय चेहरों पर भरोसाः 2021 में बीजेपी पर 'बाहरी' नेताओं को थोपने का आरोप लगा था। 2026 में पार्टी ने इसे पूरी तरह बदल दिया। एक 'कोर ग्रुप' बनाया गया, जिसमें बंगाल के ही नेताओं को फ्रंट पर रखा गया। इस बार बीजेपी ने टीएमसी से आए नेताओं को थोक में टिकट देने के बजाय अपने जमीनी और पुराने कार्यकर्ताओं पर भरोसा जताया। मोदी और शाह ने घोषणा की- बीजेपी का सीएम बंगाल की मिट्टी का ही बेटा होगा।' इससे बीजेपी से 'बाहरी' वाला टैग भी हट गया।

व्यक्तिगत हमले बंद, व्यवस्था पर प्रहारः पिछली बार 'दीदी-ओ-दीदी' जैसे नारों से ममता बनर्जी को 'सहानुभूति' मिली थी। इस बार बीजेपी ने ममता बनर्जी पर व्यक्तिगत हमले लगभग बंद कर दिए। इस बार उन्होंने टीएमसी के सेकंड-इन-कमांड (अभिषेक बनर्जी) और 'सिंडिकेट राज' को निशाना बनाया।

सुरक्षा कागजों में और मौत हकीकत में

आर के जैन

जबलपुर, मध्यप्रदेश स्थित बरगी डैम पर 30 अप्रैल 2026 की शाम घटित क्रूज हादसा नर्मदा के शांत जल पर पसरी सामान्यता को अचानक भयावह त्रासदी में बदल गया। सैर-सपाटे और आनंद के बीच अचानक आए तेज तूफान ने क्रूज को पलट दिया, जिससे कई पर्यटक गहरे संकट में फंस गए। इस दुखद घटना में अब तक नौ लोगों की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जबकि कुछ लोग अब भी लापता हैं। एक मां और उसके चार वर्षीय पुत्र का एक साथ मिला शव इस हादसे की मार्मिकता को और अधिक पीड़ादायक बना देता है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि यह दुर्घटना केवल मौसम की मार नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्थाओं में गंभीर चूक का परिणाम है।

यात्रा शुरू होते ही सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियाँ सामने आने लगीं। लगभग 40 यात्रियों से भरा क्रूज आगे बढ़ते ही अचानक बदलते मौसम की चपेट में आ गया। सर्वाइवर्स के अनुसार तेज हवा शुरू होते ही उन्होंने बार-बार क्रूज को किनारे लौटाने की अपील की, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। सबसे बड़ी चूक यह रही कि लाइफ जैकेट पहले से उपलब्ध नहीं कराई गईं और संकट बढ़ने पर ही जल्दबाजी में बांटी गईं, जिससे अव्यवस्था फैल गई और कई लोग उन्हें ठीक से पहन भी नहीं सके। कुछ जैकेट्स की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। सर्वाइवर्स के अनुसार, आपात स्थिति में क्रू स्टाफ ने उचित मार्गदर्शन देने के बजाय पर्याप्त मदद नहीं की। कुछ सर्वाइवर्स और रिपोर्ट्स में ओवरलोडिंग के कारण क्रूज का संतुलन कमजोर होने का संदेह जताया जा रहा है। यह दुर्घटना पर्यावरणीय नियमों की गंभीर अवहेलना को उजागर करती है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने नर्मदा जैसे संवेदनशील जल क्षेत्रों में डीजल चालित क्रूज और नावों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे उच्चतम न्यायालय ने भी बरकरार रखा, फिर भी बरगी डैम में इन नियमों की अनदेखी कर संचालन जारी रहा। इससे जल प्रदूषण बढ़ा, पारिस्थितिक संतुलन और यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ी। मौसम विभाग की तेज आंधी और तेज हवाओं (60-70 किमी प्रति घंटे) की चेतावनी के बावजूद इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। क्रूज को समय रहते रोका नहीं गया और न ही सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। साथ ही, रियल-टाइम मौसम अलर्ट और प्रभावी आपातकालीन व्यवस्था का अभाव इस त्रासदी को और भयावह बना गया।

लगातार दोहराई जा रही ये घटनाएं साफ दिखाती हैं कि चेतावनियों के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है। देश के पहाड़ी झीलों, समुद्री तटों और बांध क्षेत्रों में नाव दुर्घटनाएं बार-बार ओवरलोडिंग, लाइफ जैकेट की कमी, अप्रशिक्षित क्रू और मौसम चेतावनियों की अनदेखी के कारण होती रही हैं। बरगी हादसे में भी शुरुआती बचाव स्थानीय मछुआरों और लोगों ने किया, जबकि एसडीआरएफ और राहत दल देर से पहुंचे।

तबाही का इंतजाम- बारूद के ढेर पर खड़ी है दुनिया

मनोज अग्रवाल

क्या दुनिया बारूद के ढेर पर खड़ी हो गई है? क्या तमाम विज्ञान की तरक्की तबाही का सामान जुटाने के लिए है? अब तो दुनिया के ताकतवर देशों ने कथित सामरिक संतुलन की आड़ में परमाणु हथियारों समेत इतना जखीरा जुटा लिया है कि दुनिया का तीन बार खात्मा करने के लिए पर्याप्त है। यह समूची मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आखिर इंसान तरक्की के नाम पर हथियार और विनाश की दौड़ क्यों लगा रहा है? क्या दुनिया का भविष्य परमाणु हथियारों के साए में गिरवीं रखा जा रहा है? फिर सभ्यता संस्कृति मानवीयता इंसानियत शांति और सहयोग की बात महज बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर महज बेमानी से अधिक कुछ नही है?

वर्तमान में वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और संघर्षों के कारण परमाणु युद्ध का खतरा शीत युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुँच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में इजरायल-ईरान तनाव , और चीन-अमेरिका के बीच सामंती होड़ ने दुनिया को एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा कर दिया है।रूस द्वारा अपनी रणनीतिक परमाणु ताकतों को उच्च सतर्कता पर रखना और पश्चिमी देशों को परमाणु धमकी देना इस खतरे का मुख्य कारण है।

उधर इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष जैसे 2026 में डिमोना परमाणु केंद्र के पास मिसाइल हमला ने सीधे परमाणु टकराव की आशंकाओं को जन्म दिया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, एक खतरनाक नई परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो गई है, क्योंकि पारंपरिक शस्त्र नियंत्रण संधियां कमजोर हो रही हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष और उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम भी परमाणु तनाव को बढ़ाते हैं। दुनिया में न्यूक्लियर हथियारों के फैलाव और आधुनिकीकरण में खतरनाक हद तक बढ़ौतरी हो रही है तथा इसके लिए विभिन्न देशों द्वारा नई रणनीति बनाई जा रही है। अमरीका और रूस के बीच 50 वर्ष पूर्व न्यूक्लियर हथियारों के परिसीमन और उन्हें समाप्त करने सम्बन्धी की गई संधि, जिसे 'न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी' (न्यू स्टार्ट) कहा जाता है, 2021 में 5 वर्ष के लिए बढ़ाने के बाद अब 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी है तथा इसे आगे बढ़ाने की दिशा में कोई बात नहीं की जा रही। हालांकि, यह संधि किए जाने के बाद काफी न्यूक्लियर हथियार समाप्त कर दिए गए थे, परंतु अब नए हालात में अमरीका और रूस भी और न्यूक्लियर बम बनाना चाहते हैं, सऊदी अरब और तुर्की भी इसके लिए इच्छुक हैं तथा यूरोप में भी अब यह अहसास बढ़ रहा है कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए और न्यूक्लियर हथियार बनाने चाहिएं। यह बात ध्यान देने योग्य है कि अमरीका अपनी लम्बी दूरी की मिसाइल परीक्षण प्रणाली पर अरबों डॉलर रकम खर्च कर चुका है परंतु इसके बावजूद उसे टिकाऊ सुरक्षा प्राप्त नहीं हो सकी और अभी तक अमरीका हथियारों के निर्माण और फिर उन्हें समाप्त करने पर करदाताओं के 10 ट्रिलियन डॉलर खर्च कर चुका है। यह इतनी रकम है कि इससे गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट का ज्यादातर हिस्सा खरीदा जा सकता था।

आपको बता दें इस समय स्थिति यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प के अंतर्गत अमरीका कोई संधि नहीं करना चाहता और यह बात तो रूस के अनुकूल ही है कि वह न्यूक्लियर हथियार बनाए। परंतु इसमें हानि किसकी है? इसमें हानि सारी दुनिया की है कि इतना धन खर्च करके न्यूक्लियर हथियार बनाने के बाद जिस स्थान पर उनका परीक्षण किया जाएगा, उस स्थान और उसके आसपास के लोगों का भारी नुकसान होगा।दरअसल पिछली बार रूस ने जहां न्यूक्लियर हथियारों का परीक्षण किया था, उसके आसपास रहने वाले लोगों को वैसी ही समस्याओं से जूझना पड़ा था, जैसी समस्याओं और बीमारियों का सामना चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र में लीकेज के समय लोगों को करना पड़ा था।

यदि कोई देश ऐसा करने के लिए भड़क उठे तो यही समस्याएं पैदा होंगी। कोल्ड वॉर के बाद अब पहली बार देश अपने हथियारों का जखीरा और इस्तेमाल के लिए तैयार वॉरहेड बढ़ा रहे हैं। 2026 की शुरुआत तक 9 न्यूक्लियर हथियार वाले देशों के पास लगभग 12,187 वॉरहेड थे और इनकी बढ़ती संख्या को हाई अलर्ट पर रखा गया है।एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में कुल परमाणु हथियारों का जखीरा लगभग 12,100 से 12,300 के बीच है।इन हथियारों का वितरण और वर्तमान स्थिति इस प्रकार है दुनिया के लगभग 90% परमाणु हथियार केवल दो देशों - रूस लगभग 5,500 और अमेरिका लगभग 5,000 के पास हैं।अन्य देशः चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, पाकिस्तान, भारत, इज़राइल और उत्तर कोरिया के पास शेष 10% हथियार हैं। चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है, जिसके 2030 तक 1,000 से अधिक होने का अनुमान है। 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास लगभग 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों की कुल संख्या में कमी आ रही है क्योंकि रूस-अमेरिका पुराने हथियार नष्ट कर रहे हैं, लेकिन परिचालन में तैनात हथियारों की संख्या बढ़ रही है।

अमेरिका का विकास भारत के हाथों में

आखिर ट्रंप किस मुंह से भारत को 'नर्क' कहते हैं? सिलिकॉन वैली से अस्पतालों तकः भारतीयों के योगदान पर टिका अमेरिका का भविष्य

हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत को 'नर्क' जैसे शब्दों से संबोधित करने वाला बयान चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब वैश्विक राजनीति में इस तरह के बयान सामने आए हों, लेकिन इस बार सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि अमेरिका की अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था, तकनीकी विकास और वैज्ञानिक प्रगति में भारतीय मूल के लोगों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि आखिर अमेरिका किस हद तक भारतीय प्रतिभा पर निर्भर है और वहां रहने वाले भारतीयों की स्थिति इस समय कैसी है। अमेरिका में आज करीब 52 लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग रहते हैं। कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस द्वारा कराए गए इंडियन अमेरिकन एटिट्यूड्स सर्वे के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी कभी न कभी अमेरिका छोड़ने का विचार करते हैं। यह आंकड़ा केवल एक भावना नहीं, बल्कि वहां की बदलती सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों की ओर संकेत करता है। यही नहीं, 58 प्रतिशत भारतीय मूल के लोगों ने वहां की राजनीति को लेकर असंतोष जताया है और 71 प्रतिशत लोगों को ट्रंप का कामकाज पसंद नहीं आया। इससे स्पष्ट है कि भारतीय समुदाय अमेरिका में रह तो रहा है, लेकिन वह पूरी तरह सहज महसूस नहीं कर रहा।

इसके बावजूद यह भी एक सच्चाई है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था और विकास में भारतीय मूल के लोगों का योगदान लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी आबादी में भारतीयों की हिस्सेदारी भले ही लगभग 1.5 प्रतिशत हो, लेकिन टैक्स से होने वाली आय में उनका योगदान लगभग 6 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि भारतीय समुदाय न केवल आर्थिक रूप से सक्षम है, बल्कि अमेरिका की वित्तीय व्यवस्था को मजबूती देने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भारतीय मूल के डॉक्टरों की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। अमेरिका में लगभग 10 लाख डॉक्टरों में से करीब 60 हजार भारतीय मूल के हैं। यानी कुल डॉक्टरों में लगभग 8.5 से 9 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीयों की है। कोविड-19 महामारी के दौरान इन डॉक्टरों ने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर सेवा दी और स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ग्रामीण इलाकों और कठिन परिस्थितियों में सेवा देने वाले डॉक्टरों में भी बड़ी संख्या भारतीय मूल के पेशेवरों की है, जो अमेरिका के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करते हैं।

नर्सिंग और हेल्थकेयर के अन्य क्षेत्रों में भी भारतीयों की उपस्थिति मजबूत है। अमेरिका के अस्पतालों, ओल्ड एज होम्स और इमरजेंसी सेवाओं में हजारों भारतीय मूल के लोग कार्यरत हैं। इसके अलावा मेडिकल कॉलेजों में भी भारतीय मूल के प्रोफेसर, डीन और रिसर्च साइंटिस्ट बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह स्पष्ट करता है कि अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था भारतीय प्रतिभा के बिना अधूरी है।

वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में भी भारतीयों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। 21वीं सदी को ज्ञान और तकनीक की सदी कहा जाता है और इस क्षेत्र में भारतीयों की भागीदारी अमेरिका के लिए एक बड़ी ताकत बनकर उभरी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलॉजी और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में भारतीय वैज्ञानिक और इंजीनियर अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिका के कुल वैज्ञानिकों में करीब 10 से 12 प्रतिशत भारतीय मूल के हैं और हर साल बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों का चयन वहां की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थाओं में होता है।

अमेरिका की प्रमुख टेक कंपनियों में भी भारतीय मूल के लोगों का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। वहां की यूनिवर्सिटियों में लगभग 22 हजार भारतीय मूल के प्रोफेसर कार्यरत हैं। कई भारतीय मूल के वैज्ञानिक विश्वविद्यालयों के डीन और रिसर्च डायरेक्टर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य कर रहे हैं। विदेशी छात्रों में भी भारतीय छात्रों की संख्या सबसे अधिक है, जो यह दर्शाती है कि अमेरिका की उच्च शिक्षा प्रणाली भारतीय प्रतिभा से समृद्ध हो रही है। रणनीतिक और नीतिगत स्तर पर भी भारतीय मूल के लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले कई भारतीय मूल के विशेषज्ञ नीति निर्माण, शोध और प्रशासनिक निर्णयों में योगदान दे रहे हैं। उनकी विशेषज्ञता अमेरिका को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बनाए रखने में सहायक बनती है। यही कारण है कि अमेरिकी प्रशासन भी भारतीय समुदाय को एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखता रहा है।

हालांकि हाल के वर्षों में बढ़ती महंगाई, सामाजिक असुरक्षा और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसे कारणों से भारतीय समुदाय के भीतर असंतोष बढ़ा है। IAAS सर्वे में शामिल 14 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे हमेशा अमेरिका छोड़ने के बारे में सोचते हैं, जबकि 26 प्रतिशत लोगों ने माना कि वे कभी-कभी ऐसा विचार करते हैं। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि यदि भारतीय प्रतिभा का प्रवाह कम होता है तो उसका सीधा असर वहां की अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास पर पड़ सकता है।

इस पूरे परिदृश्य में यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका और भारत का संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि प्रतिभा और सहयोग पर आधारित है। भारतीय मूल के लोगों ने अपनी मेहनत, शिक्षा और प्रतिबद्धता से अमेरिका को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी से पहले इस योगदान को याद रखना आवश्यक है।

आज जरूरत इस बात की है कि दोनों देशों के बीच पारस्परिक सम्मान और सहयोग की भावना को और मजबूत किया जाए। भारतीय प्रतिभा केवल भारत की ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की पूंजी है। अमेरिका यदि इस प्रतिभा को सम्मान देता है तो वह स्वयं भी अधिक मजबूत और समृद्ध बनेगा। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अमेरिका की प्रगति की कहानी में भारतीयों का योगदान एक मजबूत आधार स्तंभ की तरह मौजूद है।

'वैश्विक तनाव के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत'

आरबीआई गवर्नर ने चेताया बढ़ सकते हैं कर्ज और महंगाई

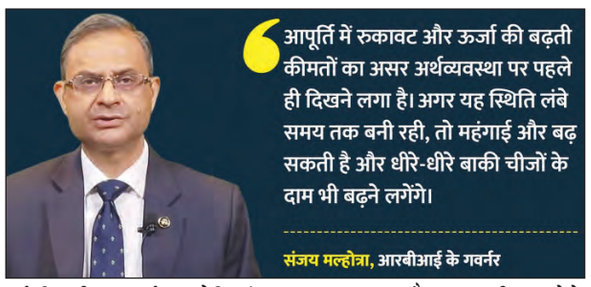

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत की मैक्रोइकोनॉमिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ता सार्वजनिक कर्ज और रक्षा खर्च वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में आयोजित एफआईएमएमडीए-पीडीएआई के 25वें वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए मल्होत्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत घरेलू खपत और लगातार सार्वजनिक निवेश का सहारा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर जोर से निजी निवेश को बढ़ावा मिला है और उत्पादन क्षमता का विस्तार हुआ है।

गवर्नर ने क्यों जताई चिंता?

गवर्नर ने वैश्विक स्तर पर जारी वित्तीय विस्तार और बढ़ते रक्षा खर्च को लेकर चिंता जताई।

उनके मुताबिक, इससे कई देशों की राजकोषीय स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। साथ ही, उन्होंने तकनीकी क्षेत्र समेत कुछ परिसंपत्ति वर्गों में ऊंचे मूल्यांकन को भी बाजार के लिए संभावित खतरा बताया। मल्होत्रा ने कहा कि सप्लाई चेन में व्यवधान और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का असर पहले ही आर्थिक गतिविधियों पर दिख रहा है।

उन्होंने चेताया कि अगर यह संकट लंबा खिंचता है, तो इसका असर महंगाई पर भी पड़ सकता है और सेकेंड-ऑर्डर महंगाई दबाव पैदा हो सकता है।

सेकेंड-ऑर्डर महंगाई क्या है?

सेकेंड-ऑर्डर महंगाई वह स्थिति है, जब किसी शुरुआती झटके जैसे ईंधन, खाद्य पदार्थ या कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर धीरे-धीरे पूरी अर्थव्यवस्था में फैलने लगता है। शुरुआत में महंगाई कुछ चुनिंदा वस्तुओं तक सीमित रहती है, लेकिन समय के साथ इसका प्रभाव अन्य क्षेत्रों पर भी पड़ने लगता है। उदाहरण के तौर पर, अगर पेट्रोल-डीजल महंगे होते हैं, तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इससे कंपनियों के लिए उत्पादन और सप्लाई करना महंगा हो जाता है। नतीजतन, वे अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ा देती हैं। इसी तरह, कर्मचारी भी बढ़ती महंगाई के कारण ज्यादा वेतन की मांग करते हैं, जिससे कंपनियों की लागत और बढ़ती है और फिर कीमतें और ऊपर चली जाती हैं।

भारतीय वित्तीय बाजारों की क्या है स्थिति?

मल्होत्रा ने यह भी कहा कि भारतीय वित्तीय बाजारों में पिछले वर्षों में नीतिगत सुधारों के कारण परिपक्वता आई है, लेकिन अभी और सुधार की जरूरत है। आरबीआई वित्तीय बाजारों को और गहरा करने, भागीदारी बढ़ाने और संस्थागत ढांचे को मजबूत करने के प्रयास जारी रखेगा।

नीतिगत फैसलों में डेटा की भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ट्रेड रिपॉजिटरी को डेटा की गुणवत्ता और उपलब्धता बेहतर करनी होगी ताकि जोखिमों का बेहतर आकलन किया जा सके।

आर्थिक वृद्धि का क्या है अनुमान?

भारत की आर्थिक वृद्धि पर बात करते हुए गवर्नर ने बताया कि 2021-25 के दौरान देश की औसत विकास दर 8.2% रही है। 2025-26 में 7.6% और 2026-27 में 6.9% की वृद्धि का अनुमान है। उन्होंने यह भी कहा कि कॉरपोरेट बैलेंस शीट्स मजबूत हुई हैं और पिछले दो वर्षों में पूंजी बाजारों के जरिए फंड जुटाने में भी तेजी आई है, जो अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त समर्थन दे रही है।

अमेरिका की इकनॉमी हिला देता है 'होर्मुज

'स्ट्रेट ऑफ ट्रंप' नाम देने से क्या कंट्रोल रहेंगी तेल की कीमतें?

नई दिल्ली,2 मई (एजेंसियां)। ईरान-अमेरिका/इजरायल युद्ध को दो महीने से ज्यादा का समय हो गया है। बड़ी टशन अमेरिका और ईरान के बीच सामने आई है। पिछले महीने अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी बंदरगाहों की पूर्ण नौसैनिक नाकेबंदी लागू की है। इससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। वहीं हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर होर्मुज का एक नक्शा शेयर किया था जिसमें उन्होंने इसे ' स्ट्रेट ऑफ ट्रंप ' नाम दिया है। दरअसल, अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए होर्मुज एक बड़ी चीज बन गया है।

क्यों महत्वपूर्ण है यह समुद्री मार्ग?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण चोक पॉइंट (रणनीतिक अवरोध बिंदु) है। दुनिया के कुल तेल और एलएनजी की खपत का लगभग 20% हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। प्रतिदिन लगभग 2 करोड़ बैरल कच्चा तेल इस मार्ग से निकलता है, जो वैश्विक ऊर्जा बाजार की लाइफलाइन है। इसके बंद होने से न केवल एशिया और यूरोप, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका की भी नींद उड़ गई है।

होर्मुज अमेरिका के लिए जरूरी क्यों?

होर्मुज के बंद होने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ जाती हैं। इसका असर अमेरिका पर भी पड़ता है। यही कारण है कि अमेरिका होर्मुज पर अपना कंट्रोल करना चाहता है और डोनाल्ड ट्रंप इसका नाम बदलकर अपने नाम पर 'स्ट्रेट ऑफ ट्रंप' करना चाहते हैं। अमेरिका भले ही खुद बड़ा तेल उत्पादक है, लेकिन वह वैश्विक कीमतों से जुड़ा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की आपूर्ति कम होते ही कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इसका सीधा असर अमेरिका में पेट्रोल-डीजल की कीमतों और परिवहन लागत पर पड़ता है। ईंधन महंगा होने से ट्रांसपोर्ट और उत्पादन लागत बढ़ती है। इसका असर अमेरिका में खाने-पीने और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर पड़ता है। इससे महंगाई बढ़ती है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दबाव आता है। बढ़ती लागत और अनिश्चितता से कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ता है। इससे शेयर बाजार में गिरावट आने का डर रहता है। ऐसा होने पर अमेरिकी विकास दर प्रभावित होती है। ऐसे में अमेरिका में आर्थिक मंदी का डर पैदा हो जाता है। अमेरिका में अगर महंगाई बढ़ती है तो इसे काबू करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ती हैं। इससे लोन महंगे हो जाते हैं। नतीजा अमेरिका में निवेश और खपत धीमी पड़ सकती है।

क्या ट्रंप करेंगे तेल पर कंट्रोल?

अगर ट्रंप होर्मुज पर कंट्रोल कर लेते हैं तो इससे वह तेल की कीमतों को भी कंट्रोल कर सकते हैं। अभी कच्चे तेल की कीमत आसमान छू रही है। यह 126 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई थी।

होर्मुज के ट्रंप के कंट्रोल में आने के तेल के जहाजों का आना-जाना फिर से शुरू हो सकता है, जिससे तेल की कीमतें गिर सकती हैं। इससे दुनिया में महंगा का खतरा टल सकता है। हालांकि इसमें भी अनिश्चितता है। इससे भू-राजनीतिक टकराव भी पैदा हो सकता है। भारत पर भी इसका असर दिखाई दे सकता है।

फूड डिलीवरी सेक्टर में उछाल

छोटे शहर बना रहे नई ग्रोथ की कहानी

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारत का ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेक्टर अब तेजी से बढ़ने के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। इन्वेस्टेक इक्विटीज़ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब इस सेक्टर की ग्रोथ सिर्फ नए यूजर्स जुड़ने से नहीं, बल्कि लोगों के बार-बार ऑर्डर करने और छोटे शहरों में बढ़ती पहुंच से तय होगी।'

2030 तक तीन गुना हो सकता है बाजार

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ऑनलाइन फूड डिलीवरी मार्केट 2024 में करीब 9.1 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी यह सेक्टर सालाना करीब 19% की दर से बढ़ेगा। डिजिटल इस्तेमाल और शहरीकरण इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं।

अभी भी कम है ऑनलाइन ऑर्डरिंग की हिस्सेदारी

भारत का कुल फूड सर्विस बाजार एफवाई20 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर एफवाई 25 में 7 लाख करोड़ रुपये हो गया है और एफवाई 30 तक 11-12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसके बावजूद ऑनलाइन और बाहर खाने की हिस्सेदारी अभी सिर्फ 13% है, जो अमेरिका और चीन जैसे देशों से काफी कम है।छोटे परिवार, लंबे वर्किंग ऑवर्स और शहरों की ओर पलायन जैसे कारण लोगों को ज्यादा बार बाहर खाना या ऑनलाइन ऑर्डर करने के लिए प्रेरित कर रहे है। खासकर युवाओं और कामकाजी वर्ग में यह ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है।

छोटे शहरों से आ रही नई ग्रोथ

मेट्रो और बड़े शहर अभी भी बाजार का 75-80% हिस्सा रखते हैं, लेकिन टियर-2 और छोटे शहरों का योगदान 20-25% तक पहुंच चुका है।

यही शहर अब इस सेक्टर की अगली ग्रोथ का बड़ा आधार बन रहे हैं।

ऑर्गनाइज्ड सेक्टर और टेक्नोलॉजी का असर

ब्रांडेड रेस्टोरेंट्स, क्लाउड किचन और बेहतर डिलीवरी नेटवर्क के चलते ऑर्गनाइज्ड सेक्टर का हिस्सा तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने से ऑर्डर करना और भी आसान हो गया है।

आगे और तेजी की उम्मीद

फिलहाल भारत में लोग महीने में औसतन 3-5 बार खाना ऑर्डर करते हैं, जबकि विकसित देशों में यह आंकड़ा ज्यादा है। ऐसे में आने वाले समय में ऑर्डर की संख्या और औसत खर्च दोनों बढ़ने की पूरी संभावना है। कम पहुंच, बढ़ती डिजिटल आदतें और छोटे शहरों की भागीदारी के चलते भारत का फूड डिलीवरी बाजार आने वाले वर्षों में दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ने वाले बाजारों में शामिल हो सकता है।

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख

सैकड़ों करोड़ की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

कैसे-कैसे हुई कार्रवाई?

यह कार्रवाई विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया।

देश के कई बैंकों के साथ धोखाधड़ी का आरोप

जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कर रहा था। अनुमान है कि इस मामले में सैकड़ों करोड़ रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया।

सीबीआई की जांच में क्या आया सामने?

सीबीआई की जांच में सामने आया है कि पारेख ने अन्य प्रमोटरों और निदेशकों के साथ मिलकर बैंक से लिए गए फंड को विदेशों में स्थित कंपनियों के जरिए डायवर्ट किया। इसके लिए फर्जी निर्यात गतिविधियों, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और बैंकिंग चैनलों के दुरुपयोग का सहारा लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ने यूएई सहित कई देशों में फैले अपने कारोबारी नेटवर्क का इस्तेमाल कर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच एजेंसियां अब उससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं।

सीबीआई, जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में कार्य करती है, 'भारतपोल' प्लेटफॉर्म के जरिए देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। इसी सहयोग का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है। यह ताजा कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है।

यशपाल सिंह को भी लाया गया भारत

वहीं वांछित आरोपी आलोक कुमार उर्फ यशपाल सिंह को संयुक्त अरब अमीरात से भारत लाया गया है।

सीबीआई के अनुसार, आरोपी हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज एक मामले में वांछित था, जिसमें धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट हासिल करने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि आलोक कुमार एक संगठित गिरोह का प्रमुख साजिशकर्ता था, जो फर्जी दस्तावेज और झूठी जानकारी के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाने का काम करता था। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले कई लोगों को फर्जी पहचान और पते के जरिए पासपोर्ट दिलाने में मदद की। मामले में आगे की जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

तालाबंदी, छंटनी, महंगाई: महंगे सिलेंडर ने पैदा किए कई बड़े खतरे, रेस्टोरेंट सेक्टर में मचा हड़कंप

नई दिल्ली,2 मई (एजेंसियां)। भारत में शुक्रवार को कमर्शियल एलपीजी (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में 933 रुपये की भारी बढ़ोतरी की गई है। इस एक फैसले ने देश के रेस्टोरेंट, ढाबों, कैटरर्स और क्लाउड किचन चलाने वाले छोटे उद्यमियों के बीच हड़कंप मचा दिया है। दिल्ली में अब एक कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 3071.50 रुपये हो गई है। सरकार के इस फैसले से तालाबंदी यानी दुकानें बंद होने से लेकर महंगाई और छंटनी तक की चिंताएं बढ़ा दी हैं।भारत की फूड इंडस्ट्री पहले ही अमेरिका-इरान युद्ध और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों से जूझ रही है। अब गैस की कीमतों में इस उछाल ने कई बड़े खतरे पैदा कर दिए हैं। विभिन्न उद्योग संगठनों का कहना है कि यह फैसला न केवल रेस्टोरेंट संचालकों के लिए बड़ी चोट है, बल्कि इससे देश में नौकरियों के जाने का संकट और भी गंभीर हो जाएगा।

बंद हो सकती हैं दुकानें

महंगाई बढ़ने से लोग बाहर खाना कम कर देंगे, जिससे मांग गिरेगी। वहीं गली-नुक्कड़ के ढाबों और छोटे कैटरर्स के लिए यह अतिरिक्त बोझ उठाना मुश्किल होगा, जिससे कई दुकानें अस्थायी रूप से बंद हो सकती हैं। ऐसे में सप्लाई चेन प्रभावित होगी और सब्जी विक्रेता, डेयरी वेंडर व ट्रांसपोर्टर्स का काम भी धीमा हो जाएगा।

छंटनी बढ़ने का खतरा

दुकानें बंद होने से लोगों के रोजगार पर भी असर पड़ेगा। इससे छंटनी बढ़ने का खतरा बढ़ जाएगा और बेरोजगारी की रफ्तार तेज होगी। असंगठित क्षेत्र, जो भारत के रोजगार का एक बड़ा हिस्सा है, इस झटके से सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इंडस्ट्री ने सरकार से इस बढ़ोतरी को तुरंत वापस लेने और एलपीजी की कीमतों को स्थिर करने की गुहार लगाई है ताकि इस क्षेत्र को 'सांस लेने की जगह' मिल सके।

क्या पीएनजी है एकमात्र समाधान?

सरकार और गैस कंपनियां अब व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सिलेंडर के बजाय पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। पीएनजी सिलेंडर के मुकाबले सस्ती, सुरक्षित और हफ्ते के सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध रहती है। इसमें स्टोरेज या रिफिलिंग का झंझट नहीं होता। हालांकि इसमें अभी भी कई चुनौतियां हैं। बड़े शहरों के बाहर अभी भी पाइपलाइन का बुनियादी ढांचा अधूरा है।

304 करोड़ के भारी घाटे से लगाई 1041 करोड़ के मुनाफे की छलांग, निवेशकों की होगी चांदी?

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में निवेश करने वालों की नजर हमेशा कंपनियों के वित्तीय नतीजों पर टिकी होती है, क्योंकि यही वो आंकड़े हैं जो किसी भी शेयर की दिशा तय करते हैं. इस बार जिंदल ग्रुप की दिग्गज कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील ने अपने निवेशकों को एक ऐसी शानदार खबर दी है, जिसने बाजार के जानकारों को भी चौंका दिया है. एक समय जो कंपनी भारी घाटे के बोझ तले दबी नजर आ रही थी, उसने मार्च 2026 की तिमाही में जबरदस्त वापसी करते हुए बंपर मुनाफा कमाया है.

कंपनी सीधे 304 करोड़ के नुकसान से उबरकर 1,041 करोड़ के शानदार कंसोलिडेटेड मुनाफे में आ गई है. इस जादुई आंकड़े के साथ ही कंपनी ने अपने शेयरधारकों के लिए 2 प्रति शेयर के लाभांश (डिविडेंड) का भी ऐलान कर दिया है. अब निवेशकों की निगाहें सीधे तौर पर सोमवार, 4 मई को खुलने वाले शेयर बाजार पर टिक गई हैं, जहां इस स्टॉक में तगड़ा एक्शन देखने को मिल सकता है. जिंदल ग्रुप की इस स्टील कंपनी के लिए बीती तिमाही किसी बड़ी कामयाबी से कम नहीं रही है. अगर हम कंपनी के बहीखातों पर गहराई से नजर डालें, तो पता चलता है कि रेवेन्यू में आई तेज रफ्तार ने इस मुनाफे की मजबूत नींव रखी है. कंपनी का नेट रेवेन्यू 24.36 फीसदी की शानदार उछाल के साथ 13,255 करोड़ से बढ़कर 16,484 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया. बात केवल रेवेन्यू की नहीं है, बल्कि ऑपरेशनल मोर्चे पर भी जेएसडब्ल्यू स्टील ने अपनी ताकत का लोहा मनवाया है. टैक्स चुकाने से पहले के मुनाफे को देखें, तो यह आंकड़ा रॉकेट की तरह भागा है. पिछले साल के मात्र 72 करोड़ के मुकाबले यह सीधे 1,074 करोड़ हो गया है. इसके अलावा, बढ़ती लागत की तमाम चुनौतियों के बावजूद कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 17.59% बढ़कर 2,647 करोड़ दर्ज किया गया, जो पहले 2,251 करोड़ था.केवल एक तिमाही ही नहीं, बल्कि पूरे वित्तीय वर्ष की तस्वीर भी आम निवेशकों का उत्साह बढ़ाने वाली है. कंपनी का सालाना शुद्ध मुनाफा 2,846 करोड़ से बढ़कर 3,361 करोड़ के पार निकल गया है. इसी तरह, कुल रेवेन्यू भी 49,932 करोड़ से लंबी छलांग लगाकर 53,553 करोड़ हो गया है.

इस हफ्ते सोने-चांदी में गिरावट रही

चांदी की कीमत 3389 कम होकर 2.40 लाख किलो हुई, सोना 1216 सस्ता हुआ

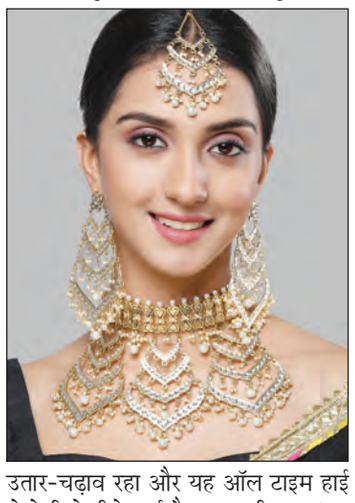

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में गिरावट रही। सोना हफ्तेभर में 1,216 रुपए गिरकर 1,50,263 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 25 अप्रैल को 1,51,479 रुपए पर था। वहीं, चांदी 2,43,720 किलो से गिरकर 2,40,331 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 3,389 रुपए कम हुई।

सोना ऑल टाइम हाई से 26 हजार सस्ता हुआ

साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है।

शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख मौजूदा स्थिति: उच्चतम स्तर से सोना 26 हजार सस्ता होकर अब 1.50 लाख/10 ग्राम आ चुका है। चांदी में क्रैश: 3.86 लाख से 2.37 लाख तक चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 2.30 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 3.86 लाख गिरावट का आंकड़ा: 91 दिन में चांदी 1.46 लाख गिरकर 2.40 लाख/किलो पर आई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मेष	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मेष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मेष	04-52 बजे
वृष	06-36 बजे
मिथुन	08-36 बजे
कर्क	10-48 बजे
सिंह	13-00 बजे
कन्या	15-06 बजे
तुला	17-12 बजे
वृश्चिक	19-21 बजे
धनु	21-35 बजे
मकर	23-42 बजे
कुंभ	01-32 बजे
मीन	03-11 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 05-53 सूर्यास्त 18-32
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष रविवार 03 May 2026
तिथि - द्वितीया 03-02 रात्री तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - विशाखा 07-10 तक उपरान्त अनुराधा
योग - वरियान 22-28 रात्री तक उप वरियान
करण - तैतिल 13-54 तक उप गर

विशेष: नारद जयन्ती वीणा दान

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 17-00 से 18-36 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
उत्पात	05-53 - 07-26	अशुभ
चंचल	07-26 - 09-02	शुभ
लाभ	09-02 - 10-38	शुभ
अमृत	10-38 - 12-13	शुभ
काल	12-13 - 13-49	अशुभ
शुभ	13-49 - 15-24	शुभ
रोग	15-24 - 17-00	अशुभ
उत्पात	17-00 - 18-32	अशुभ

रात का चौघड़िया		
शुभ।	18-32 - 20-00	शुभ
अमृत	20-00 - 21-24	शुभ
चंचल	21-24 - 22-49	शुभ
रोग	22-49 - 00-13	अशुभ
काल	00-13 - 01-37	अशुभ
लाभ	01-37 - 03-01	शुभ
उत्पात	03-01 - 04-26	अशुभ
शुभ	04-26 - 05-53-	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा। स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है ।अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला- एक साथ दो पदों पर नियुक्ति नहीं

आरएसआरटीसी एमडी को परिवहन आयुक्त पद से हटाया

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश में राज्य सरकार के प्रशासनिक निर्णय पर हस्तक्षेप करते हुए स्पष्ट किया है कि कोई भी अधिकारी एक साथ दो ऐसे पदों पर कार्य नहीं कर सकता, जिनमें हितों का टकराव संभावित हो। इसी के चलते अदालत ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा को परिवहन आयुक्त के पद पर कार्य करने से तत्काल प्रभाव से रोक दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति आनंद शर्मा की एकल पीठ ने ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट बस ओनर्स एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनाया। याचिकाकर्ता ने पुरुषोत्तम शर्मा को दोनों पदों पर नियुक्त करने को कानून के विरुद्ध बताते हुए इसे हितों के टकराव का स्पष्ट मामला बताया था।

अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि मामला गंभीर है और इसमें कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन दिखाई देता है। कोर्ट ने 21 नवंबर 2025 के उस सरकारी आदेश पर रोक लगा

दी, जिसके तहत आरएसआरटीसी एमडी को परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि आरएसआरटीसी स्वयं एक सरकारी परिवहन कंपनी है, जिसका सीधा वित्तीय और प्रशासनिक हित परिवहन क्षेत्र में है। ऐसे में उसी संस्था का प्रमुख यदि राज्य के परिवहन तंत्र का नियामक भी बने तो निष्पक्षता प्रभावित होगी।

अदालत ने यह भी कहा कि परिवहन आयुक्त के पास परमिट जारी करने, नियम लागू कराने और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरणों पर नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण अधिकार होते हैं। ऐसे संवेदनशील पद पर किसी ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति, जिसका क्षेत्र में प्रत्यक्ष हित हो, न्यायसंगत नहीं मानी जा सकती।

मामले में मोटर वाहन अधिनियम की धारा 68(2) का भी हवाला दिया गया, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि परिवहन व्यवसाय से जुड़े हित रखने वाले व्यक्ति को परिवहन प्राधिकरण में शामिल नहीं किया जा सकता। अदालत ने इसी सिद्धांत को आधार बनाते हुए कहा कि खिलाड़ी और रेफरी एक ही व्यक्ति नहीं हो सकता।

हालांकि सरकार की ओर से यह तर्क दिया गया कि परिवहन आयुक्त एकल निर्णय नहीं लेते, बल्कि एक बोर्ड का हिस्सा होते हैं लेकिन अदालत इस दलील से संतुष्ट नहीं हुई और पुरुषोत्तम शर्मा को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई 18 मई 2026 निर्धारित की है और तब तक उनके परिवहन आयुक्त के रूप में कार्य करने पर रोक बरकरार रखी है।

भयंकर गर्मी के बीच पलटा मौसम

6 मई तक आंधी-बारिश का अलर्ट; किसानों की बढ़ी चिंता

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ली है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में 6 मई तक आंधी, बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। इस बदलाव से जहां आमजन को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं किसानों की चिंता बढ़ गई है।

मौसम विभाग के अनुसार अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा, डीग, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनू, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक समेत पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, फलौदी और श्रीगंगानगर में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

तापमान में हल्की गिरावट, फिर भी गर्मी बरकरार

हाल ही में कुछ क्षेत्रों में हुई बारिश और ओलावृष्टि के बाद तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। इसके बावजूद बाड़मेर में तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि कई जिलों में पारा अभी भी 40 से 44 डिग्री के बीच बना हुआ है।

दिन में तपिश, शाम को बदलेगा मिजाज

पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में मौसम अस्थिर बना रहेगा। दिन के समय तेज गर्मी का असर रहेगा, जबकि शाम के समय बादल छाने, तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है।

पश्चिमी विक्षोभ का असर

मौसम विभाग का कहना है कि एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है, जिसके प्रभाव से अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। इससे लू से आंशिक राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि मौसम के इस बदलाव ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है क्योंकि आंधी और बारिश से खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

पुलिस में अजीबोगरीब मामला, एक दिन की छुट्टी मांगकर साढ़े तीन महीने से 'गायब' हैं आईजी

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस महकमे में इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। अमूमन अपराधी गायब होते हैं और पुलिस उन्हें तलाशती है, लेकिन यहां तो 'कानून के रखवाले' और एक उच्च पदस्थ आईपीएस अधिकारी ही रहस्यमयी तरीके से लापता हैं। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के नवनियुक्त आईजी कालूराम रावत पिछले साढ़े तीन महीने से ड्यूटी से 'गायब' हैं। दिलचस्प बात यह है कि वे सिर्फ एक दिन की छुट्टी का मैसेज भेजकर गए थे, जो आज तक खत्म नहीं हुई। पूरा मामला किसी फिल्मी पटकथा जैसा है। आईपीएस कालूराम रावत जुलाई 2025 में डीआईजी (पुलिस हाउसिंग) के पद पर तैनात थे। 12 जनवरी को उन्होंने अपने बॉस एडीजी (हाउसिंग) भूपेंद्र साहू को एक

छोटा सा मोबाइल मैसेज भेजा। मैसेज में लिखा था कि 'बुखार होने के कारण आज कार्यालय नहीं आ सकूंगा।' विभाग को लगा कि साहब अगले दिन लौट आएंगे, लेकिन उस एक दिन के बाद से रावत न तो दफ्तर लौटे और न ही किसी के संपर्क में आए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हैरानी की बात यह है कि उनकी अनुपस्थिति के दौरान ही विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया हुई और वे डीआईजी से आईजी बन गए। 23 फरवरी को सरकार ने उनका तबादला आईजी (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) के महत्वपूर्ण पद पर कर दिया। नियमानुसार उन्हें पुराने पद से रिलीव होकर नए पद का कार्यभार संभालना था, लेकिन साढ़े तीन महीने बीत जाने के बाद भी उन्होंने नए दफ्तर में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है।

जब आईजी रावत लंबे समय तक ड्यूटी पर नहीं लौटे, तो एडीजी (सिविल राइट्स व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) लता मनोज ने डीजीपी ऑफिस को लिखित में इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की कार्मिक शाखा ने उन्हें 'रिकॉल नोटिस' जारी किया है। नोटिस में उन्हें तुरंत हाजिर होने की चेतावनी दी गई है, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। वर्तमान में उनका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है और पुलिस मुख्यालय का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

'गुर्जर समाज भोली कौम', अशोक गहलोत बोले - केवल जुमलों तक सीमित है भाजपा सरकार

भरतपुर, 2 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बिना हिंसा के गुर्जर समाज को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया, जबकि आरक्षण आंदोलन में कई लोगों की जान गई थी। उन्होंने डबल इंजन सरकार को जुमलों की सरकार बताते हुए एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

गहलोत क्षेत्र के सूपा गांव में पूर्व विधायक एवं पूर्व पशुधन विकास बोर्ड चेयरमैन बृजेन्द्र सिंह सूपा की प्रतिमा के अनावरण बतौर मुख्य अतिथि यहां पहुंचे थे। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दोपहर बाद यहां पहुंचकर बड़ी संख्या में मौजूद लोगों के बीच प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम से पहले अशोक

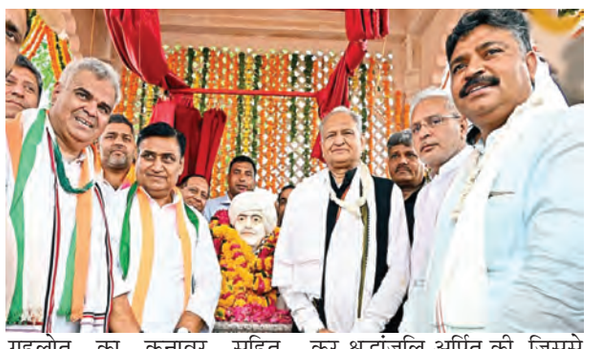

गहलोत का कनावर सहित आसपास के क्षेत्रों में कई स्थानों पर स्वागत किया गया। समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे। आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी भरतपुर के जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा ने अपने पिता की स्मृति में कराया। अशोक गहलोत ने पूर्व विधायक बृजेन्द्र सिंह सूपा की पत्नी से मुलाकात कर श्रद्धांजलि अर्पित की, जिससे समारोह का माहौल भावुक हो गया।

इस दौरान पूर्व मंत्री अशोक चांदना, जितेन्द्र सिंह, सांसद भजनलाल जाटव, डीग जिलाध्यक्ष राजीव सिंह, विधायक रोहित वोहरा, घनश्याम मेहर, संजय जाटव, पूर्व विधायक हिम्मत गुर्जर, अमर सिंह जाटव, गोपी गुर्जर, मोतीलाल, पूर्व मेयर अभिजीत सिंह और आरएलडी प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर अवाना सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

इससे पहले सभा को संबोधित करते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि गुर्जर समाज भोली कौम है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आरक्षण आंदोलन में 72 लोगों की बलि देने वाली सरकार को फिर मौका दिया गया, जबकि कांग्रेस ने बिना हिंसा के 5 प्रतिशत आरक्षण दिया। गहलोत ने देवनारायण योजना के तहत शिक्षा संस्थान खोलने का जिक्र करते हुए राज्य व केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि डबल इंजन की सरकार केवल जुमलों तक सीमित है तथा एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में नरेश सूपा, योगेन्द्र ऐलऊ, मनोज पटेल आदि मौजूद रहे, पूरा गांव राजनीतिक और भावनात्मक माहौल में डूबा नजर आया।

सरकारी स्कूल में पानी पीते ही 13 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

शरीर पर उभरे लाल दाने

बाड़मेर, 2 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और गंभीर घटना सामने आई है। यहां एक सरकारी स्कूल में पानी पीने के बाद एक दर्जन से अधिक बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

बता दें कि पानी पीते ही बच्चों के शरीर पर तेज खुजली शुरू हो गई और लाल धब्बे (दाने) उभर आए। बच्चों की बिगड़ती हालत को देख स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

घटना के तुरंत बाद सभी पीड़ित बच्चों को बाड़मेर मेडिकल कॉलेज के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका उपचार कर रही है। सूचना पर एडीएम राजेंद्र सिंह और अधीक्षक डॉ. हनुमान राम चौधरी अस्पताल पहुंचे।

स्वास्थ्य सेवाएं ठप

अवकाश भुगतान अटका, महासंघ ने दी प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स से जुड़े मुद्दों को लेकर एक बार फिर टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी लंबित मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। महासंघ का कहना है कि सरकार कर्मचारियों और पेंशनर्स के हितों की अनदेखी कर रही है, जिससे व्यापक असंतोष फैल रहा है।

आंदोलन की सबसे बड़ी वजह राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम का ठप होना बताया गया है। पिछले एक महीने से कई निजी अस्पतालों ने इस योजना के तहत इलाज बंद कर दिया है। इससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों के वेतन से नियमित कटौती होने के बावजूद उन्हें इलाज, दवाइयों और जांच के लिए भटकना पड़ रहा है। कैंसर और गुर्दा रोग जैसे मामलों में स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

इसके अलावा लीव एनकैशमेंट के भुगतान पर अघोषित रोक भी कर्मचारियों में रोष का बड़ा कारण बनी हुई है। महासंघ के उपाध्यक्ष अजयवीर सिंह के अनुसार वित्तीय वर्ष में देय भुगतान एक माह से अधिक समय बीतने के बावजूद जारी नहीं किया गया है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

महासंघ ने सरकार को दो टूक शब्दों में चेताया है कि यदि जल्द

पत्नी के थे अवैध संबंध, प्रेमी को रात में घर बुलाया

शराब पार्टी के बाद पति की गला घोंटकर हत्या

कोटा, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में पति-पत्नी के रिश्तों को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति की हत्या कर दी। जांच में सामने आया है कि महिला के दूसरे मर्द के साथ अवैध संबंध थे। लेकिन, जब पत्नी के प्यार में पति रोड़ा बना तो उसे रास्ते से हटाने की प्लानिंग बनाई। इसके बाद शादीशुदा महिला ने रात में अपने प्रेमी को घर पर बुलाया और फिर पति को मौत के घाट उतार दिया।

हत्याकांड का यह मामला कोटा के आरके पुरम थाना क्षेत्र के आंवली रोजड़ी का है। सेवानिवृत्त फौजी मनोज कुमार शर्मा की गुरुवार देर रात उसकी पत्नी दीपिका और उसके दो साथियों ने गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के समय दंपती के दोनों बच्चे घर पर ही मौजूद थे।

हत्या के बाद मौत को सामान्य दर्शाते हुए अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। तभी पिता ने आशंका जताई की उसके बेटे की हत्या हुई है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने अंतिम संस्कार रुकवाया और शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। वहीं, जांच

आरोपी पत्नी दीपिका और मृतक पति मनोज कुमार शर्मा

में जुटी पुलिस ने पत्नी दीपिका को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हैरान कर देने वाला खुलासा सामने आया।

पत्नी दीपिका के थे अवैध संबंध

मृतक मनोज की पत्नी दीपिका के कोटा के खेड़ली फाटक निवासी देवेश से अवैध संबंध थे। 30 अप्रेल की रात देवेश अपने दोस्त के साथ मनोज के घर आया था। जहां पर उसने मनोज के साथ बैठकर शराब पार्टी की। इसी दौरान देवेश और मनोज के बीच बहस हो गई। मामला इतना गरमाया कि प्रेमी देवेश ने अपने दोस्त के साथ मिलकर मनोज की हत्या कर दी। इस दौरान पत्नी सब देखती रही। पत्नी अभी पुलिस हिरासत में है। पुलिस अभी दोनों फरार आरोपियों तलाश में जुटी हुई है। पत्नी दीपिका का आरोप है कि पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। घटना वाली रात भी मनोज ने झगड़ा किया था।

शातिर पत्नी ने सुबह उठते ही शुरु की अंतिम संस्कार की तैयारी

पत्नी इतनी शातिर थी कि उसने अपने 14 साल के बेटे और 12 साल की बेटी को भी इसकी खबर नहीं लगने दी कि उनके पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। वारदात से पहले ही पत्नी ने दोनों बच्चों को सोने के लिए ऊपर वाले कमरे में भेज दिया। इसके बाद प्रेमी के साथ मिलकर अपने की पति को मौत के घाट उतार दिया। अगले दिन सुबह अंतिम संस्कार की तैयारी कर शव को जल्दी श्मशान घाट ले जाने की कोशिश की गई। लेकिन, मनोज के पिता की आशंका से बहू की करतूत सामने आ गई।

5 साल से कोटा में रह रहे थे मनोज शर्मा

सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सेवानिवृत्त फौजी मनोज कुमार शर्मा मूल रूप से अजमेर जिले के किशनगढ़ के रहने वाले थे। वे आर्मी में क्लर्क थे और 5 साल पहले ही रिटायर हुए थे। तभी से वे अपने परिवार के साथ कोटा के आवली रोझड़ी में रह रहे थे। वे वर्तमान में बिजली विभाग में क्लर्क काम कर रहे थे।

'अजमेरी गेट' बंद, कलेक्टर-निगम कमिश्नर बोले: हमें जानकारी नहीं, सुबह 10 बजे लोगों ने खोला, तब तक होते रहे परेशान

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजधानी का सबसे व्यस्ततम अजमेरी गेट दरवाजा आज सुबह तक बंद रहा। यह कब और कैसे बंद हुआ, इस बारे में पुलिस व प्रशासन को कोई जानकारी नहीं है। जिम्मेदार अधिकारियों ने इस मामले में पल्ला झाड़ लिया है। गेट बंद रहने के दौरान किशनपोल बाजार और एमआई रोड के बीच वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। हैरानी की बात यह है कि प्रदेश का सबसे बड़ा यातायात पुलिस कार्यालय 'यादगार' यहां से महज 50 मीटर की दूरी पर है और चौराहे पर चौबीसों घंटे पुलिस तैनात रहती है, फिर भी किसी को भनक तक नहीं लगी कि दरवाजा बंद किसने किया।

24 घंटे खुला रहने वाला अजमेरी गेट बंद रहने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। काम-धंधे और दफ्तर जाने वाले लोग गेट के बाहर जमा हो गए। स्वयं लोगों ने सुबह करीब 10 बजे दरवाजे को खोला।

कलेक्टर संदेश नायक ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। निगम कमिश्नर से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी गई है। वहीं, निगम कमिश्नर ओम केसरा ने कहा कि दरवाजा बंद कैसे हुआ, इसकी जांच कराई जा रही है। एडिशनल कमिश्नर नरेंद्र बंसल ने पहले फोन पर जवाब दिया कि गेट कैसे बंद हुआ, इसकी जानकारी नहीं है, मामले की जांच कराई जा रही है। बाद में दोबारा फोन पर उन्होंने कहा कि रात में आंधी-तूफान के कारण संभवतः यह गेट बंद हो गया।

कोतवाली थाना पुलिस ने इस मामले में एक अजीब तर्क दिया है। पुलिस का कहना है कि यह दरवाजा कभी बंद नहीं किया जाता है, संभव है कि रात को आई तेज आंधी के कारण दरवाजा अपने आप बंद हो गया हो। पुलिस का कहना है कि गेट का अंदरूनी हिस्सा कोतवाली और बाहरी हिस्सा जालूपुरा थाना क्षेत्र में आता है।

अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश

फर्जी खातों से करोड़ों की ठगी; 4 गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 2 मई (एजेंसियां)। जिले की साइबर पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय ऑनलाइन ठगी नेटवर्क का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 1 से 30 अप्रैल तक चलाए गए विशेष अभियान ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत की गई, जिसका मकसद फर्जी बैंक खातों के जरिए चल रहे साइबर फ्रॉड के रैकेट को तोड़ना था।

जांच के दौरान पुलिस के सामने हर्ष ट्रेडिंग नाम का एक बैंक खाता सामने आया, जो इस पूरे नेटवर्क का मुख्य केंद्र बना हुआ था। शुरुआती जांच में ही स्पष्ट हो गया कि यह खाता सिर्फ नाम का व्यापारिक खाता था, जबकि असल में इसका इस्तेमाल ठगी की रकम को इकट्ठा करने और आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था। साइबर थाना प्रभारी हरिओम मीणा ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में इस खाते से जुड़ी कुल 21 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इन शिकायतों में करीब 16 लाख 40 हजार रुपए की ठगी की रकम इसी खाते में आने की पुष्टि हुई। ये शिकायतें फर्जी कॉल, लिंक भेजकर फ्रॉड और निवेश के नाम पर धोखाधड़ी से जुड़ी हैं। जिन मामलों में अभी तक पीड़ितों ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई है, उन सभी संदिग्ध ट्रांजेक्शन को जोड़ने पर करीब 65 लाख 70 हजार रुपए की अतिरिक्त राशि इसी खाते में घूमती पाई गई। इस तरह कुल मिलाकर 82 लाख रुपए से अधिक का संदिग्ध लेनदेन इस एक ही खाते से जुड़ा हुआ पाया गया। पुलिस ने मामले में बांसवाड़ा के चार आरोपियों हर्ष जोशी (22), हिमांशु शर्मा (40), विकास विजयवर्गीय और अनिल बाथम (28) को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि हर्ष जोशी के नाम पर बैंक खाता खुलवाया गया था, लेकिन वह नाममात्र का खाताधारक था। असल संचालन अन्य आरोपी कर रहे थे, जो तकनीकी और नेटवर्किंग के जरिए इस खाते को नियंत्रित करते थे। लोगों को अलग-अलग तरीकों से झांसे में लिया जाता था।

परीक्षा का तनाव या हादसा?

20 साल के दीक्षित की नीट एग्जाम से 24 घंटे पहले संदिग्ध मौत

कोटा, 2 मई (एजेंसियां)। कोचिंग सिटी कोटा में मेडिकल प्रवेश परीक्षा से ठीक 24 घंटे पहले एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। शहर के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक 20 साल के छात्र की हॉस्टल की तीसरी मंजिल की बालकनी से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना ने एक बार फिर कोटा में रह रहे छात्रों के मानसिक दबाव और हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। मृतक की पहचान उत्तराखंड निवासी दीक्षित प्रसाद के रूप में हुई है। दीक्षित पिछले दो सालों से कोटा में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था और रविवार को उसे अपनी सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा में बैठना था। कुन्हाड़ी थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब 6:30 बजे सूचना मिली कि एक छात्र हॉस्टल की ऊपरी मंजिल से नीचे गिर गया है। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो छात्र लहूलुहान हालत में हॉस्टल के बाहर जमीन पर पड़ा मिला। पुलिस ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस इस मामले को कई एंगल से जांच रही है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि छात्र दुर्घटनावश नीचे गिरा या उसने तनाव में आकर छलांग लगाई। पुलिस ने दीक्षित के कमरे को सीज कर दिया है।

70 करोड़ के संदिग्ध ट्रांजेक्शन से हुआ साइबर ठगी का पर्दाफाश

तीन आरोपी हिरासत में

कोटा, 2 मई (एजेंसियां)। कोटा ग्रामीण पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग, शेयर मार्केट निवेश और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी करने वाले बड़े साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए बैंक खातों से देशभर में करीब 70 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़े लेनदेन का कनेक्शन मिला है।

पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत यह कार्रवाई की गई है। पिछले 10 दिनों में चार मामले दर्ज कर पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए मोरपा निवासी कौशल सेन, महावीर नगर निवासी नवनीत विजयवर्गीय और तलवंडी निवासी सलमान अहमद खिलजी को गिरफ्तार किया।

जांच में सामने आया कि आरोपी भोले-भाले लोगों के बैंक खाते, सिम कार्ड और दस्तावेजों का इस्तेमाल कर देशभर में ठगी को अंजाम दे रहे थे। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन टास्क और शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लोगों को झांसे में लिया जाता था। पुलिस को सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के मोरपा निवासी एक व्यक्ति के दस्तावेज से सिम कार्ड निकालकर साइबर गिरोह को बेचने की जानकारी मिली थी। जांच में इन खातों से करीब 58 करोड़ रुपये के लेनदेन सामने आए।

इसके अलावा खतौली निवासी युवक के खाते से करीब 1 करोड़ 69 लाख रुपये, बूढ़दीत निवासी आरोपी के खाते से 71 लाख रुपये और रामगंज मंडी क्षेत्र के एक खाते में करीब 9 करोड़ 71 लाख रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन पाए गए।

ट्रैफिक पुलिस अपनी जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से निभाए : सी.वी. आनंद

डीजीपी ने ट्रैफिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आउटर रिंग रोड पर हाल ही में हो रही लगातार दुर्घटनाओं पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चिंता व्यक्त करते हुए इनके नियंत्रण हेतु तत्काल कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में राज्य के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने शनिवार को ट्रैफिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। डीजीपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वाहनों की गति पर सख्ती से नियंत्रण रखा जाए और सुरक्षा मानकों के पालन में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। विशेष रूप से उन्होंने कहा कि शहर में वाहन चालकों और आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इस बात का ध्यान रखते हुए ट्रैफिक पुलिस अपनी जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से निभाए। जीएचएमसी क्षेत्र के ट्रैफिक संयुक्त आयुक्तों और डीसीपी के साथ आयोजित इस बैठक में शहर की ट्रैफिक स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बढ़ती वाहनों की संख्या को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर नई रणनीतियां अपनाने और आवश्यक स्थानों पर कड़े नियंत्रण उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए। डीजीपी ने बताया कि सड़क सुरक्षा को और मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य सरकार जल्द ही 'ट्रैफिक मैनेजमेंट एंड रोड सेफ्टी ब्यूरो' की स्थापना करने जा रही है, जिस पर कार्य जारी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह ब्यूरो शीघ्र ही कार्यरत होकर ट्रैफिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि विशेष रूप से ड्रंक एंड ड्राइव जांच, हेलमेट और सीट बेल्ट न पहनने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर फील्ड स्तर पर जांच अभियान चलाने को कहा। समीक्षा बैठक में फ्यूचर सिटी ट्रैफिक संयुक्त आयुक्त चंदना दीप्ति सहित ट्रैफिक डीसीपी राहुल हेगड़े, काजल सिंह, राहुल रेड्डी, अविनाश कुमार, शेषाद्रि रेड्डी, श्रीनिवास और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी पंजीकरण संख्या मामले में युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में एक व्यक्ति द्वारा दूसरे वाहन की पंजीकरण संख्या का दुरूपयोग करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, चंचलगुड़ा निवासी सैयद हुसैन मेहदी (22) ने वर्ष 2019 में एक दोपहिया वाहन खरीदा था, लेकिन उसका विधिवत पंजीकरण नहीं कराया। इसके स्थान पर उसने अपने वाहन पर टीएस 11 ईके 0593 अंकित संख्या-पट्ट लगा लिया, जो तल्लाबकट्टा निवासी मोहम्मद इब्राहिम के वाहन को आवंटित थी। इस कारण इब्राहिम को ऐसे यातायात उल्लंघनों के चालान प्राप्त होने लगे, जो उन्होंने किए ही नहीं थे। लगातार चालान मिलने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर सैदाबाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर यातायात पुलिस के सहयोग से संबंधित वाहन की पहचान की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

पूर्व सैनिकों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शनिवार को लोक भवन में भाजपा के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ (ईएसएम) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर विभिन्न कल्याणकारी मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व सैनिकों को मिलने वाली अनुग्रह राशि (एक्स-ग्रेशिया) में देरी, सैनिक कॉर्पोरेशन की स्थापना, आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे फंड के दुरूपयोग तथा एलबी नगर/कंचनबाग में ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक स्थापित करने की मांग उठाई।

इसके अलावा उन्होंने बैंकों में पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार और उचित तैनाती सुनिश्चित करने तथा राज्य के प्रत्येक जिले में युद्ध स्मारक स्थापित करने की भी मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने मौजूदा सरकारी आदेशों के अनुसार जिला कलेक्टरों के नेतृत्व में जिला स्तर पर पूर्व सैनिक समितियों के गठन की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि पूर्व सैनिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके।

राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी चिंताओं को सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन का परीक्षण करने और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। यह प्रतिनिधिमंडल लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) सुंकरा श्रीनिवास राव (सेवानिवृत्त) के नेतृत्व में आया था।

इसमें सह-संयोजक सूबेदार मेजर राजेंद्र सिंह (सेवानिवृत्त), सूबेदार मेजर पीएसएन स्वामी (सेवानिवृत्त), सूबेदार नीरज दुबे (सेवानिवृत्त) तथा हवलदार दुबाशी सागर (सेवानिवृत्त) सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

नवविवाहित दंपति की संदिग्ध मृत्यु, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली क्षेत्र स्थित एक आवास में शनिवार को एक नवविवाहित दंपति की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। प्रारंभिक रूप से इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, कार्तिक नामक युवक और मंजुला नामक महिला कुकटपल्ली में रहते थे। दोनों का विवाह लगभग एक माह पूर्व हुआ था। शनिवार को कार्तिक घर में छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया, जबकि मंजुला कमरे में अचेत अवस्था में मिली। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को शव परीक्षण के लिए गांधी चिकित्सालय भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

6 लोगों की मौत पर केटीआर ने जताया शोक

परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने शुक्रवार को आउटर रिंग रोड़ मार्ग पर शमशाबाद क्षेत्र में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को अपनी व्यक्तिगत क्षमता से हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। शनिवार को उन्होंने उस्मानिया सामान्य चिकित्सालय पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने सिरसिल्ला गांव के छह लोगों की इस दुखद घटना में हुई मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक ही गांव के छह व्यक्तियों की असमय मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति है, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने वाला पकड़ा गया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, चारमीनार ज़ोन की टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो ट्रैफिक चालानों से बचने के लिए अपने दोपहिया वाहन की नंबर प्लेट से छेड़छाड़ कर रहा था। पकड़े गए आरोपी की पहचान कोलिमी यदैय्या (52), निवासी विवेक नगर, चिक्कडपल्ली, के रूप में हुई है, जो पेशे से ऑफिस बॉय है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपनी होंडा एक्टिवा पर संदिग्ध रूप से घूम रहा था, जिस पर स्टिकर लगाकर नंबर प्लेट में बदलाव किया गया था। पूछताछ में पता चला कि उसके वाहन पर 49 लंबित ट्रैफिक चालान थे, जिनकी कुल राशि 20,815 रुपये थी। इन चालानों से बचने के उद्देश्य से उसने वाहन का नंबर टीएस09जीएफ1079 से बदलकर टीएस09जीई1079 कर दिया था, ताकि प्रवर्तन एजेंसियों को गुमराह किया जा सके। इस मामले में चिक्कडपल्ली पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 141/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 80(ए) सहपठित 177 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छेड़छाड़ की गई नंबर प्लेट वाली होंडा एक्टिवा को जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई चारमीनार ज़ोन टास्क फोर्स के पुलिस निरीक्षक एस. सईदाबाबू के नेतृत्व में एसआई के. स्वामी, के. रामाराव, एम. महेश, एम. मधु, पीसी डी. राघवेंद्र राज तथा अन्य टीम सदस्यों और चिक्कडपल्ली थाने के स्टाफ द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

बंगाल की फालता सीट पर वोटिंग ईसी ने रद्द की

21 मई को दोबारा मतदान, 24 को रिजल्ट

हिंसा-गड़बड़ियों की शिकायत पर फैसला

कोलकाता, 2 मई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर वोटिंग रद्द कर दी है। यहां पर 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी और हिंसा की खबरें आई थीं।

ईसी ने सभी 285 पोलिंग बूथ पर 21 मई को फिर से वोटिंग कराने का निर्देश दिया है। रिजल्ट 24 मई को आएगा। इसी विधानसभा के एक बूथ पर ईवीएम में भाजपा की बटन के आगे टेप लगा मिला था।

इससे पहले शनिवार को पश्चिम बंगाल में मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के 4 बूथों में दोबारा मतदान हुआ। न्यूज एजेंसी के मुताबिक दोनों विधानसभा क्षेत्र के कुल 15 बूथों पर करीब 90 प्रतिशत वोटिंग हुई। साउथ 24 परगना में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। फालता में वोटर्स ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया।

उन्होंने बताया कि वोटिंग के बाद टीएमसी के लोगों ने उनके साथ मारपीट की। जब वे इसका विरोध कर रहे थे तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। कई लोगों को पैर में, सिर में और हाथ में चोट आई है। वहीं टीएमसी ने आरोप लगाया कि मगराहाट के बूथ नंबर 127 पर सुरक्षाबलों ने हमारे कैंप में तोड़फोड़ की और कार्यकर्ताओं से मारपीट की।

हिंदू टू हिंदू सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग (एच2एच) 8 ऊर्जा (सैनिकपुरी चैप्टर) ने भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों की सहायता और प्रोत्साहन के लिए एक व्यापारिक सम्मेलन का आयोजन किया।

यह सम्मेलन एएस राव नगर स्थित होटल स्वागत ग्रैंड में आयोजित किया गया था। सम्मेलन के मुख्य अतिथि उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल बलदवा थे।

अध्यक्ष उमा कार्तिक और अन्य सदस्यों जैसे रबी नारायण, बीपी मिश्रा, उमा माहेश्वरी और डॉ. रीता अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाया। सम्मेलन का नेतृत्व एच2एच के संस्थापक गीतेश काटे ने किया।

पतंजलि विश्वविद्यालय में भारत सरकार के पदाधिकारियों का 'चिंतन शिविर' संपन्न

हरिद्वार, 2 मई (एजेंसियां)। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के पदाधिकारियों का दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' 30 अप्रैल से 1 मई तक पतंजलि विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुआ। चिंतन शिविर में, भारत के विभिन्न राज्यों के प्रधान सचिव, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञों और अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शुभारम्भ डॉ. अर्चना तिवारी व उनकी टीम के समूहगान से हुआ।

भारत सरकार के प्रतिनिधि मनीष त्रिपाठी ने ग्रामीण समाज में आजीविका मॉडल की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जनजातीय विकास, अर्थव्यवस्था और सतत आजीविका के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों को साझा किया। इसी क्रम में, भारत सरकार के प्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों ने जनजातीय कल्याण से जुड़ी योजनाओं की दिशा में अपने सामूहिक प्रयासों और अनुभवों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर ज्योतिषी डॉ. जय मदान ने वास्तु के माध्यम से जीवन में संतुलन और सकारात्मकता बनाए रखने के उपाय बताए। उन्होंने वैदिक ग्रंथ ऋग्वेद में वर्णित पवित्र पेय 'सोम' का उल्लेख करते हुए बताया कि यह सोमलता से निर्मित औषधीय रस था, जिसे यज्ञों में देवताओं को अर्पित किया जाता था। उन्होंने आध्यात्मिक योग को तन, मन और आत्मा का समन्वय बताया, जो साधक को परमात्मा से जोड़ता है। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी संतानों को केवल जैविक नहीं अपितु भविष्य की पीढ़ी के रूप में भी परिभाषित किया गया।

मंत्रालय प्रतिनिधि अतुल के. शाह ने कहा कि हमें अनावश्यक चिंता से बचते हुए आत्मविश्वास से जीवन जीना चाहिए। केवल कागजी ज्ञान पर्याप्त नहीं बल्कि सहानुभूति और शांति से समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी होता है। उन्होंने आगे कहा कि सीखना, प्रशिक्षण और निरंतर अभ्यास व्यक्ति के कौशल, ज्ञान और दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। 'जब तक जीतेगा नहीं, रुकेगा नहीं' के भाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने संवेदनात्मक भागफल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम में, डॉ. वरनाली ने स्वास्थ्य, संस्कृति एवं डिजिटल सशक्तीकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ ही, वर्तमान योजनाओं को कैसे सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ में अधिक प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकता है, विषय पर चर्चा की गई।

184 फर्जी सामाजिक माध्यम खातों तथा 801 भ्रामक प्रचार सामग्री पर रोक

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की अंतरजाल अपराध इकाई ने अप्रैल माह में सतत डिजिटल निगरानी एवं खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए 184 सक्रिय सामाजिक माध्यम खातों की पहचान की है।

ये खाते भारत में उपयोगकर्ताओं को लक्षित कर ऑनलाइन खेल, अवैध सट्टेबाजी अनुप्रयोगों तथा फर्जी निवेश वेबसाइटों का प्रचार कर रहे थे। इनके माध्यम से कुल 801 सशुल्क प्रचार सामग्री प्रसारित की जा रही थी। एहतियाती एवं निवारक कदम के रूप में पुलिस ने सभी 184 खातों की सूचना संबंधित मंचों को देकर उन्हें हटवा दिया है, जिससे इस प्रकार की अवैध और भ्रामक सामग्री के प्रसार पर रोक लगाई जा सके।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, यह प्रचार सामग्री उपयोगकर्ताओं को शीघ्र धनार्जन, आकर्षक बोनस, संदर्भ कमीशन तथा निवेश पर अत्यधिक लाभ का प्रलोभन देकर फंसाने के उद्देश्य से तैयार की गई थी। संबंधित खाते सुनियोजित ढंग से प्रचार सामग्री, संदर्भ कड़ियां, इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ी भविष्यवाणियां तथा प्रसिद्ध व्यक्तियों के कृत्रिम रूप से निर्मित भ्रामक दृश्य साझा कर लोगों को अवैध सट्टेबाजी और फर्जी निवेश योजनाओं की ओर आकर्षित कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, अप्रैल माह में ऐसे मामलों में संलिप्त प्रचारकों के विरूद्ध छह प्रथम सूचना रिपोर्ट भी दर्ज की गई हैं। पुलिस ने बताया कि जारी अंतरजाल गश्ती अभियान के अंतर्गत अब तक कुल 427 सामाजिक माध्यम खातों और 1903 सशुल्क प्रचार सामग्रियों की पहचान कर उन्हें हटाया जा चुका है। इन खातों से जुड़े व्यक्तियों एवं उनके वित्तीय स्रोतों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि दोषी पाए जाने वालों के विरूद्ध विधि के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंचेरियाल में कोयला उत्पादन की समीक्षा

पांच भूमिगत खदानों ने लक्ष्य से अधिक उत्पादन किया

मंचेरियाल, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी के श्रीरामपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक मुनिगंती श्रीनिवास ने बताया कि एक खदान को छोड़कर क्षेत्र की पांच भूमिगत खदानों ने अप्रैल माह में 100 प्रतिशत से अधिक कोयला उत्पादन हासिल किया। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके कार्यक्षेत्र में छह भूमिगत खदानें और दो खुली खदान परियोजनाएं शामिल हैं। अप्रैल माह के लिए निर्धारित 5.47 लाख टन के मुकाबले कुल 3.07 लाख टन कोयला उत्पादन हुआ, जो लगभग 56 प्रतिशत उपलब्धि है। हालांकि, भूमिगत खदानों का कुल उत्पादन 99 प्रतिशत रहा, जबकि खुली खदान परियोजनाओं में उत्पादन केवल 44 प्रतिशत दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि एसआरपी-1 खदान में 123 प्रतिशत उत्पादन हुआ, जबकि आरके एनटी और आरके-5 खदानों में क्रमशः 104 प्रतिशत और 102 प्रतिशत उत्पादन दर्ज किया गया। इसी प्रकार, एसआरपी-3 और आरके-7 खदानों में भी 100 प्रतिशत उत्पादन हासिल किया गया। वहीं, आईके-1ए खदान में उत्पादन 84 प्रतिशत रहा। खुली खदान परियोजनाओं के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन का कारण ऊपरी परत हटाने में आई कठिनाइयों और ईंधन की कमी को बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए ठेकेदारों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें की जा रही हैं और कार्य निष्पादन में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

6,000 लोगों ने एक साथ किया भुजंगासन

हैदराबाद में बना एशियाई कीर्तिमान

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र स्थित हार्टफुलनेस मुख्यालय, कान्हा शांति वनम में शनिवार को आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 50 दिवसीय उलटी गिनती के अवसर पर 6,000 लोगों ने एक साथ 'भुजंगासन' का अभ्यास कर नया एशियाई कीर्तिमान स्थापित किया। यह कार्यक्रम मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को योग को दैनिक जीवन का अंग बनाने के लिए प्रेरित करना तथा 'भुजंगासन' को सबसे अधिक समय तक करने का कीर्तिमान एशिया स्तर पर दर्ज कराना था। कार्यक्रम में विभिन्न देशों के उच्चायोगों के प्रतिनिधियों सहित विश्वभर के हजारों योग साधकों ने आभासी माध्यम से भाग लिया। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), स्वास्थ्य राज्य मंत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की भी इसमें सहभागिता रही।

योगाभ्यास का संचालन मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक डॉ. काशीनाथ ने किया। इसके पश्चात हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक एवं श्री राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष पूज्य दाजी के नेतृत्व में सामूहिक ध्यान सत्र आयोजित किया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सं. जीटीएल-इएम-08-2026-27, दि. 30-04-2026 PUB/158

कृते भारत के राष्टपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-08-2026-27, कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजनः 1. एआरटी गुन्टकल हेतु ओपन लाइन कंस्ट्रक्शन आफ रूम में आपदा प्रबंधन या डिजास्टर मैनेजमेंट रोल्लिंग स्टाक सुविधाओं का उन्नयन/वृध्दि/सृजन कार्य-बिजली व्यवस्थाएं।
2. जीटीएल डिवीजन पर डिजास्टर मैनेजमेंट रोल्लिंग स्टाक सुविधाओं का उन्नयन/वृध्दि/सृजन कार्य-बिजली व्यवस्थाएं।
अनुमानित मूल्य रु.9,67,860.02

बंद करने की तिथि & समयः 21-05-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। इस निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को http://www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में सहभागिताड़बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुन्टकल

निविदा सूचना सं.-जीड़ई.29ड़टीआर.डटेंडर नोटिसड़07ड़2026-27,दि.28-04-2026 PUB/159

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंताड़ट्रैक्शनड़गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-20-2026-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः ट्रैक्शन सब-स्टेशनों पर पावर फैक्टर के सुधार हेतु पीएसआई इनफ्रास्ट्रक्चर्स का मार्डिफिकेशन या संशोधन।
अनुमानित मूल्य रु. 2,75,54,024.00, अग्रधन रु.5,51,100.00

निविदा बंद करने की तिथि & समयः 20-05-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणीः निविदाकार, निविदा दस्तावेज को www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

संख्याः सीएन (जीएस) ड़61ड़ड़एलसी-249ड़आरओबी जीएनटी, दि.30-04-2026 PUB/162

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, एनआइटी नं.- निविदा सं. 01-2026-2027-ई-जीएस-सीएन-बीजेडए, कार्य विवरणः विद्युतीय निर्माणड़बीजेडएः गुंटूर डिवीजन-गुंटूर-तेनाली सेक्शन में रेलवे किमी 22ड़10-11 पर गुंटूर टाउन लिमिट्स तथा गुंटूर जिले के गुंटूर--हनुमानपालेम रोड के किमी 1ड़ 6 पर एलसी नं.249 के स्थान पर नवनिर्मित आरओबी के लिए बिजली व्यवस्थाएं & 33केवीड़11केवी एचटी ओवरहेड लाइन्स की शिफ्टिंगड़परिवर्तन या माडिफिकेशन।
विवरणः अनुमानित मूल्य रु.96,94,941.80 अग्रधन रु.1,93,900.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 (छह) महिने, बंद करने की तिथिः 22-05-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

बोली सुरक्षाड़अग्रधन को आईआरईपीएस के ई-पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से नकद रुप में जमा कर सकते हैं या किसी भी अनुसूचित भारतीय वाणिज्यिक बैंक से, बैंक गारण्टी बान्ड के रुप में एफए & सीएओड़सीड़एससी के पक्ष में प्रस्तुत करना चाहिए या निविदा दस्तावेजों में विवरित सूचनानुसार प्रस्तुत करना चाहिए। यह बान्ड जोकि अनुलग्नक- VIA के अनुसार होना चाहिए तथा बोली वैधता अवधि से परे, 120 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए।

निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत करना चाहिए।

निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता निर्माण सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.05 2026, दि.01-05-2026 PUB/163

भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर दर्शायी गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को वेबसाइट पर देख सकते है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत प्रस्तावों को अस्वीकार किया जायेगा। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स या प्रस्तावों पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। "सभी स्वदेशी प्रस्तावों या इन्डिगेनस आफर्स, अग्रधन को, आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध www.ireps.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त कार्य विवरण
25264824	फिंगर कान्टैक्ट & फ्लेक्सीबुल शन्ट एसेम्बली
29261087	आइल कूलिंग ब्लोअर हेतु इम्पेल्लर
3725500 4ए	कैसनब 22 आरएफटी की वैगान्स हेतु स्प्रिन्ग्स सेट
एससीआर2 6सीएपीटी सीटीटी	कैपिटल स्पेयर्स टन्गस्टन कार्बाइड टैम्पिंग टूस (टीसीटीटी) की आपूर्ति हेतु आरसी
76261290	आइआरएस-एम46-2020 क्लास-VI के प्रति एमआयजीड़एमएजी वेल्डींग फिल्लर
6724501 5सी	15टी क्षमतायुक्त इओटी क्रेन की डिजाइन मैन्युफैक्चरिंग आपूर्ति & इंस्टाल्लेशन कमीशनींग
6026पीटी018	1इन16टीड़ओड़पीएससी स्लीपर्स टू टी-10070
6026पीटी 023	02 वर्ष की वैधता सहित 6.2 एमएम आकार के सीजीआरएसपी 52 केजी टी-8327 हेतु मूल्य करार या प्राइस एग्रीमेन्ट
45261037	नेट 1&2, रेटेड वोल्टेज1000वी एसी हेतु कान्ट्रैक्टर
6026पीटी 024	विभिन्न प्रकार के एन्ड कट एचवीएन लाइनर्स का प्रापण
38265007	कास्ट स्टील बोल्स्टर

टिप्पणीः -निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां- क्रम सं.01 दि.18-05-2026, क्रम सं.02 से 04 दि.22-05-2026, क्रम सं.05 दि.25-05-2026, क्रम सं.06 दि.26-05-2026, क्रम सं.07 दि.01-06-2026, क्रम सं.08 दि.02-06-2026, क्रम सं.09 दि.04-06-2026, क्रम सं.10 दि.08-06-2026, क्रम सं.11 दि.11-06-2026

शुध्दिपत्र
निविदा सूचना सं.40 दि.24-04-2024 निविदा सं.6026पीटी020 की निर्धारित तिथि को 26-05-2026 पढा जाना चाहिए तथा 66265800 की निर्धारित तिथि को 25-05-2026 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं, विस्तृत विवरण हेतु उक्त रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधकड़सिकंदराबाद A181

निविदा नियम शर्तें/ अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दिल्ली चौथी जीत से नंबर-6 पर आई

राजस्थान चौथे स्थान पर कायम

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल में सीजन की चौथी जीत हासिल की है। टीम को लगातार तीन हार के बाद जीत मिली। उसने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से हराया।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली ने 226 रन का टारगेट 19.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर दिया। टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 225 रन बनाए।

केएल राहुल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 40 बॉल पर 75 रनों की पारी खेली। इस पारी के सहारे राहुल टॉप स्कोरर की लिस्ट में पहले स्थान पर आ गए। उन्हें ऑरेंज कैप मिली।

दिल्ली को एक स्थान का फायदा, राजस्थान को नुकसान नहीं

इस नतीजे के बाद पॉइंट्स टेबल में ज्यादा फेर बदल नहीं हुए हैं।

जीत से दिल्ली को एक स्थान का फायदा हुआ। जबकि राजस्थान हार के बावजूद अपने स्थान पर बरकरार रही।

दिल्ली ने अब तक 9 मैच खेले हैं। इनमें से 4 में जीत, जबकि 5 में हार मिली है। अक्षर पटेल की टीम 8 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के छठे स्थान पर आ गई है।

राजस्थान ने 10 मैच खेल लिए हैं। टीम को चौथी हार का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद टीम 6 जीत के सहारे 12 के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर कायम है।

प्लेऑफ के लिए चेन्नई का हर मैच जीतना जरूरी

चेन्नई ने अब तक 8 मैच खेले हैं। इनमें से उसे 3 जीत मिली है। जबकि 5 में पराजय का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार टीम के पास 6 अंक हैं। ऋतुराज गायकवाड की टीम को अभी 6 मैच और खेलने हैं। ऐसे में उसे प्लेऑफ में प्रवेश करने के लिए बाकी के सभी मैच जीतने होंगे। एक भी मैच हारने की स्थिति में उसे को अन्य टीमों के निर्भर रहना होगा।

मुंबई ने अब तक 2 मैच ही जीते, प्लेऑफ उम्मीदें कायम

मुंबई की स्थिति चेन्नई से खराब है। हार्दिक पंड्या की टीम 8 में से 2 मैच ही जीत सकी है। टीम के पास महज 4 अंक ही है। इसके बावजूद मुंबई के पास प्लेऑफ में प्रवेश करने का मौका होगा। इसके लिए उसे अपने सभी मुकाबले जीतने ही होंगे। एक भी मैच हारने की स्थिति में टीम की प्लेऑफ की राह कठिन हो जाएगी।

IPL 2026
पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	NR	अंक	NRR
1	PBKS	8	6	1	1	13	1.043
2	RCB	9	6	3	0	12	1.42
3	SRH	9	6	3	0	12	0.832
4	RR	10	6	4	0	12	0.51
5	GT	9	5	4	0	10	-0.192
6	DC	9	4	5	0	8	-0.895
7	CSK	8	3	5	0	6	-0.121
8	KKR	8	2	5	1	5	-0.751
9	MI	8	2	6	0	4	-0.784
10	LSG	8	2	6	0	4	-1.106

केएल राहुल सीजन के टॉप स्कोरर बने, ऑरेंज कैप मिली

आर्चर पर्पल कैप की रेस में नंबर-2 पर आए

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। केएल राहुल ने मैच में 75 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इस पारी के सहारे वे आईपीएल सीजन के टॉप स्कोरर की लिस्ट में पहले स्थान पर आ गए हैं। उनके नाम 9 मैचों में 433 रन हो गए हैं। 4 रन पर आउट होने के बाद राजस्थान के वैभव सूर्यवंशी (404 रन) टॉप-3 से बाहर हो गए हैं।

राजस्थान के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने मैच में एक विकेट लिया। उनके नाम 10 मैच के बाद 15 विकेट हो गए हैं। वे पर्पल कैप की रेस में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। आर्चर ने हैदराबाद के ईशान मलिंगा को पीछे छोड़ा। आज के मैच में अंशुल कम्बोज के पास टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट के टॉप-3 में पहुंचने का मौका है। उन्होंने 14 विकेट लिए हैं।

IPL 2026
ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड

केएल राहुल DC | अभिषेक शर्मा SRH | हेनरिक क्लासन SRH

IPL 2026
पर्पल कैप लीडरबोर्ड

भुवनेश्वर कुमार RCB | जोफ्रा आर्चर RR | ईशान मलिंगा SRH

वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेकर जैमीसन ने चिढ़ाया

कुछ ही घंटे में दिल्ली के गेंदबाज को मिली सजा; बीसीसीआई ने लगाई लताड़

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के 43वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। वैभव सूर्यवंशी का जादू इस मैच में नहीं चल पाया। न्यूजीलैंड के गेंदबाज काइल जैमीसन ने 2 गेंद में ही उनकी पारी खत्म कर दी। जैमीसन ने वैभव को क्लीन बोल्ड किया और उसके बाद उनको चिढ़ाया भी। इसके बाद कीवी गेंदबाज की काफी आलोचना हुई और कुछ ही घंटे में आईपीएल मैनेजमेंट की तरफ से उन्हें सजा भी सुनाई गई।

आईपीएल द्वारा जारी बयान के मुताबिक काइल जैमीसन को वैभव को आउट करके चिढ़ाने के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल 1 का आरोपी माना गया। आईपीएल के आर्टिकल 2.5 के तहत जैमीसन को दोषी पाया गया है। इस आर्टिकल के तहत किसी खिलाड़ी द्वारा ऐसे शब्द बोलना, ऐसे एक्शन करना जिससे सामने वाला खिलाड़ी भड़क सकता है, इसके मुताबिक जैमीसन का आरोप सिद्ध हुआ।

मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा जैमीसन पर यह आरोप लगाए गए थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाज ने इन आरोपों को स्वीकारा और इसके परिणाम को भी स्वीकार किया। आईपीएल द्वारा इस उल्लंघन के लिए काइल जैमीसन को चेतावनी दी गई और एक डिमेरिट अंक भी उनको मिला। हालांकि, मैच फीस का जुर्माना उनके ऊपर नहीं लगाया गया।

क्या था पूरा मामला?

यह मामला पारी के दूसरे ओवर का था। वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर से इंटरनेशनल गेंदबाज का सामना निडर होकर किया और पहली गेंद पर जैमीसन को चौका लगा दिया। उसके बाद दूसरी गेंद पर न्यूजीलैंड के पेसर ने उन्हें बोल्ड कर दिया। फिर विकेट लेने के बाद उन्होंने 15 वर्षीय वैभव को चिढ़ाया और अजीब तरह से सेंड ऑफ किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर भी जैमीसन की काफी आलोचना हुई थी। यूजर्स उनके ऊपर बुरी तरह भड़क उठे थे।

आईपीएल 2026- हर 100 में से 20 कैच छूटे

9 खिलाड़ियों के शतक, इनमें से 5 ने जीवनदान के बाद लगाई सेंचुरी

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में कैच छोड़ने वाली ज्यादातर टीमों को मैच गंवाने पड़ रहे हैं। इस बार हर 100 में से करीब 20 कैच छूट रहे हैं। नतीजा यह है कि बल्लेबाजों को मिले 'जीवनदान' सीधे मैच का रुख बदल रहे हैं।

अब तक लगे 9 शतकों में से 5 ऐसे बल्लेबाजों ने बनाए हैं, जिन्हें कम से कम एक बार कैच छोड़कर मौका दिया गया। शुरुआती 41 मैचों तक कैचिंग एफिशिएंसी सिर्फ 80.25% रही है, जो 2018 के बाद से पांचवां सबसे खराब प्रदर्शन है। पिछले सीजन में यह आंकड़ा 75.89% था।

जीवनदान के बाद बैटर के 40+ रन; 78 प्रतिशत मैच हारीं टीमें

कैच टपकाने का खामियाजा टीमों को हार के रूप में चुकाना पड़ रहा है। मौजूदा सीजन में 18 पारियां ऐसी रही हैं, जहां जीवनदान पाने वाले बल्लेबाज ने 40+ रन बनाए। इनमें से 14 मैचों में (लगभग 78%) फील्डिंग करने वाली टीम को शिकस्त झेलनी पड़ी।

IPL 2026
शतक लगाने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	शतक	बल्लेबाज	शतक
संजू सैमसन	2	केएल राहुल	1
क्विंटन डी कॉक	1	अभिषेक शर्मा	1
रायन रिकलटन	1	साई सुदर्शन	1
तिलक वर्मा	1	वैभव सूर्यवंशी	1

कुल 9 शतक

यह आंकड़ा पिछले नौ आईपीएल सीजनों में सबसे खराब है। कैच छूटने के बाद बैटर्स औसतन 17 रन जोड़ रहे हैं, जो 2018 के बाद से सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। दिल्ली को 5 में से 3 हार तब मिलीं, जब उन्होंने किसी का कैच छोड़ा और उसने मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। इसमें सैमसन (115*), अभिषेक (135*) के शतक हैं।

इन 3 मौकों पर टीमों को कैच छोड़ना भारी पड़ा

विराट कोहली को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वॉशिंगटन सुंदर ने शून्य के स्कोर पर जीवनदान दिया। उन्होंने 44 गेंदों में 81 रन की पारी खेलकर आरसीबी को एकतरफा जीत दिलाई और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

पंजाब किंग्स के शशांक सिंह ने महज 12 रन पर केएल राहुल का कैच छोड़ा।

राहुल ने 67 गेंदों में 152* रन की बतौर भारतीय सबसे बड़ी पारी खेल दी। उनकी टीम हार गई, फिर भी उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

जीवनदान के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	पारी	रन	SR	औसत	40+ रन
KL राहुल	3	211	213.13	105.50	2
विराट कोहली	4	163	187.36	54.33	2
वैभव सूर्यवंशी	3	154	280.00	51.33	2
प्रभसिमरन सिंह	3	149	225.76	74.50	2
अभिषेक शर्मा	3	110	220.00	55.00	2

दिल्ली ने प्रभसिमरन सिंह (76) को 6 रन और अय्यर (71*) को 28 रन पर आउट करने का मौका गंवाया। दोनों ने मैच जिताऊ पारियां खेलीं। पंजाब ने 265 रन का आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज कर दिया।25 अप्रैल को हुए मैच में दिल्ली के करुण नायर ने पंजाब के श्रेयस को 3 गेंदों में दो जीवनदान दिए।

एक ही दिन में रिकॉर्ड 16 कैच छूटे, इससे रिकॉर्ड 986 रन बन गए

25 अप्रैल को सीजन के सातवें डबल हेडर के दो मैचों में रिकॉर्ड 16 कैच छोड़े गए थे। इसका आलम यह रहा कि दोनों मुकाबले मिलाकर कुल 986 रन बने, जो आईपीएल इतिहास में एक दिन में सबसे ज्यादा हैं।

इस दौरान पंजाब ने दिल्ली के खिलाफ 265 रन का लीग इतिहास का सर्वोच्च और हैदराबाद ने राजस्थान के खिलाफ 229 रन का जयपुर वेन्यू का सर्वोच्च रन चेज किया।

7 साल के इशांक सिंह का कारनामा

10 घंटे में 29 किलोमीटर का 'पाक स्ट्रेट' तैरकर पार किया; यंगेस्ट स्विमर बने

रांची, 2 मई (एजेंसियां)। रांची के रहनेवाले 7 साल के इशांक सिंह ने महज विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने श्रीलंका के तलाईमन्नार से भारत के धनुषकोडी (तमिलनाडु) तक 29 किलोमीटर का खतरनाक 'पाक स्ट्रेट' का रास्ता 9 घंटे 50 मिनट में तैरकर पार किया। उन्होंने 30 अप्रैल 2026 को यह उपलब्धि हासिल की। इशांक अब 'पाक स्ट्रेट' का समुद्री रास्ता पार करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के स्विमर बन गए हैं। यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम ने उन्हें 'यंगेस्ट एंड फास्टेस्ट पाक स्ट्रेट स्विमर' का विश्व रिकॉर्ड सर्टिफिकेट भी दिया है। इशांक रांची के धुर्वा डैम में रोजाना 4 से 5 घंटे की प्रैक्टिस करते थे। उनकी ट्रेनिंग कोच अमन कुमार जायसवाल और बजरंग कुमार के गाइडेंस में हुई। पाल्क स्ट्रेट भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है, जहां तेज धाराएं और समुद्री जानवरों का खतरा रहता है। इसके बावजूद उन्होंने पूरा रास्ता तय किया।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप के लिए टीम इंडिया का ऐलान

वनडे वर्ल्डकप जिताने वाली हरमनप्रीत कप्तान, उस टीम की 11 खिलाड़ी शामिल

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। पिछले साल वनडे वर्ल्डकप जिताने वालीं कप्तान हरमनप्रीत कौर को ही टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना को ही वाइस कैप्टन बनाया गया है। शनिवार को जारी इस टीम में पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली 11 खिलाड़ियों को जगह मिली है। पंजाब की नंदनी शर्मा को पहली बार वर्ल्ड कप में चुना गया है। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 12 जून से इंग्लैंड में होगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ 14 जून को बर्मिंघम में करेगा। टीम को ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ रखा गया है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना,

शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, यस्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, श्रेयांका पाटिल और राधा यादव।

भारतीय टीम में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को बतौर ओपनर जगह मिली है। तीसरे नंबर पर जेमिमा रोड्रिग्स का नाम है। नंदनी शर्मा को पहली बार वर्ल्डकप टीम में जगह मिली है।

कप्तान हमरनप्रीत कौर टी-20 वर्ल्ड कप में चौथे नंबर पर अहम भूमिका निभाएंगी। ऋचा घोष को विकेटकीपर चुना है। वे डेथ ओवर्स में बड़े शॉट लगाने में माहिर हैं। यास्तिका को बैकअप विकेटकीपर और ओपनर चुना गया है।

अनुभवी तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर को पेस अटैक की जिम्मेदारी दी गई है। क्रांति गौड़ और अरुंधति रेड्डी उनका साथ देंगी। वहीं, स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को स्पिनर डिपार्टमेंट की जिम्मेदारी मिली है। श्रेयांका पाटिल और एन श्रीचरणी भी अहम भूमिका निभएंगी।

यानिक सिनर ने अपने करियर की 350वीं जीत दर्ज की, पहली बार मैड्रिड ओपन के फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड, 2 मई (एजेंसियां)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने करियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं।

फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले भारत को लगा झटका, लक्ष्य सेन मुकाबले से हुए बाहर

हॉर्सन्स, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन टीम का थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से सामना होना है, लेकिन इससे पहले ही टीम को झटका लगा है। भारत के स्टार पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन इस मैच में नहीं खेलेंगे। उनके कोहनी में सूजन है। लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर छह चोउ टिएन चेन के खिलाफ एक घंटे 28 मिनट तक चले मैच में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की थी जिससे भारत ने चीनी ताइपे के खिलाफ 3-0 की अजेय बढ़त बना ली थी।

मैच के दौरान हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य चोटिल हो गए थे और उनकी कोहनी में चोट आई थी। भारतीय टीम के पूर्व कोच और लक्ष्य के मेंटर विमल कुमार ने कहा, चोउ टिएन चेन के खिलाफ मैच में गिरने के बाद लक्ष्य के हाथ में, खासकर कोहनी के

आसपास सूजन आ गई है। साथ ही उनके पैरों में छाले भी पड़ गए हैं।

अगर लक्ष्य मैच में नहीं खेल सके तो उनकी जगह युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को मौका मिलेगा जो ओपनिंग पुरुष एकल मैच में विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ खेलेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों का एकमात्र आमना-सामना 2024 में हाइलो ओपन में हुआ था जहां पोपोव ने भारतीय खिलाड़ी को मात दी थी। विश्व के 30वें नंबर के खिलाफ किदांबी श्रीकांत दूसरे पुरुष एकल वर्ग में विश्व के 10वें के खिलाड़ी एलेक्स लेनिएर के खिलाफ खेलेंगे।

वहीं, एचएस प्रणय तीसरे पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे जो विश्व नंबर 17 तोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ मैच खेलेंगे। उन दोनों के बीच 1-0 का रिकॉर्ड है। तोमा ने पिछले साल ऑल इंग्लैंड क्लब में प्रणय को हराया था। अगर एकल वर्ग में नतीजा नहीं निकला तो हरिहरण अमसाकारुनान और एमआर अर्जुन की जोड़ी पहले युगल मुकाबले में एलोई और लियो रोसी का सामना करेगी। आखिरी मैच में विश्व के चौथी नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पोपोव ब्रदर्स का सामना करेंगे।

आईपीएल 2026 होगा मिचेल स्टार्क का आखिरी सीजन?

खेल डेस्क, 2 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तकरीबन 3 महीने बाद कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में शानदार वापसी की, जिससे उनकी फिटनेस और लंबे समय तक खेलने की संभावनाओं को लेकर उठ रही चिंताएं दूर हो गईं. कंधे और कोहनी की चोट से उबर रहे इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक जोरदार प्रदर्शन किया, जिसने उनके स्किव और एक्सपीरिएंस दोनों को सामने लाया. वापसी करते ही स्टार्क ने तुरंत अपना असर दिखा दिया. अपने पहले ही ओवर में उन्होंने यशस्वी जायसवाल को आउट

करके शुरुआती कामयाबी हासिल की, जिससे विपक्षी टीम पर शुरू से ही दबाव बन गया. उनकी लय और कंट्रोल को देखकर ऐसा लगा मानो इतने लंबे ब्रेक के बावजूद उनकी धार जरा भी कम नहीं हुई है. जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ी, स्टार्क गेंदबाजी में अपनी अहम भूमिका निभाते रहे. 17वें ओवर में उन्होंने रवींद्र जडेजा और रियान पराग दोनों को आउट कर दिया, जिससे विरोधी टीम की पारी को मिली आखिरी पलों की स्पीड पर रोक लग गई. उन्होंने 40 रन देकर 3 विकेट लिए, जिससे जरूरी मौकों पर बेहतरीन प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता साबित हुई. मैच के बाद बातचीत करते हुए, स्टार्क ने अपनी वापसी पर राहत और कॉन्फिडेंस का अहसास किया. 'शरीर की अकड़न दूर करना और खेल की गति में वापस आना अच्छा लग रहा है. मुझे लगता है कि पैरों में थोड़ी दौड़-भाग करना अच्छा रहा, लेकिन टीम के साथियों के बीच वापस आना, ट्रेनिंग करना और फिर जाहिर तौर पर आज रात जीत हासिल करना बहुत बढ़िया रहा. तो हां, वापसी करके बहुत अच्छा लग रहा है. मैं पिछले कुछ हफ्तों से थोड़ी-बहुत गेंदबाजी कर रहा था, बस अपनी कोहनी की पोजिशन ठीक करने की कोशिश कर रहा था ताकि मैं उसकी मूवमेंट को ठीक से संभाल सकूं.'

स्टार्क ने आगे कहा, 'आज रात से पहले, मैंने तीन महीने तक किसी बल्लेबाज को गेंदबाजी नहीं की थी. इसलिए, ये एक तरह से बहुत तेजी से पुरानी गति में वापस आने जैसा था.

आरटीसी कर्मचारी यात्रियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं : परिवहन मंत्री

17 मई तक सभी डिपो में बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जाए

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएस आरटीसी) के अधिकारियों और कर्मचारियों को यात्रियों के प्रति सकारात्मक व्यवहार अपनाने के निर्देश राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दिए।

शनिवार को आरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी के साथ उच्च अधिकारियों की जूम बैठक में मंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। हाल ही में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ हुई बैठक में आरटीसी कर्मचारी संघ के नेताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि आरटीसी में कार्यरत ड्राइवर, कंडक्टर और अन्य कर्मचारियों के साथ अधिकारी सख्ती या उत्पीड़न की भावना से नहीं, बल्कि मित्रतापूर्ण वातावरण में काम करें। उन्होंने निर्देश दिया कि कर्मचारियों से विनम्रता और आत्मीयता के साथ कार्य लिया जाए और सभी मिलकर संगठन को आगे बढ़ाएं। कर्मचारियों की समस्याएं सीधे सुनने के लिए प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को सभी डिपो में शिकायत निवारण बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएं। कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि 17 मई तक सभी डिपो और बस स्टेशनों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जाए। विशेष रूप से शौचालय, पेयजल, स्वच्छता और हरित वातावरण के मामले में कोई समझौता न किया जाए। टिकटिंग से संबंधित समस्याओं को आपसी समझदारी से सुलझाने और कर्मचारियों के साथ विवाद से बचने की भी हिदायत दी गई। मंत्री ने यह भी कहा कि 9 दिसंबर 2023 को शुरू की गई 'महालक्ष्मी' योजना सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। उन्होंने डिपो प्रबंधकों को निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाए रखते हुए आरटीसी सेवाओं को आम जनता तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए।

बैठक में आरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जून माह के अंत तक बस स्टैंडों में वाणिज्यिक दुकानों से संबंधित लंबित मामलों तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं का समाधान किया जाए। उन्होंने संस्था को भविष्य में अधिक लाभदायक और सेवा-उन्मुख बनाने का आह्वान किया।

इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में कार्यकारी निदेशक सीएच. वेंकन्ना, खुसरो शाह खान, राजशेखर, सोलोमन, एफए विजयपुष्प, सीटीएम श्रीदेवी सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख, क्षेत्रीय प्रबंधक और डिपो प्रबंधक उपस्थित रहे।

कमर्शियल गैस सिलेंडर कीमत वृद्धि पर केंद्र सरकार पर निशाना

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। चंद्रायनगुट्टा से कांग्रेस के नेता बोया नागेश ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 993 रुपये तक बढ़ाकर आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत लगभग 1000 रुपये के आसपास थी, लेकिन उस समय मामूली वृद्धि पर भी भाजपा नेताओं ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के खिलाफ कड़ी बयानबाजी की थी। अब वही भाजपा सरकार खुद कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग प्रभावित हो रहा है। बोया नागेश ने यह भी कहा कि हाल ही में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर की गई टिप्पणियां अनुचित थीं। उन्होंने सवाल उठाया कि अब बढ़ी हुई गैस कीमतों पर केंद्रीय मंत्री क्या जवाब देंगे। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि हिम्मत है तो किशन रेड्डी और रामचंद्र राव को इस मुद्दे पर आधिकारिक प्रेस वार्ता कर जनता से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियां आम जनता के हितों के खिलाफ हैं और लगातार महंगाई बढ़ाकर लोगों की परेशानियां बढ़ाई जा रही हैं।

पिता-पुत्र ने पकड़ा गैस घोटाला, हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने किया सम्मानित

पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में हो रही चोरी का पर्दाफाश करने वाले पिता-पुत्र को हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनर ने सम्मानित किया। उनकी सतर्कता और साहस की सराहना करते हुए शनिवार को बंजारा हिल्स स्थित टीजीआईसीसीसी में प्रशंसा पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि समाज में हो रहे अपराधों के खिलाफ प्रत्येक नागरिक को इसी तरह जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने पिता-पुत्र की सराहना करते हुए कहा कि वे बिना वर्दी के पुलिस की तरह कार्य करते हुए अवैध गतिविधियों को उजागर करने में सफल रहे, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है।

जानकारी के अनुसार, चूड़ी बाजार निवासी व्यापारी अशोक तिवारी ने पिछले महीने 21 तारीख को गैस सिलेंडर बुक किया था। डिलीवरी के समय उनके 16 वर्षीय पुत्र नमन तिवारी ने सिलेंडर का वजन कम पाया। जांच में सामने आया कि नियमानुसार 30.4 किलोग्राम होने वाले सिलेंडर का वजन मात्र 28 किलोग्राम था। पहले भी इसी तरह कम गैस मिलने की बात सामने आई थी। इस पर पिता-पुत्र ने संबंधित एजेंसी 'सिद्धार्थ एंटरप्राइजेज' के कर्मचारियों से सवाल किया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने खुद जांच-पड़ताल की, जिसमें पता चला कि एजेंसी के कर्मचारी जुमेरात बाजार क्षेत्र में एक मकान में अवैध रूप से घरेलू सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों में गैस भर रहे थे और इसे व्यावसायिक उपयोग में ला रहे थे। इस गंभीर अनियमितता की शिकायत गोशामहल पुलिस थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सिद्धार्थ एंटरप्राइजेज एजेंसी सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान साई कुमार, विनीत कुमार, पूसा गणेश, प्रवीण कुमार और अमित कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने उनके कब्जे से 2 कमर्शियल, 7 घरेलू और 12 छोटे सिलेंडर के साथ रिफिलिंग उपकरण भी जब्त किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में अत्यंत खतरनाक तरीके से गैस रिफिलिंग की जा रही थी, जिससे आम लोगों की जान को खतरा था।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि ऐसे जिम्मेदार नागरिकों के कारण ही समाज में अपराधों पर नियंत्रण संभव है। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी अपील की कि वे अपने पास आने वाले उत्पादों की गुणवत्ता और मात्रा की नियमित जांच करें और किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ हैदराबाद सिटी पुलिस सख्त कार्रवाई जारी रखेगी और इस तरह की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कहीं भी ऐसी घटना सामने आने पर तुरंत डायल 100 या स्थानीय पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है। कार्यक्रम में गोलकोंडा जोन के डीसीपी चंद्र मोहन, गोशामहल एसएचओ श्रवण कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इंटर पूरक परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इंटरमीडिएट सार्वजनिक उन्नत पूरक परीक्षा के लिए शुल्क पुष्टि और भुगतान की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी 3,000 रुपये के विलंब शुल्क के साथ 4 मई सायं 5 बजे तक शुल्क जमा कर सकेंगे। यह विस्तारित तिथि प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के नियमित विद्यार्थियों के साथ-साथ अनुत्तीर्ण अभ्यर्थियों पर भी लागू होगी। विद्यार्थी अपने संबंधित महाविद्यालयों में शुल्क जमा कर परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

खरीद केंद्रों की मांग को लेकर प्रदर्शन

पूर्व मंत्री ने सरकार पर साधा निशाना

आदिलाबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जोगू रामन्ना ने राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि किसानों की उपेक्षा करने वाली नीतियों के लिए सरकार को कड़ा जवाब मिलेगा। शनिवार को उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बेला मंडल के गोब्बाई गांव में सड़क अवरोध कर चना और ज्वार की खरीद के लिए तत्काल केंद्र स्थापित करने की मांग की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय के लिए यातायात बाधित कर सरकार के विरूद्ध नारेबाजी की।

जोगू रामन्ना ने आरोप लगाया कि खरीद केंद्र स्थापित करने में हो रही देरी के कारण किसानों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही के चलते किसान अपनी उपज उचित मूल्य पर बेचने से वंचित हो रहे हैं।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे किसान हितों की अनदेखी करने वाली नीतियों का उचित समय पर जवाब दें। इसी क्रम में मंडगाड़ा गांव में भी समर्थकों ने सड़क अवरोध कर चना और ज्वार की खरीद के लिए केंद्र स्थापित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि खरीद केंद्रों की अनुपलब्धता के कारण किसानों को मजबूरन अपनी उपज निजी व्यापारियों को बेचनी पड़ रही है। उन्होंने सरकार से शीघ्र खरीद केंद्र स्थापित कर किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की।

चार माह बाद हत्या का राज खुला, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट क्षेत्र में पुलिस ने चार महीने पहले हुई एक हत्या के मामले का पर्दाफाश करते हुए एक प्लंबर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक व्यक्ति की हत्या कर उसके शव को घर में ही दफनाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के. वेंकट रामुलु (47) मौला अली क्षेत्र का निवासी है और मूल रूप से महबूबनगर जिले का रहने वाला है। 15 दिसंबर को वह लक्ष्मी नगर स्थित जी. मल्लेश के घर गया था, जहां दोनों ने साथ बैठकर मदिरा का सेवन किया। मलकाजगिरि के पुलिस उपायुक्त सी.एच. श्रीधर ने बताया कि मदिरा सेवन के बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि मल्लेश द्वारा अपशब्द कहे जाने पर रामुलु ने गुस्से में आकर लकड़ी के डंडे से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना के बाद आरोपी ने शव को घर की रसोई में बने चबूतरे के नीचे छिपा दिया और उसे ढकने के लिए ईंटों की संरचना बना दी, ताकि किसी को संदेह न हो। मामले का खुलासा तब हुआ जब मल्लेश द्वारा किराया न देने पर मकान मालिक ने अप्रैल माह में उससे संपर्क करने का प्रयास किया।

संपर्क न होने पर उसने घर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। रसोई में ईंटों से बनी संरचना से दुर्गंध आने पर उसे हटाया गया, जहां से मानव कंकाल के अवशेष मिले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अवशेषों को परीक्षण के लिए भेज दिया। जांच के दौरान संदेह के आधार पर रामुलु को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस मामले की आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

सभी लोगों तक पहुंचेंगी सरकारी कल्याणकारी योजनाएं : निर्मला जग्गा रेड्डी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सभी लाभार्थियों तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना ही सरकार का मुख्य लक्ष्य है। यह बातें टीजीआईआईसी चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने कही। 'प्रजापालन-प्रगति योजना' के 99 दिवसीय कार्यक्रम के तहत शनिवार को संगारेड्डी के पीएसआर गार्डन में विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही 48 घंटों के भीतर महिलाओं के लिए 'महालक्ष्मी योजना' के तहत राज्य परिवहन निगम की बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा शुरू की। इसके अलावा 'इंदिरम्म आवास', 'गृह ज्योति' और 500 रुपये में गैस सिलेंडर जैसी योजनाओं को लागू कर जनहित में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में एक भी नया राशन कार्ड जारी नहीं किया गया, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही पात्र गरीबों को नए राशन कार्ड उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर करोड़पति बनाना सरकार का लक्ष्य है। निर्मला जग्गा रेड्डी ने बताया कि 'प्रजापालन-प्रगति योजना' कार्यक्रम का उद्देश्य 99 दिनों तक लगातार लोगों के बीच जाकर उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वयं सहायता समूहों को 195.18 करोड़ रुपये के बैंक ऋण वितरित किए गए। इस अवसर पर डीआरडीओ ज्योति, आरडीओ राजेंद्र, संगारेड्डी एवं सदाशिवपेट की नगरपालिकाओं की अध्यक्ष कूना वनिता और अंजम्मा, नगर पार्षद, सीडीसी चेयरमैन राम रेड्डी, मार्केट कमेटी चेयरमैन रामचंद्र नायक, नगर आयुक्त श्रीनिवास रेड्डी, शिवाजी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नए डीजीपी ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद ने शनिवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट किया। राज्यपाल ने सी.वी. आनंद को डीजीपी का कार्यभार संभालने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके बाद दोनों के बीच संक्षिप्त बैठक हुई, जिसमें डीजीपी ने राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी राज्यपाल को दी।

फसलों में आग की घटनाओं से किसान परेशान

विद्युत दोष को लेकर बढ़ी चिंता

निर्मल/आदिलाबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल और आदिलाबाद जिलों में हाल के दिनों में फसलों में आग लगने की घटनाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि विद्युत दोष के कारण खड़ी मक्का, ज्वार और ताड़ तेल की फसलें जलकर नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि वे पहले से ही फसलों के उचित मूल्य न मिलने, उर्वरकों की आपूर्ति में विलंब तथा 'रायथु भरोसा' योजना के लाभों में कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में फसलों में आग लगने की घटनाओं ने उनकी स्थिति और गंभीर कर दी है। किसानों ने विद्युत वितरण से जुड़े अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। 28 अप्रैल को पेम्बी गांव में विद्युत दोष के कारण पांच किसानों की लगभग 12 एकड़ फसल प्रभावित हुई, जिससे क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए खानपुर क्षेत्र के एक जनप्रतिनिधि भुक्या जॉनसन नाइक ने इस मुद्दे को सार्वजनिक मंच पर उठाया, जिसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मामले की जांच के निर्देश देते हुए प्रभावित किसानों को सहायता प्रदान करने का आदेश दिया।

कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में बताया गया कि हाल की घटनाओं में 77 किसानों की लगभग 110 एकड़ फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं। वहीं अग्निशमन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन घटनाओं के पीछे केवल विद्युत दोष ही नहीं, बल्कि खेतों में कृषि अवशेष जलाना, लापरवाही से धूम्रपान करना तथा आपसी विवाद के चलते जानबूझकर आग लगाना भी कारण हो सकता है। किसान संगठनों ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से मांग की है कि विद्युत दोष से होने वाली फसल क्षति को बीमा के दायरे में शामिल किया जाए तथा सर्वेक्षण कर उचित मुआवजा दिया जाए। हालांकि, विद्युत वितरण विभाग के अधिकारियों ने किसानों के आरोपों को अस्वीकार करते हुए कहा कि जिन विद्युत लाइनों पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उनमें किसी प्रकार की विद्युत आपूर्ति बाधित होने की सूचना दर्ज नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि कुछ स्थानों पर सहायक तारों को हटाए जाने के कारण भी ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। विभाग ने कहा कि खेतों से गुजरने वाली उच्च दाब विद्युत लाइनों की सुरक्षा के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

कथित शॉर्ट सर्किट से दो एकड़ मक्का जलकर नष्ट

किसान ने मुआवजे की मांग की

आदिलाबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बाजारहथनूर मंडल के भुतायी गांव में शनिवार को कथित विद्युत शॉर्ट सर्किट के कारण लगभग दो एकड़ में खड़ी मक्का की फसल जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। किसान जयवंत राव और मारुति ने बताया कि आग लगने से उनकी पूरी फसल नष्ट हो गई, जिससे उन्हें लगभग 18 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना विद्युत शॉर्ट सर्किट के कारण हुई और कृषि विभाग से मांग की कि तत्काल सर्वेक्षण कर मुआवजा प्रदान किया जाए। किसानों ने कहा कि मक्का, ज्वार सहित अन्य खड़ी फसलों के जलने से उन्हें भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है।

सूचना मिलने पर कृषि अधिकारियों ने प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया और बताया कि विस्तृत रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि किसानों को सहायता दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अधिकारियों ने यह भी कहा कि जिले में फसलों में आग लगने की घटनाओं के कारणों का अध्ययन किया जा रहा है। साथ ही, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विद्युत वितरण कंपनी और अग्निशमन विभाग के साथ समन्वय किया जा रहा है। इसी गांव में एक दिन पहले भी इसी तरह की घटना में मारुति की दो एकड़ मक्का फसल जलकर नष्ट हो गई थी। इससे पहले बोथ क्षेत्र के विधायक अनिल जाधव ने निगिनी गांव में शॉर्ट सर्किट से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की थी।

आदिवासी युवक ने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की

आईएएस व आईटीडीए के प्रोजेक्ट ऑफिसर बी. राहुल को बताया प्रेरणास्रोत

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के भद्राचलम एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण (आईटीडीए) के इतिहास में एक अनोखा और प्रेरणादायक अध्याय जुड़ गया है। एक आदिवासी युवक ने अपनी साहसिक उपलब्धि के माध्यम से न केवल अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया, बल्कि एक ईमानदार प्रशासनिक अधिकारी के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा भी व्यक्त की। खम्मम जिले के पेनुबल्ली मंडल के वी.एम. बंजार गांव निवासी मोती कुमार ने हाल ही में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (5,364 मीटर) तक सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की।

इससे पहले वह माउंट किलिमंजारो (5,895 मीटर) और माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर) पर भी विजय प्राप्त कर चुके हैं। अब उनका लक्ष्य विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह करना है। इस साहसिक यात्रा के दौरान मोती कुमार ने बर्फीली वादियों से एक वीडियो संदेश जारी किया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपने संदेश में उन्होंने आईएएस अधिकारी व आईटीडीए के प्रोजेक्ट ऑफिसर बी. राहुल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए उनके प्रयास प्रेरणादायक हैं। इसी सम्मान के प्रतीक के रूप में वह राहुल के नाम का बैनर एवरेस्ट बेस कैंप तक लेकर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार, किसी सरकारी अधिकारी के प्रति इस प्रकार का समर्पण और सम्मान विरल ही देखने को मिलता है। यह घटना इस बात का उदाहरण है कि पारदर्शी और जनहितकारी प्रशासन किस प्रकार लोगों के दिलों में गहरी छाप छोड़ता है। पिछले दो वर्षों में बी. राहुल के नेतृत्व में भद्राचलम आईटीडीए क्षेत्र में विकास की नई लहर आई है। उन्होंने आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आधुनिक संग्रहालय की स्थापना कराई, 'भद्रागिरी मार्ट' के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार किए। उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए आदिवासी संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) ने उन्हें 'आदिवासी विकास रत्न' सम्मान से भी नवाजा है। मोती कुमार ने अपने आगामी एवरेस्ट अभियान के लिए समाजसेवियों और दानदाताओं से आर्थिक सहयोग की अपील की है। उनका कहना है कि यदि उन्हें पर्याप्त समर्थन मिला, तो वह जल्द ही एवरेस्ट की चोटी पर तिरंगा फहराने का सपना साकार करेंगे। यह कहानी न केवल साहस और संकल्प की मिसाल है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि सच्ची सेवा और समर्पण लोगों के दिलों में किस तरह अमिट छाप छोड़ते हैं। 'स्वतंत्र वार्ता' से फोन पर हुई बातचीत के दौरान मोती कुमार ने अपनी यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उनकी यात्रा 18 अप्रैल को शुरू हुई थी और 4 मई को पूरी होगी। उन्होंने कहा कि वह 5 मई तक भारत लौट आएंगे। वर्तमान में वह नेपाल में हैं और उनकी अगली फ्लाइट निर्धारित है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी एवरेस्ट बेस कैंप की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर ली है और राष्ट्रीय ध्वज फहराना उनके लिए अत्यंत गर्व की बात है।

मंचेरियाल में कोयला उत्पादन की समीक्षा

मंचेरियाल, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी के श्रीरामपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक मुनिगंती श्रीनिवास ने बताया कि एक खदान को छोड़कर क्षेत्र की पांच भूमिगत खदानों ने अप्रैल माह में 100 प्रतिशत से अधिक कोयला उत्पादन हासिल किया। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके कार्यक्षेत्र में छह भूमिगत खदानें और दो खुली खदान परियोजनाएं शामिल हैं। अप्रैल माह के लिए निर्धारित 5.47 लाख टन के मुकाबले कुल 3.07 लाख टन कोयला उत्पादन हुआ, जो लगभग 56 प्रतिशत उपलब्धि है। हालांकि, भूमिगत खदानों का कुल उत्पादन 99 प्रतिशत रहा, जबकि खुली खदान परियोजनाओं में उत्पादन केवल 44 प्रतिशत दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि एसआरपी-1 खदान में 123 प्रतिशत उत्पादन हुआ, जबकि आरके एनटी और आरके-5 खदानों में क्रमशः 104 प्रतिशत और 102 प्रतिशत उत्पादन दर्ज किया गया। इसी प्रकार, एसआरपी-3 और आरके-7 खदानों में भी 100 प्रतिशत उत्पादन हासिल किया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.